दैनिक **नवप्रदेश** — आदित्यवर्णं तमसः परस्तात् — प्रदेश के साथ पूरा देश...

www.navpradesh.com | रायपुर, मंगलवार 05 मई 2020, वैशाख शुक्ल पक्ष-त्रयोदशी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-09 अंक-84 पृष्ठ-12 मूल्य-3 रुपए | छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

अंदर के पृष्ठों पर

3 राजधानी — 3536 करोड़ की लागत के 870 किमी...

4 अभिव्यक्ति — आरक्षण समाप्ति के कुचक्र में शब्द जीते...

9 मनोरंजन/खेल — क्राइम थ्रिलर में काम करेंगी तापसी पन्नू....

11 व्यापार — सिल्वर लेक पार्टनर्स ने रिलायंस जियो...

सुविचार

यदि व्यक्ति अपने नैतिक मूल्य खो देता है तो मानो अपना सब कुछ खो देता है।

आज बेबाक

लॉकडाउन के कारण जिन लोगों के सामने भूखों मरने की नौबत आ गई थी वे लोग शराब दुकान खुलते ही नोटों की गड्डियां लेकर ठेके पर टूट पड़े और सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ादी। लगभग सभी राज्य सरकारों ने अपनी दयनीय आर्थिक स्थिति का हवाला देकर शराब दुकानें खोल दी है। इससे उन्हे भारी राजस्व मिलेगा भले ही इसकी वजह से कोरोना और फैलता है तो फैले। विभिन्न प्रदेशों की चरमराती अर्थव्यवस्था में सुधार करने वाले बेवड़ों को उनके अमूल्य योगदान के लिए राज्य सरकारें भारत रत्न की तरह प्रदेश रत्न की उपाधि से सम्मानित करें तो ताज्जुब नहीं होगा।

खरीफ सत्र में किसानों को मिलेगा 4600 करोड़ का कर्ज

मुख्यमंत्री भूपेश बोले- खाद बीज के अग्रिम उठाव के लिए किसानों को करें प्रेरित

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। इस साल खरीफ सीजन में किसानों को 4600 करोड़ रुपए का कर्ज देने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि खरीफ सीजन के लिए किसानों को अग्रिम रूप से खाद-बीज का उठाव करने के लिए प्रेरित किया जाए। मुख्यमंत्री बघेल ने गत दिवस अपने निवास कार्यालय में सहकारिता एवं मार्कफेड विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर आगामी खरीफ सीजन के लिए तैयारियों की समीक्षा के दौरान उक्ताश्य के निर्देश दिए। वहीं सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने बताया कि इस साल खरीफ सीजन में किसानों को 4600 करोड़ रुपए का ऋण वितरण लक्ष्य रखा गया है।

अब तक 215 करोड़ का कर्ज वितरित

अब तक राज्य के 61 हजार 700 किसानों को खरीफ की खेती के लिए 215 करोड़ रुपए वितरित किया जा चुका है। राज्य के सहकारी बैंकों द्वारा 15 लाख 3 हजार किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड जारी किया गया है। राज्य की 1333 सहकारी समितियों के माध्यम से रासायनिक खाद एवं प्रमाणित बीज का भंडारण एवं वितरण भी शुरू कर दिया गया है।

6 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा खाद वितरण का लक्ष्य

खरीफके लिए राज्य में 6 लाख 35 हजार मीट्रिक टन रासायनिक खाद के वितरण का लक्ष्य है जिसके विरूद्ध अब तक 3 लाख 63 हजार मीट्रिक टन खाद का भंडारण सहकारी संस्थाओं में किया जा चुका है, जो राज्य की मांग का 57.16 प्रतिशत है। राज्य में सहकारी समितियों के माध्यम से अब तक 33 हजार 343 टन रासायनिक खाद किसानों वितरित कर दी गई है।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के ऐलान के बाद राज्य शासन का फैसला

राज्य सरकार के खर्च पर लाए जाएंगे सभी श्रमिक

छत्तीसगढ़ के करीब 1.17 लाख प्रवासी मजदूर फंसे हैं दूसरे राज्यों में

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। दूसरे राज्यों में फंसे छत्तीसगढ़ के प्रवासी मजदूरों को स्पेशल ट्रेनों से छत्तीसगढ़ वापस लौटने के लिए कोई खर्च नहीं करना होगा। उनकी टिकट का खर्ज राज्य सरकार उठाएगी। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के प्रवासी मजदूरों के रेल टिकट का भुगतान पार्टी द्वारा किए जाने के ऐलान के तुरंत बाद सोमवार को छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के प्रवासी मजदूरों की वापसी के रेल किराए की राशि को वहन करने का निर्णय लिया है। राज्य के परिवहन सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने सोमवार को रायपुर रेल मंडल प्रबन्धक श्याम सुन्दर गुप्ता को लिखित रूप से छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा राज्य के प्रवासी मजदूरो की वापसी के रेल किराए की राशि को वहन करने की जानकारी दे दी है। सोनिया गांधी के ऐलान से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रेल मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखकर प्रवासी मजदूरों के रेल किराए को रेलवे के वहन करने की मांग की थी।

■ शेष पृष्ठ 8 पर

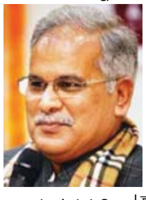

हेल्पलाइन नंबर शुरू

छत्तीसगढ़ के बाहर फंसे लोगों को निकालने के लिए हेल्पलाइन नंबर शुरू किया गया है। ये हेल्पलाइन नंबर हैं- 0771-2443809, 91098-49992, 75878-22800, 88276-11662। बाहर फंसे लोग इन नंबरों पर संपर्क कर अथवा उनके परिजनों द्वारा इन नंबरों पर संपर्क करके संबंधित व्यक्ति, समूहों की पूर्ण जानकारी दर्ज करा सकते हैं।

...तो रेल मंत्रालय ने 150 करोड़ कैसे दे दिए

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने फंसे मजदूरों से किराया

वसूलने के सरकार के फैसले पर हैरानी जताते हुए कहा कि वह गुत्थी नहीं सुलझा पा रहे है कि जब रेल मंत्रालय प्रधानमंत्री राहत कोष में कोरोना से लड़ने के लिए डेढ सौ करोड़ रुपए से ज्यादा का योगदान कर सकता है तो वह मजदूरों को निशुल्क घर क्यों नहीं पहुंचा पा रहा है।

जब से मोदी सरकार ने और रेलवे ने प्रवासी मजदूरों अपने प्रदेश से बाहर फंसे मजदूरों की घर वापसी के लिए विशेष ट्रेनों में किराया लेने की घोषणा की तब से पूरे देश में इसका विरोध हो रहा था। कांग्रेस ने घोषणा की है कि देश के प्रवासी मजदूरों को घर वापस लाने का किराया कांग्रेस के द्वारा वहन किया जाएगा कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की घोषणा का पूरे देश में व्यापक स्वागत हो रहा है।

शैलेष नितिन त्रिवेदी, अध्यक्ष प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख

रायपुर में 24 साल का युवक कोरोना पॉजिटिव, छत्तीसगढ़ में अब 22 मरीज

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमितों का ग्राफ लगातार बढ़ते जा रहा है। सोमवार को राजधानी रायपुर से एक 24 साल के युवक की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इस युवक का कोरोना टेस्ट एम्स रायपुर में हुआ था। एम्स के आधिकारिक सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है। इस तरह अब राज्य में एक्टिव पॉजिटिव केस की संख्या बढ़कर 22 हो गई। खबर लिखे जाने तक यह पता नहीं चल सका कि इस युवक की क्या कोई ट्रैवल हिस्ट्री है। इससे पहले रविवार को कवर्धा के 6 और दुर्ग के 8 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। राज्य में अब तक के मामलों की बात करें तो कोरोना के 58 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से 36 मरीज स्वस्थ होकर घर जा चुके हैं। जबकि 22 का इलाज चल रहा है।

सभी का एम्स में चल रहा इलाज

सभी 22 पॉजिटिव मरीजों का इलाज एम्स में ही चल रहा है। इनमें से 6 सूरजपुर जिले से, 6 कवर्धा से, 8 दुर्ग से व दो रायपुर के मरीज शामिल हैं। रायपुर के मरीजों में एक एम्स का नर्सिंग अधिकारी भी शामिल है। कुल 58 केस में से दो को छोड़कर सभी का इलाज अब तक एम्स में ही हुआ है।

कुछ देश फैला रहे समुदायों को बांटने वाले वायरस: मोदी

नई दिल्ली ए.। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुट निरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेते हुए पड़ोसी देश पाकिस्तान पर परोक्ष निशाना साधा। कहा कि जब पूरी दुनिया कोविड-19 के खिलाफ लड़ रही है तो कुछ अन्य देश खतरनाक वायरस जैसे- आतंकवाद, फर्जी खबरें और देशों और समुदायों के बीच दरार पैदा करने के लिए छेड़छाड़ किए हुए वीडियो फैला रहे हैं। प्रधानमंत्री वर्चुल सम्मेलन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। यह सम्मेलन ऐसे वक्त पर हुआ जब पूरी दुनिया कोरोना वायरस संक्रमण की चुनौतियां का सामना कर रही है। एनएएम के सदस्य देशों के साथ पीएम मोदी की कोरोना के खिलाफ जंग और इससे निटपने के ऊपर चर्चा हुई। अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलियेव की कोशिशों के बीच इस सम्मेलन का आयोजन किया गया।

पुलिस कर्मियों के नाश्ता भोजन की दरों में वृद्धि

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लगातार ड्यूटी कर कानून व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे पुलिस कर्मियों के निःशुल्क नाश्ता, दोपहर और रात्रि के भोजन की पूर्व स्वीकृत दरों में वृद्धि करने के निर्देश गृह विभाग को दिए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर त्वरित अमल करते हुए गृह विभाग द्वारा पुलिस कर्मियों के नाश्ता की पूर्व स्वीकृत दर 15 रुपए प्रति प्लेट से बढ़ाकर 20 रुपए प्रति प्लेट कर दिया गया है। इसी तरह दोपहर के भोजन की पूर्व स्वीकृत दर 30 रुपएए प्रति प्लेट से बढ़ाकर 50 रु पए प्रति प्लेट और रात्रि के भोजन की पूर्व स्वीकृत दर 30 रूपए प्रति प्लेट को बढ़ाकर दैनिक व्यय सीमा 70 रूपए किया गया है। पुलिस कर्मियों के लिए नाश्ता और भोजन के लिए पूर्व स्वीकृत दरें 8 फरवरी 2013 से लागू थी।

अच्छी खबर

वैज्ञानिकों ने तैयार की पहली स्वदेशी कोविड-19 जांच किट

कोलकाता (वार्ता)। केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन विज्ञान एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) से संबद्ध जीसीसी बायोटेक (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी पैदा करने वाले वायरस सार्स-कोव-2 के आरएनए (राइबो न्यूक्लिक एसिड) की जांच करने वाली किट तैयार की है। कंपनी के प्रवक्ता एवं अनुसंधान एवं विकास विभाग प्रमुख डॉ अविजीत घोष (अनुसंधान एवं विकास विभाग के प्रमुख) ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किट का नाम डीआईएजीस्योर एन कोव-19 रखा गया है। इस किट को भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की ओर से मंजूरी भी मिल गयी है। यह किट संभवतः देश में कोविड-19 की जांच के लिए सबसे सस्ती किट है।

कोरोना अपडेट

देश	कंफर्म केस	मौत
भारत	42836	1395
अमेरिका	1194434	69008
इटली	211938	29079
ब्रिटेन	186599	28446
स्पेन	248301	25428
फ्रांस	168693	24895
बेल्जियम	50267	7924
ब्राजील	101826	7051
जर्मनी	165745	6866
ईरान	98647	6277
नीदरलैंड	40770	5082
कनाडा	59474	3682
टर्की	126045	3397
स्वीडन	22721	2769
स्वीट्जरलैंड	29981	1762
मैक्सिको	23471	2154

शेयर बाजार

संसेक्स- 31715.35

निफ्टी- 9293.50

गोल्ड- 45675 (10 ग्रा.)

सिल्वर- 40926 (1 कि ग्रा.)

हंदवाड़ा : 48 घंटे में दूसरा हमला, 3 जवान शहीद

■ **एक आतंकी भी ढेर**

श्रीनगर/ ए.। जम्मू-कश्मीर के हंदवाड़ा जिले में सोमवार को एक बार फिर आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर हमले की वारदात को अंजाम दिया है। आतंकियों ने हंदवाड़ा के का जियाबाद इलाके में सीआरपीएफ की एक पट्रोलिंग टीम पर फायरिंग की। इस हमले में सीआरपीएफ के 3 जवान शहीद हुए हैं। इस हमले में शामिल एक आतंकी को मार गिराया गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक, आतंकियों के एक दल ने सोमवार शाम काजियाबाद में पट्रोलिंग ड्यूटी पर जा रहे सीआरपीएफ के एक काफिले पर फायरिंग की थी। इस गोलीबारी के बाद हुई मुठभेड़ में सीआरपीएफ जवानों ने एक हमलावर को मार गिराया। वहीं इलाके में जवाबी कार्रवाई के दौरान घायल सीआरपीएफ के तीन जवान शहीद हो गए।

सेना ने शुरू किया तलाशी अभियान

घटना की जानकारी के बाद करालगुंड, काजियाबाद और नौगाम के इलाकों में सेना ने एक बड़ा तलाशी अभियान शुरू किया है। इस ऑपरेशन में सेना की राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवान भी शामिल हो रहे हैं। दो बड़ी आतंकी घटनाओं के बाद सेना की स्पेशल फोर्सेज और राष्ट्रीय राइफल्स की कई टीमों ने कुपवाड़ा में बड़े स्तर पर आतंकियों की तलाश शुरू की है।

सर्वाधिक कारोना प्रभावित 20 जिलों के लिए केंद्रीय टीमों का गठन

नई दिल्ली (वार्ता)। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने बीस केंद्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य टीमों का गठन किया गया है। इन टीमों को उन 20 जिलों में भेजा जा रहा है जहां से देश में कोविड-19 के सर्वाधिक मामले सामने आ रहे हैं। हालांकि इनमें छत्तीगढ़ का एक भी जिला नहीं है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि ये बीस टीमें उन राज्यों में भेजी जा रही है जहां कोविड के सर्वाधिक मामले देखे गए हैं।

■ **इनमें छत्तीसगढ़ का एक भी नहीं**

इन राज्यों और जिलों का विवरण इस प्रकार हैं

मुंबई-महाराष्ट्र, अहमदाबाद- गुजरात, दिल्ली (दक्षिण पूर्व), इंदौर-मध्य प्रदेश, पुणे- महाराष्ट्र, जयपुर- राजस्थान, ठाणे- महाराष्ट्र, सूरत-गुजरात, चेन्नई- तमिलनाडु, हैदराबाद- तेलंगाना, भोपाल-मध्य प्रदेश, जोधपुर- राजस्थान, दिल्ली (मध्य), आगरा-उत्तर प्रदेश, कोलकाता-पश्चिम बंगाल, कुर्नूल-आंध्र प्रदेश, वड़ोदरा- गुजरात, गुंटूर-आंध्र प्रदेश, कृष्णा-आंध्र प्रदेश और लखनऊ- उत्तर प्रदेश। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

शगल ऐसा कि 'सबकुछ' मंजूर...

चित्र- कमल विहार

प्रदेश में करीब डेढ़ माह से बंद शराब दुकानें सोमवार को नियम-शर्तों के साथ खुल गईं। खुलते ही दुकानों पर शोकीनों की लंबी कतारें लग गईं। नजारा राजधानी रायपुर स्थित मदिरा दुकान का है, जिसमें साफ दिखाई दे रहा है कि शराब के शौकीन या आदी हो चुके लोग कड़ी धूप सहने के लिए भी तैयार है। इस दौरान कुछ लोगों ने धूप से बचने की व्यवस्था भी कर ली थी।

फोटो- महादेव तिवारी

गरमा-गरम

सुधार — कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा दोगुना होने में अब पहले की तुलना में लग रहा ज्यादा वक्त

3.2 की जगह अब 12 दिन में डबल हो रहे मरीज

नई दिल्ली (वार्ता)। देश में कोरोना वायरस से संक्रमण के मामले दोगुने होने में ज्यादा वक्त लग रहा है। मामले डबल होने में 12 दिन लग रहे हैं। जबकि मार्च में लॉकडाउन से पहले यह दर 3.2 दिन थी। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में इस समय 130 हॉटस्पॉट जिले, 284 गैर-हॉटस्पॉट जिले और 319 गैर-संक्रमित जिले हैं। इन जिलों को ग्रीन, ऑरेंज एवं रेड जोन में विभाजित किया गया है और भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार ही इन्हें खोला जाएगा। देश में अब तक 10 लाख से भी अधिक टेस्टिंग (परीक्षण) का आंकड़ा पार हो चुका हैं और वर्तमान में एक दिन में 74,000 से अधिक टेस्टिंग हो रही हैं। भारत दुनिया के अन्य देशों की तुलना में बेहतर स्थिति में है और पूरे देश में विशेष ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मौतों का आंकड़ा दुनिया के औसत से भी कम

कोरोना वायरस से मरने वालों का वैश्विक औसत जहां सात प्रतिशत है वहीं यह भारत में मात्र 3.2 प्रतिशत के आसपास ही है। कोविड-19 से उबरने में केन्द्र सरकार पांच चरणों की रणनीति पर काम कर रही है जिनमें वर्तमान स्थिति को लेकर जागरूकता को कायम रखना, सतर्कता पूर्ण और सक्रिय रणनीति, निरंतर बदलते परिदृश्य में क्रमिक प्रतिक्रिया, सभी स्तरों पर अंतर-क्षेत्रीय समन्वय, और अंतिम लेकिन सबसे महत्वपूर्ण इस बीमारी से लड़ाई में एक जनांदोलन तैयार करना शामिल है। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

20 देशों की जनसंख्या हमारे देश के बराबर

देश में अभी तक केन्द्र और राज्य सरकारों ने कोरोना वायरस के संक्रमण से निपटने में जो सक्रिय कदम उठाए हैं, वे बहुत ही कारगर और प्रभावी साबित हो रहे हैं और इस बात की पुष्टि इन आंकड़ों से हो जाती है कि कोरोना वायरस का प्रकोप विश्व के 20 विकसित देशों में अधिकतर देखने को मिला है। इन 20 देशों की जनसंख्या हमारी जनसंख्या के बराबर है लेकिन कोरोना से निपटने से हम उनसे कहीं बेहतर हैं। डब्ल्यूएचओ के हाल ही के आंकड़ों को भी देखा जाए तो साफ पता ■ शेष पृष्ठ 8 पर

'बांद्रा मामले' में पत्रकार अर्नब पर प्रकरण हुआ दर्ज

मुंबई, (वार्ता)। महाराष्ट्र में मुंबई के उपनगरीय बांद्रा में स्थित एक स्थल को लेकर अपमानजनक टिप्पणी कर धार्मिक भावनाओं को आहत करने के मामले रिपब्लिक टीवी के एडिटर-इन-चीफ अर्नब गोस्वामी और न्यूज चैनल के दो अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि गोस्वामी ने 29 अप्रैल के अपने कार्यक्रम में यह टिप्पणी की थी। यह टिप्पणी बांद्रा में बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिकों के इकट्ठा होने के पीछे एक वर्ग के षड्यंत्र की ओर इशारा किया था। कार्यक्रम के दौरान धार्मिक स्थल के दृश्य दिखाये गये और उस समय गोस्वामी इस बात पर आश्चर्य जता रहे थे कि इसके सामने इतनी भीड़ क्यों एकत्रित हुई?

लीबिया में पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित हो : संयुक्त राष्ट्र

त्रिपोली (शिन्हुआ)। संयुक्त राष्ट्र ने लीबिया में कार्यरत पत्रकारों और अन्य मीडियाकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी पक्षों से अपील की है। लीबिया में संयुक्त राष्ट्र समर्थित सरकार और सेना के बीच जारी हिंसक संघर्ष में पत्रकारों के ऊपर भी लगातार हमले हो रहे हैं। लीबिया में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के विशेष प्रतिनिधि स्टीफन विलियम्स ने एक वक्तव्य जारी कर कहा, ÷ मैं लीबियाई प्रशासन और वहां सक्रिय सभी पक्षों से पत्रकारों और मीडियाकर्मियों की सुरक्षा सुनश्चित करने की अपील करता हूं। पत्रकारों को अपनी राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार मिलना चाहिए। इसके अलावा पत्रकारों के सही जानकारी एकत्र कर जनता तक पहुंचाने के काम में भी बाधा नहीं पहुंचाई जानी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी ने पत्रकारों और मीडियाकर्मियों से फेक न्यूज के अलावा समाज में नफरत और घृणा फैलाने वाली प्रवृत्ति के खिलाफलड़ाई में शामिल होने का आग्रह भी किया। श्री विलियम्स ने कहा कि पत्रकारों को हिरासत में लेकर उन्हें धमकाना अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार का उल्लंघन है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक लीबिया में पत्रकार और मीडियाकर्मी आम तौर पर उत्पीड़न और मार डालने की धमकियों का सामना करना पड़ रहा है।

कोविड-19 के टीके की खोज के लिए सामूहिक प्रयास करेगा यूरोप

ब्रसेल्स (स्पूतनिक)। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण से गंभीर रूप से जूझ रहा यूरोप इसके टीके की खोज के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करेगा। यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष उरसुला वोन डेर लेयेन इस संबंध में सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए एक सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे जिसमें कोविड-19 की रोकथाम के लिए सामूहिक प्रयास के तहत इसके टीके की खोज संबंधी विचार विमर्श किया जाएगा। इस सामूहिक अभियान के तहत आठ अरब डॉलर की राशि जुटाई जाएगी जिसका इस्तेमाल कोविड-19 से बचाव, इसके संक्रमण की जांच और इस महामारी के इलाज में किया जाएगा। इस सम्मेलन का उद्देश्य टीके की खोज के लिए वैश्विक स्तर पर समर्थन और वित्तीय सहयोग हासिल करने के अलावा उच्चस्तरीय राजनीतिक प्रतिबद्धता की भी जरुरत होगी।

पाकिस्तान में कोरोना संक्रमितों संख्या 20 हजार के पार

इस्लामाबाद (वार्ता)। पाकिस्तान में भी वैश्विक महामारी कोराना वायरस 'कोविड-19' तेजी से अपने पांव पसार रहा है और देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 20084 पहुंच गई है और इस वायरस के संक्रमण से 457 मरीजों की मौत हो गई है। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार देश के पूर्वी पंजाब प्रांत में 7494 कोराना संक्रमितों की पुष्टि हुई है और दक्षिणी सिंध प्रांत में 7465, उत्तर पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा में 3129, दक्षिणपश्चिम बलूचिस्तान में 1172 और राजधानी इस्लामाबाद में 393 मामले समाने आये हैं। मंत्रालय ने रविवार को बताया देश में पिछ्ले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण से 17 मरीजों की जान चली गई और कोरोना संक्रमित के 981 नये मामले सामने आये हैं। देश में अभी तक 203025 कोरोना वायरस के परीक्षण किये गये हैं। अभी तक 5114 लोग ठीक हो गये है और उन्हें अस्पतालों से छुट्टी मिल गयी है। योजना एवं विकास मंत्री असद उमर ने कहा कि लॉकडाउन में छूट के संबंध में सभी प्रांतों के साथ आम सहमति बनने पर नौ मई के बाद निर्णय लिया जाएगा।

कोरोना नियंत्रण के लिए हो सकेगा ड्रोन का इस्तेमाल

- केंद्र सरकार ने सरकारी एजेंसियों को दी इस्तेमाल की अनुमति
- डीजीसीए ने नोटिस जारी कर बताया, क्या करना होगा

नई दिल्ली/(वार्ता)। सरकार ने कोरोना वायरस 'कोविड-19' के नियंत्रण और निगरानी के लिए सरकारी एजेंसियों को ड्रोन के इस्तेमाल की सशर्त अनुमति दे दी है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एक नोटिस जारी कर कहा है कि सरकारी एजेंसियों को इस छूट का लाभ उठाने के लिए डिजिटल स्काईडॉट डीजीसीए डॉटजीओवीडॉटइन पर आवेदन करना होगा। यह छूट सिर्फहवाई निगरानी, फोटोग्राफी और सार्वजनिक उद्घोषणाओं तक सीमित होगी। अन्य सभी उद्देश्यों के लिए - कोविड-19 से संबंधित या अन्यथा - सामान्य प्रक्रिया के तहत आवेदन करना होगा।

नागर विमानन नियामक ने स्पष्ट किया है कि छूट के साथ सिर्फ बैटरी से चलने वाले 'रोटरी विंग' ड्रोनों का इस्तेमाल किया जा सकता है। ड्रोनों के सुरक्षित परिचालन की जिम्मेदारी इस्तेमाल करने वाली सरकारी एजेंसी की होगी। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि इससे जानमाल को खतरा न हो। उन्हें परिचालन के सात दिन के भीतर डिजिटल स्काई प्लेटफॉर्म पर उड़ान का विवरण देना होगा जबकि किसी दुर्घटना की स्थिति में तुरंत डीजीसीए और नागरिक उड्डयन मंत्रालय को सूचित करना होगा।

सुरक्षा का रखना होगा पूरा ध्यान

डीजीसीए ने स्पष्ट किया है कि सरकारी एजेंसियों को ड्रोनों का परिचालन करने में सुरक्षा का पूरा ध्यान रखना होगा। इस्तेमाल किये जाने वाले हर ड्रोन के लिए विशिष्ट पहचान संख्या, ड्रोन एक्नॉलज्मेंट संख्या और कंट्रोल विफल होने पर 'स्वतः घर वापसी' प्रणाली अनिवार्य होगी। इनका वजन 25 किलोग्राम से अधिक नहीं होना चाहिये और इन्हें जमीन से 200 फुट से अधिक की ऊँचाई पर उड़ाने की अनुमति नहीं होगी। ड्रोन का परिचालन ऑपरेटर की दृष्टि सीमा के भीतर ही किया जा सकेगा। सुरक्षा की दृष्टि से हवाई अड्डों, सैन्य तथा संवेदनशील असैन्य ठिकानों और दूसरे देशों से लगती सीमा के आसपास ड्रोन के परिचालन संबंधी सामान्य प्रतिबंध सरकारी एजेंसियों के इन ड्रोनों पर भी लागू होंगे। संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्रों, राष्ट्रीय उद्यानों और वन्य जीव अभ्यारण्यों के ऊपर भी ड्रोनों का परिचालन नहीं किया जा सकेगा।

कोरोना से मरने वालों को कब्रगाह में दफनाने पर रोक की मांग

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका हाईकोर्ट भेजी

एजेंसी,नई दिल्ली ए.। सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना वायरस 'कोविड 19' महामारी में जान गंवा चुके मुस्लिमों को कब्रगाह में दफन करने पर अस्थायी प्रतिबंध लगाये जाने संबंधी मामला सोमवार को फिर से बॉम्बे हाईकोर्ट को भेज दिया।

न्यायमूर्ति रोहिंगटन फली नरीमन और न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी की खंडपीठ ने प्रदीप गांधी की विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) की वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये सुनवाई करते हुए यह मामला फिर से हाईकोर्ट को भेज दिया और सुनवाई दो हफ्ते में पूरी करने का उसे निर्देश भी दिया। खंडपीठ ने कहा कि याचिका में की गयी मांग को नकारने का हाईकोर्ट का आदेश अंतरिम था, इसलिए हाईकोर्ट मौजूदा परिप्रेक्ष्य में याचिका पर दोबारा विचार करे(याचिकाकर्ता ने कोरोना संक्रमित शव को अपने आवासीय इलाके के आगे कब्रगाह में दफनाने पर अस्थायी रोक की मांग की है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने गत 27 अप्रैल को प्रदीप गांधी की यह याचिका खारिज कर दी थी, जिसे उन्होंने शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी।

याचिका में कहा गया है कि ये कब्रिस्तान घनी आबादी वाले इलाके में हैं और यहां कोरोना संक्रमित शव दफनाने से इलाके में मिट्टी और पानी के संक्रमित होने का खतरा है, जिससे आसपास के लोग संक्रमित हो सकते हैं। इसलिए इन कब्रिस्तानों में ऐसे शव दफनाने पर तत्काल रोक लगाई जाये। इन शवों को ऐसे कब्रिस्तानों में दफनाने का निर्देश दिया जाए जो आबादी से दूर हों। याचिका में कहा गया है कि राज्य सरकार ने 30 मार्च को एक सकुर्लर जारी कर कोरोना संक्रमण से हुई मौत के मामले में शव दफनाने पर रोक लगा दी थी। सकुर्लर में कहा गया था कि महामारी के दौरान कोरोना संक्रमित शवों को जलाया जाएगा, लेकिन कुछ ही दिन बाद नौ अप्रैल को सरकार ने एक सकुर्लर जारी कर ऐसे शवों को दफनाने की इजाजत दे दी। सकुर्लर में 20 कब्रिस्तानों को ऐसे शवों को दफनाने के लिए चिह्नित कर दिया गया, उनमें बांद्रा (वेस्ट) के तीन कब्रिस्तान भी शामिल हैं। याचिकाकर्ता की रिहायशी कॉलोनी भी बांद्रा (वेस्ट) के कब्रगाह के सामने ही है। जमीयत-उलमा-ए-हिंद ने भी 'प्रदीप गांधी बनाम महाराष्ट्र सरकार' मामले में पक्षकार बनाने का न्यायालय से अनुरोध किया है। मुस्लिम संगठन ने प्रदीप गांधी की याचिका में यह कहते हुए पक्षकार बनने की अनुमति मांगी है कि मुसलमानों को शव दफनाने से प्रतिबंधित करना संविधान प्रदत्त धार्मिक आजादी के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है।

लागत घटाने पर जोर दें भारतीय उद्योग : गडकरी

नई दिल्ली वार्ता। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में स्थान हासिल करने के लिए भारतीय उद्योगों को गुणवत्ता के साथ समझौता किए बगैर माल परिवहन, पूंजी, बिजली एवं उत्पादन लागत कम करने पर जोर देना चाहिए। श्री गडकरी ने वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिये अनुसूचित जाति एवं जनजाति के कारोबारियों को संबोधित करते हुये कहा कि घरेलू उद्योगों को विदेशी आयातों की जगह लेने के लिए गुणवत्ता के साथ साथ निर्यात वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि उद्योग को ज्ञान को संपदा में वदलने के लिए नवाचार , उद्यमशीलता, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, अनुसंधान कौशल एवं अनुभवों पर अधिक बल देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में जगह बनाने के लिए भारतीय उद्योगों को गुणवत्ता के साथ समझौता किए बिना लॉजिस्टिक्स लागत, पूंजी लागत, बिजली एवं उत्पादन लागत को कम करनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जापान सरकार ने चीन से जापानी निवेश वापस करने और उसे अन्यत्र कहीं लगाने के लिए अपने उद्योगों को विशेष पैकेज की पेशकश की है।

गिलगित-बाल्टिस्तान में चुनाव के आदेश पर भारत का कड़ा रुख, कहा

हमारे हिस्से से कब्जा छोड़े पाक

एजेंसी,नई दिल्ली। भारत ने गिलगित-बाल्टिस्तान में आम चुनाव कराने के पाकिस्तान उच्चतम न्यायालय के आदेश पर इस्लामाबाद के समक्ष कड़ी आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान को बता दिया गया है कि गिलगित- बाल्टिस्तान सहित पूरा जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत का अभिन्न अंग हैं और पाकिस्तान को अपने अवैध कब्जे से इन क्षेत्रों को तुरंत मुक्त कर देना चाहिए। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने हाल के अपने आदेश में, 2018 के गवर्नमेंट ऑफ गिलगित बाल्टिस्तान ऑर्डर में संशोधन की इजाजत दे दी ताकि क्षेत्र में आम चुनाव कराए जा सकें। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ÷भारत ने पाकिस्तान के वरिष्ठ राजनयिक को आपत्ति पत्र जारी किया और तथाकथित गिलगित-बाल्टिस्तान पर पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय के आदेश पर पाकिस्तान के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। बयान में कहा गया है, यह स्पष्ट रूप से बता दिया गया है कि केंद्र शासित प्रदेश पूरा जम्मू- कश्मीर और लद्दाख जिसमें गिलगित और बाल्टिस्तान भी शामिल हैं, वह पूरी तरह से कानूनी और अपरिवर्तनीय विलय के तहत भारत का अभिन्न अंग हैं। ÷विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तानी सरकार या उसकी न्यायपालिका को उन क्षेत्रों पर हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं हैं जो उसने अवैध तरीके से और जबरन कब्जाए हुए हैं। बयान में कहा गया है कि भारत इस तरह के कदमों को पूरी तरह से खारिज करता है और भारतीय जम्मू-कश्मीर के पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाकों की स्थिति में बदलाव लाने के जारी प्रयासों पर आपत्ति जताता है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान के हालिया कदम केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के कुछ हिस्सों पर उसके अवैध कब्जे को छुपा नहीं सकते हैं और न ही इस पर पर्दा डाल सकते हैं कि पिछले सात दशकों से इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के मानवाधिकारों का उल्लंघन किया गया।

कश्मीर में 4जी नेटवर्क संबंधी याचिका पर फैसला सुरक्षित

नयी दिल्ली, (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के मद्देनजर जम्मू कश्मीर में 4जी इंटरनेट बहाली की मांग संबंधी याचिका पर सोमवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति एन वी रमन, न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी और न्यायमूर्ति बी आर गवई की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले में सभी संबद्ध पक्षों की ओर से दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। एक याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील हुफेजा अहमदी ने दलील दी कि मौजूदा 2जी सेवा के चलते बच्चों की पढ़ाई, कारोबार में दिक्कत आ रही है। इतना ही नहीं, कोरोना महामारी के बीच राज्य में लोग वीडियोकॉल के जरिये डॉक्टरों से ज़रूरी सलाह नहीं ले पा रहे हैं।

दिल्ली सरकार ने अंकित शर्मा के परिवार के लिए 1 करोड़ रुपये स्वीकृत किए

एजेंसी,नई दिल्ली। दिल्ली मंत्रिमंडल ने शहर में हिंसा के दौरान मारे गए आईबी अधिकारी अंकित शर्मा के परिवार के लिए सोमवार को एक करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कोरोनोवायरस के संकट के कारण प्रक्रिया में देरी हुई।

केजरीवाल ने ट्वीट किया, ÷दिल्ली हिंसा में आईबी अफसर अंकित शर्मा जी की बहुत ही दर्दनाक तरीके से हत्या की गई थी। उनके परिवार के लिए हमने एक करोड़ रुपये की सम्मान राशि का एलान किया था। आज उस निर्णय को कैबिनेट ने मंजूरी दी है। कोरोना के चलते इसमें देर हो गई। उम्मीद है इसी हफ्ते उनके परिवार को राशि मिल जाएगी।÷ दिल्ली में हुई हिंसा के दौरान आईबी के कर्मचारी अंकित शर्मा का शव 26 फरवरी को दिल्ली के चांद बाग इलाके में एक नाले में मिला था।

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर फरवरी महीने में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के मामले में दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को कड़कड़डूमा कोर्ट में अपनी पहली चार्जशीट दाखिल कर दी।दिल्ली पुलिस की ओर से दाखिल की गई 350 पेज की इस पहली चार्जशीट में शाहरुख पठान, कलीम अहमद और इश्तियाक मलिक का नाम शामिल है। यह पहली चार्जशीट एफआईआर नंबर 51/ 2020 दिनांक 26 फरवरी 2020 थाना जाफराबाद में दर्ज मामले में शुक्रवार को दाखिल की गई। दिल्ली हिंसा के दौरान शाहरुख पठान ने ही हेड कांस्टेबल दीपक दहिया और अन्य लोगों पर गोली चलाई थी। शाहरुख पठान को क्राइम ब्रांच की नारकोटिक्स सेल ने 3 मार्च 2020 को गिरफ्तार किया था। फिलहाल शाहरुख खान दिल्ली की जेल में बंद है।

डीएसटी के 50 वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को किया संबोधित

हर्षवर्धन ने मल्टीमीडिया गाइड 'कोविड कथा' को किया लॉन्च

नयी दिल्ली (वार्ता)। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने सोमवार को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के 50 वें स्थापना दिवस पर कोरोना वायरस (कोविड 19) पर एक मल्टीमीडिया गाइड 'कोविड कथा' को लॉन्च किया। डॉ. हर्षवर्धन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभाग के सभी स्वायत्त संस्थानों और अधीनस्थ कार्यालयों के प्रमुखों के साथ बातचीत में उन्होंने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और इसकी स्वायत्त संस्थानों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम ऊंचा किया हैं। उनके द्वारा कोविड -19 के प्रकोप से निपटने के लिए की गई पहल और प्रयास विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के राष्ट्र की सेवा के 50 साल में प्रवेश के साथ ही इसका गोल्डन जुबली समारोह भी शुरू हुआ और देश के विभिन्न हिस्सों में असंख्य गतिविधियों की शुरुआत की गई। डॉ हर्षवर्धन ने 50 वें स्थापना दिवस के अवसर पर डीएसटी को बधाई दी और कहा 'डीएसटी' और इसके स्वायत्त संस्थानों ने भारत की विज्ञान और प्रौद्योगिकी की उपलब्धियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ऊंचा किया है और असंख्य लोगों को लाभान्वित किया है। विभागीय संस्थानों ने वैज्ञानिकों को एक प्रतिस्पर्धी मोड के माध्यम से राष्ट्रीय एस एंड टी क्षमता को मजबूत करने के लिए अलौकिक अनुसंधान और विकास सहायता प्रदान की है। विभाग के प्रयासों ने चीन और अमेरिका के बाद वैश्विक स्तर पर भारत को विज्ञान और पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशनों की संख्या के मामले में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है।'

8 हजार करोड़ के बजट का उल्लेख

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री ने इस वर्ष बजट के दौरान वित्त मंत्री द्वारा क्वांटम प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग के लिए घोषित किये 8,000 करोड़ रुपये के बजट का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि एनएम-क्यूटीए की लॉन्चिंग क्वांटम तकनीकों और संबंधित क्षेत्रों में क्वांटम कंप्यूटिंग, क्वांटम क्रिप्टोग्राफी, क्वांटम संचार, क्वांटम मेट्रोलॉजी और सेंसिंग, क्वांटम को बढ़ावा देने के लिए एक लंबी छलांग है। मुझे यकीन है कि डीएसटी आम लोगों के लाभ के लिए इस अत्याधुनिक तकनीक के फल लाकर देश को गौरवान्वित करेगा।

नवाचार के क्षेत्र में विभाग ने किया बड़ा काम

डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि इन 49 वर्षों में हमारे देश में विज्ञानं और प्रौद्योगिकी नवाचार के क्षेत्र में विभाग ने बहुत बड़ा योगदान दिया है। यह इनक्यूबेटरों और स्टार्ट-अप की संख्या में काफी वृद्धि के साथ आगे बढ़ गया है। उन्होंने डीएसटी की कुछ महत्वपूर्ण पहलों को रेखांकित किया और कहा कि योजनाएं जैसे कि आर्टिकुलेटिंग रिसर्च के माध्यम से लेखन कौशल को विकसित करना, युवा वैज्ञानिकों को उनके शोध कार्यों पर लोकप्रिय विज्ञान लेख लिखने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए शुरू किया गया; प्रोग्राम इनोवेशन और स्टार्ट-अप गतिविधि को बढ़ावा देने के लिए नेशनल इनिशिएटिव फॉर डेवलपिंग एंड हारनेसिंग इनोवेशन कार्यक्रम, युवा छात्रों को अभिनव सोचने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए मिलियन माइंड्स ऑगमेंटिंग नेशनल एस्पिरेशन्स एंड नॉलेज , इंटरडिसिप्लिनरी साइबर-फिजिकल सिस्टम, नेशनल में नया मिशन विदेशों में सर्वश्रेष्ठ वैश्विक विज्ञान परियोजनाओं के साथ जुड़ने के लिए अंतरराष्ट्रीय एस एंड टी सहयोग जैसे तीस मीटर टेलीस्कोप प्रोजेक्ट में भागीदारी और चार करोड़ अमरीकी डालर के भारत-इज़राइल औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास और प्रौद्योगिकीय नवाचार कोष ने भारत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उत्थान आदि ।

वैज्ञानिकों की प्रशंसा की :

उन्होंने कोविड -19 से निपटने में भारतीय वैज्ञानिकों की प्रशंसा करते हुए कहा, 'भारतीय वैज्ञानिकों ने हमेशा किसी भी चुनौती को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी हैं और इस बार भी उन्होंने देश को निराश नहीं किया है। हमें याद रखना चाहिए कि इस वक्त हमें कई मोर्चों पर गति और पैमाने के साथ कार्यों की आवश्यकता थी, जिसमें शामिल स्केलअप के लिए तैयार प्रासंगिक प्रौद्योगिकी समाधानों की पहचान करने और समर्थन करने के लिए हमारे पूरे स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र की व्यापक मैपिंग, मॉडलिंग, वायरस के गुण और इसके प्रभाव, उपन्यास समाधान, आदि पर काम करने वाले शिक्षा और अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं से उद्योगों और परियोजनाओं का समर्थन करना, समाधान प्रदान करने में प्रासंगिक डीएसटी के स्वायत्त संस्थानों को सक्रिय करना। मुझे खुशी है कि हमारे डीएसटी वैज्ञानिकों ने प्रतिकूल परिस्थितियों में भी इसे हासिल किया । विशेष रूप से एस सी टी आई एम् एस टी , तिरुवनंतपुरम का उल्लेख करना चाहूगां है जो 10 से अधिक प्रभावी उत्पादों के साथ सामने आया है।

असम में 2,500 सूअरों की मौत

भारत में अफ्रीकी स्वाइन फ्लू का पहला मामला सामने आया

गुवाहाटी ए.। कोरोना वायरस संकट के बीच देश में एक नई बीमारी ने पनपता शुरू कर दिया है। भारत में रविवार को इसका पहला मामला सामने आया है। इसका नाम अफ्रीकन स्वाइन फ्लू है। असम में इसका पहला केस सामने आया है। असम सरकार ने रविवार को कहा कि राज्य में अफ्रीकी स्वाइन फ्लू का पहला मामला पाया गया है और इससे 306 गांवों में 2,500 से अधिक सूअर मारे जा चुके हैं।

विशेषज्ञों की मानें तो यह आसानी से इंसानों तक भी पहुंच सकता है। चीन में यह प्रकोप पहले से ही चल रहा है, जिस कारण वहां के करीब 40 प्रतिशत सूअरों का सफाया हो चुका है। शुरुआत में खुले घूम रहे सूअर ही इसकी चपेट में आए, लेकिन बाद में यह फॉर्म तक पहुंच गई।

बीमारी को कोरोना से कोई लेना-देना नहीं

असम के पशुपालन और पशु चिकित्सा मंत्री अतुल बोरा ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार केंद्र से मंजूरी होने के बाद भी तुरंत सूअरों को मारने के बजाय इस घातक संक्रामक बीमारी को फैलने से रोकने के लिए कोई अन्य रास्ता अपनाएगी। बोरा ने बताया कि इस बीमारी का कोविड-19 से कोई लेना-देना नहीं है। फिलहाल मंत्री का कहना है कि यह इंसानों तक नहीं पहुंच सकता। फिलहाल उस जगहों के सूअरों को खाने में खतरा नहीं है जहां यह इंफेक्शन नहीं है।

बोरा ने कहा, 'राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान (एनआईएचएसएडी) भोपाल ने पुष्टि की है कि यह अफ्रीकी स्वाइन फ्लू (एएसएफ) है।

■ न्यूज गैलरी

वृक्षारोपण के लिए सामग्री खरीदी जाएगी स्व-सहायता समूहों से

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप ग्रामीण क्षेत्रों में काम कर रहे स्व-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा कराए जाने वाले वृक्षोरोपण के लिए उपयोग में लायी जाने वाली सामग्री जैसे-ट्री गार्ड, सीमेंट पोल और चैनलिंग फैंसिंग इत्यादि एवं गौठानों में वर्मी कम्पोस्ट खाद भी स्व सहायता समूहों से तैयार कराया जाकर इनसे ही खरीदा जाएगा। इस संबंध में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री गौरव द्विवेदी ने सभी जिलों के कलेक्टरों और जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशानुसार समुचित कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं।

27 नायब तहसीलदारों की पदस्थापना

रायपुर। राज्य शासन द्वारा लोक सेवा आयोग राज्य सेवा परीक्षा 2018 के माध्यम से चयनित 27 नायब तहसीलदारों के पदस्थापना आदेश राजस्व विभाग मंत्रालय महानदी भवन से जारी कर दिया गया है।

21 हजार मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण

रायपुर। राज्य में चालू सीजन के दौरान अब तक विभिन्न वनमंडलों में 20 हजार 569 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण हो चुका है। इसमें संग्राहकों को 8 करोड़ 23 लाख रूपए की राशि का पारिश्रमिक भुगतान योग्य है। अब तक कुल संग्राहित तेन्दूपत्ता में से वनमंडलवार सुकमा में 13 हजार 334 मानक बोरा, दंतेवाड़ा में एक हजार 584 मानक बोरा, जगदलपुर में दो हजार 670 मानक बोरा और गरियाबंद में दो हजार 980 मानक बोरा शामिल हैं।

3536 करोड़ की लागत के 870 किमी लंबाई के 25 सड़कें स्वीकृत

लोक निर्माण मंत्री साहू के निर्देश पर 20 सड़कों के कार्यादेश जारी, 5 वर्षो तक सड़कों के संधारण का दायित्व ठेकेदार का

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। राज्य सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य सड़क क्षेत्र परियोजना के तहत एशियाई विकास बैंक (ए.डी.बी.) की सहायता से 3536 करोड़ रूपए की लागत के 870 किलोमीटर लंबाई की 25 सड़कें स्वीकृत की गई है। लोक निर्माण मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू के निर्देश पर इनमें से 1887 करोड़ रूपए की लागत के 705 किलोमीटर लंबाई की 20 सड़कों के निर्माण का कार्यादेश जारी हो चुका है। शेष 165 किलोमीटर लंबाई की 5 सड़कों के लिए निविदा प्रक्रिया में है।

लोक निर्माण मंत्री श्री साहू ने बताया कि यह एक बाह्य पोषित परियोजना है। इसके लिए आवश्यक वित्ती प्रबंधन एशियाई विकास बैंक से ऋण के रूप में 70 प्रतिशत और राज्य शासन द्वारा 30 प्रतिशत राशि का प्रावधान रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस बार क्रियान्वित की जा रही तृतीय परियोजना में विशिष्ट प्रावधान किए गए हैं। इसके तहत सड़क निर्माण के बाद पांच वर्षो तक सड़कों के संधारण का दायित्व ठेकेदार का होगा। परियोजना में इस बार मुख्य गांवों में बस शेल्टर का निर्माण, सोलर स्ट्रीट लाईट तथा सभी मार्गो में सड़क किनारे रेन वाटर हार्वेस्टिंग का प्रावधान किया गया है।

एशियाई विकास बैंक से तृतीय लोन परियोजना के अंतर्गत अनुबंधित सड़कों की जानकारी इस प्रकार है-रायपुर-धमतरी जिले में टिकरापारा सेजबहार सेमरा भखारा धमतरी मार्ग 54.68 किलोमीटर, गरियाबंद जिले में पाण्डुका जतमाई घटारानी गायडबरी मुड़ेली मुड़ागावं मार्ग 37.70 किलोमीटर और छुरा राजिम मार्ग व्याहा तर्रीघाट मार्ग 43.16 किलोमीटर, रायपुर-बलौदाबाजार-महासमुंद जिले में घोटया पलारी वटगांव

घिरपुरी चिखली समोदा अछोला तुमगांव मार्ग 43.93 किलोमीटर, महासमुंद जिले में लंबर बोड़ेसरा बिरकोल सिंघारो मार्ग 39.99 किलोमीटर और देवरी सलडीह गडफुलझर तोसगांव तोरेसिंघा मार्ग 42.62 किलोमीटर, राजनांदगांव जिले में बिरहीकला डंगड़ सोमाटोला गोटाटोला खड़गांव मार्ग 39.17 किलोमीटर, छुईखदान उदयपुर बुंदेली मार्ग 26.96 किलोमीटर और डोंगरगांव खुज्जी पिन्कापार जेवरतला मार्ग 23.42 किलोमीटर, बालोद जिले में अण्डा रनचिराई जामगांव मार्ग 23.56 किलोमीटर, पुरूर फागुन्दा पलारी अरर बेल्हारी जामगांव मार्ग 27.19 किलोमीटर और करहीभदर निपानी मोखा बटलेर जामगांव मार्ग 35.52 किलोमीटर, धमतरी जिले में कुरूद मेघा मगर लोड अमलीकडीह धौराभाठा खिसोरा पाण्डुका मार्ग 31.88 किलोमीटर, कल्ले अंवरी सेमरा गाडाडीह हंचलपुर कुर्रा बगतराई आमदी मार्ग 37.80 किलोमीटर और बुढ़ेनी नयापारा परसवानी मगरलोड मोहंदी बोरसी भोयना मार्ग 66.72 किलोमीटर, बिलासपुर जिले में मंगला भैंसाराझर मार्ग 25.96 किलोमीटर, रायगढ़ जिले में करूभाठा रक्सापाली कच्छर उसरौथ तारापुर पुटकापुरी सुपा मार्ग 48.12 किलोमीटर, धरमजयगढ़ कापू मार्ग 32.60 किलोमीटर और बाकारूमा लैंलूंगा मार्ग 22.92 किलोमीटर, मुंगेली जिले में लोरमी से पैजनिया, मसना से मसनी जरहागांव मार्ग 24.99 किलोमीटर, जांजगीर-चांपा जिले में सक्ती टुण्डरी मार्ग 31.48 किलोमीटर, बलौदाबाजार जिले में निपनिया लटुवा बलौदाबाजार मार्ग 29.67 किलोमीटर, दुर्ग-राजनांदगांव जिले में ठेलकाडीह दुर्ग मार्ग 27.71 किलोमीटर, कोरबा जिले में पाली से सिल्ली मार्ग 21.48 किलोमीटर और जांजगीर-चांपा जिले में जैजैपुर मालखरोदा छोटेसिपत परसवानी गोबराभाठा मार्ग 30.12 किलोमीटर शामिल है।

फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन न करने वाले आवेदनकर्ताओं से कलेक्टौरेट के कर्मचारी परेशान

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। जिला कलेक्टोरेट परिसर में कोरोना संकटकाल के दौरान आवागमन के लिए पास के लिए आवेदन करने वालों से यहां के कर्मचारी भी बेहाल हो उठे हैं। आवेदन देने वाले लोग सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं, वहीं कर्मचारी इन्हें समझा-समझा कर थक चुके हैं।

जिला कलेक्ट्रेट परिसर में आवेदन करने और पास लेने की चाह में आने वाले लोगों की बढ़ती संख्या से अब जिला कलेक्टोरेट के अधिकारी-कर्मचारी भी सकते में आ गए हैं। विगत डेढ़ माह से पास लेने की चाह लिए यहां आवेदन करने पहुंचे एक आवेदनकर्ता ने बताया कि उसे बिलासपुर जिले के रतनपुर स्थित अपने गांव पहुंचना है। यहां प्राईवेट जॉब करने वाले इस युवक ने बताया कि उसका पूरा परिवार गांव में रहता है। पिछले डेढ़ माह से वह बेरोजगार बैठा है, इसीलिए वह अपने घर जाना चाहता है, लेकिन उसे

आज तक अनुमति नहीं मिला। इसी तरह रायगढ़ जिले के लैलूंगा में रहने वाले एक अधेड़ ने बताया कि वह यहां एक ऑफिस में गार्ड का काम करता है। वर्तमान में लॉकडाउन के चलते आफिस बंद है, लिहाजा वह भी अपने परिवार के पास जाना चाहता है, लेकिन उसके तीन बार के आवेदन करने के बाद भी अनुमति नहीं दी गई है। इधर आवेदन करने और अनुमति मिलने की आश लिए पहुंचने वाले लोग सोशल डिस्टेसिंग का भी पालन नहीं कर रहे हैं। यहां तैनात अधिकारी-कर्मचारी उन्हें बार-बार सुरक्षित दूरी बनाकर रखने की हिदायत देते हैं, लेकिन इसका पालन नहीं हो रहा है। यह देख उच्चाधिकारी नाराज होते हैं और मातहत कर्मचारियों को खरी-खोटी सुनाते हैं। अधिकारियों के गुस्से और रोष का खामियाजा भुगत रहे कर्मचारी भी आवेदनकर्ताओं पर अपनी खीज निकालते हैं।

पंजीयन कार्यलयों में काम-काज शुरू

पंजीयन के इच्छुक पक्षकार पंजीयन विभाग के वेब पोर्टल पर अपाईन्मेंट बुक करा सकते हैं

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। राज्य शासन के पंजीयन कार्यालयों में आज से दस्तावेजों के पंजीयन का कार्य प्रारंभ हो गया है। गौरतलब है कि कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण की रोकथाम के लिए देश व्यापी लॉकडाउन के दौरान 23 मार्च से 3 मई 2020 तक छत्तीसगढ़ के पंजीयन कार्यलयों में दस्तावेजों के पंजीयन कार्य को स्थगित कर दिया गया था। राज्य शासन ने जन साधारण की सुविधा और दस्तावेजों के पंजीयन की महत्वपूर्णता को ध्यान में रखते हुए भारत शासन के गृह एवं स्वास्थ्य

रजिस्ट्री ऑफिस में काम रही बंद

मंत्रालय के दिशा-निर्देश के तहत कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए निर्धारित मापदण्डों का पालन करते हुए आज 4 मई से पंजीयन कार्य शुरू करने का निर्णय लिया गया है। पंजीयन के इच्छुक पक्षकार अपनी सुविधा के लिए पंजीयन विभाग के पोर्टल http://epanjeeyan.cg.gov.in/GRPortalWab में (ईपंजीयन (डाट) सीजी (डाट) जीओव्ही (डाट) इन) में जाकर अपाईन्मेंट बुक करा सकते हैं। इस संबंध में यदि कोई कठिनाई हो तो पंजीयन विभाग के हेल्पलाईन नम्बर 1800-233-2488 पर संपर्क कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की जा सकती है। यह हेल्पलाईन नम्बर प्रत्येक कार्य दिवस पर और कार्यालयीन समयावधि में चालू रहेगा।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षण सुविधा उपलब्ध कराएगा कृषि विश्वविद्यालय

■ **विद्यार्थियों को साढ़े तीन सौ किताबें और डेढ़ लाख प्रश्न ऑनलाइन उपलब्ध होंगे**

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के अंतर्गत संचालित समस्त शासकीय एवं निजी कृषि, उद्यानिकी एवं कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालयों के सभी विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन शिक्षण सुविधा शुरू की जा रही है। इसके तहत लगभग नौ हजार विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों के लिए साढ़े तीन सौ पुस्तकें और डेढ़ लाख से अधिक प्रश्न ऑनलाइन उपलब्ध कराए जाएंगे। विद्यार्थियों को यह ऑनलाइन शिक्षण सुविधा प्रदान करने के लिए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा नई दिल्ली की स्टार्टअप कम्पनी नीपा जेनएक्स इलेक्ट्रॉनिक रिसोर्सेज एण्ड सॉल्यूशन्स के साथ अनुबंध किया गया है। अनुबंध के तहत यह कम्पनी सभी विद्यार्थियों को लॉगइन आइडी एवं पासवर्ड उपलब्ध कराएगी जिसके द्वारा विद्यार्थी ऑनलाइन किताबों तथा प्रश्न बैंक का उपयोग कर सकेंगे।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस.के. पाटील ने बताया कि ऑनलाइन शिक्षण सुविधा के तहत इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित की जाने वाली कृषि एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन हेतु सक्षम बनाने के लिए उन्हें विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों हेतु उपयोगी शिक्षण सामग्री ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि इसके तहत विद्यार्थी अपने लॉगइन आइडी एवं पासवर्ड के माध्यम से अपने मोबाइल तथा अन्य इलेक्ट्रानिक डिवाइस पर ऑनलाइन शिक्षण सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए समय-समय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किए जाएंगे।

सहयोग

गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति एकादमी को आरके पाटले द्वारा 3100 रू. का चेक प्रदान

रायपुर (नव प्रदेश)। गुरुघासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के अध्यक्ष केपी खांडे ने कोरोना वायरस से पीड़ित सहायता के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में 2 लाख रू. देने का विचार किये है। गुरुघासी दास साहित्य अकादमी के जिला अध्यक्ष सुंदर लाल जोगी (पार्षद व एमआईसी सदस्य) को आरके पाटले, गिरिजा पाटले ने 3100 रु. का चेक प्रदान किय व 20 लोगों को पहाड़ी चौक गुढ़ियारी में राशन सामग्री वितरण किया गया। जिसमें अध्यक्ष केपी. खाण्डे , चेतन चंदेल, जेआर सोनी, डीएस पात्रे, सुखनंदन बंजारे व अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

अपर मुख्य सचिव गृह सुब्रत साहू ने वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों की ली बैठक

सीमावर्ती राज्यों के माल वाहक ट्रकों को रात्रि 11 से सुबह 5 बजे तक ही मिलेगी शहर में एंट्री

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती राज्यों से आने वाले माल वाहक ट्रकों को रात्रि 11 बजे से सुबह 5 बजे तक ही शहर के अंदर प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। किसी भी ट्रक को होल्ड करने की अनुमति नहीं मिलेगी। अन्य राज्यों द्वारा जारी अंतर्राज्यीय पास को जब तक छत्तीसगढ़ द्वारा मान्यता नहीं दी जाती तब तक छत्तीसगढ़ में प्रवेश नहीं मिलेगा। यह निर्देश गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू ने आज रायपुर स्थित चिप्स कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों और परिवहन अधिकारियों को दिए। श्री साहू ने कहा कि कवर्धा, राजनांदगांव और गौरेला-पेन्ड्रा-मरवाही के सीमावर्ती क्षेत्रों में जिला प्रशासन द्वारा शहर के बाहर रोड किनारे कम से कम 50-60 एकड़ क्षेत्र होल्डिंग एरिया बनाई जाए, जहां बाहर से आने वाले ट्रकों को रोक कर ड्राइवर, हेल्पर आदि की थर्मल स्क्रीनिंग कराएं। इससे यातायात प्रभावित न हो। ट्रकों को छत्तीसगढ़ में रात में होल्ड करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

अपर मुख्य सचिव ने बाहर से आने वाले श्रमिकों एवं अन्य लोगों के अनिवार्य रूप से क्वारेंटाइन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों में फंसे श्रमिकों को लाने तथा छत्तीसगढ़ में फंसे श्रमिकों को दूसरे राज्य भेजने की स्थिति में नोडल अधिकारियों से समन्वय करें और एक-दूसरे राज्यों से अनुमति प्राप्त कर लें, ताकि सीमा क्षेत्रों में वाहनों की रूकावट नहीं हो। श्री साहू ने कहा कि कवर्धा और राजनांदगांव में मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र से आवाजाही का दबाव ज्यादा रहता है। इन जिलों में अतिरिक्त ड्यूटी के लिए अलग से अधिकारी नियुक्त करेंगे। उन्होंने कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए एहतियात के तौर पर सभी उपाय करने के निर्देश दिए।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सचिव स्वास्थ्य श्रीमती निहारिका बारिक सिंह, सचिव परिवहन डॉ. कमलप्रीत सिंह, सचिव श्रम सोनमणि बोरा, सचिव लोक निर्माण विभाग सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी, सचिव जल संसाधन अविनाश चंपावत, सचिव पर्यटन अन्बलगन पी., सचिव समाज कल्याण प्रसन्ना आर., रायपुर संभाग के कमिश्नर जी. आर. चुरेन्द्र, रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक आनंद छाबड़ा, कलेक्टर डॉ. एस. भारतीदासन एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आरिफ शेख सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आपात परिस्थितियों में राहत का सहारा बन रही है एम्स की टेली ओपीडी

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। लॉक डाउन और ओपीडी सेवाएं बंद होने की वजह से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के चिकित्सा प्राप्त कर रहे रोगियों के लिए टेलीमेडिसिन सेवा एक बड़ी राहत बन रही है। अब तक 13 विभाग स्वयं की सेवाएं मोबाइल नंबर के माध्यम से प्रदान कर रहे हैं। इस सप्ताह से एंडोक्रीनोलॉजी और न्यूरोसर्जरी के चिकित्सक भी मोबाइल के माध्यम से पुराने रोगियों को परामर्श प्रदान करेंगे।

एम्स 13 विभागों की चिकित्सा सेवा मोबाइल नंबर्स के माध्यम से प्रदान की जा रही हैं। इसमें मेडिसिन, स्त्री रोग, त्वचा रोग और ईएनटी विभागों की सबसे अधिक कॉल आ रही हैं। इनके ज्यादा संख्या में रोगी होने और ओपीडी बंद होने की वजह से रोगियों को अपनी दवाइयां जारी रखने या इन्हें बदलने के लिए नियमित रूप से चिकित्सकीय परामर्श की आवश्यकता होती है। ऐसे में दिए गए मोबाइल नंबर पर रोगी संपर्क करके और व्हाट्सअप पर ओपीडी बुकलेट की कॉपी भेजकर परामर्श ले रहे हैं। एम्स के विभिन्न टेलीमेडिसिन मोबाइल नंबर पर प्रतिदिन 150 से 200 कॉल आ रही हैं। इन कॉल के माध्यम से गर्भवती स्त्रियों को ऑपरेशन का समय दिया जा रहा है साथ ही कॉर्डियोलॉजी के लिए समय भी प्रदान किया जा रहा है। नेफ्रोलॉजी में डायलिसिस की सेवा भी कॉल के माध्यम से प्रदान की जा रही है।

गंभीर रोगियों से टेलीमेडिसिन ओपीडी का लाभ प्राप्त करने का अनुरोध किया

निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर ने बताया कि रोगियों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए अब एंडोक्रीनोलॉजी और न्यूरोसर्जरी की सेवाएं भी प्रदान की जा रही हैं। इसके लिए पृथक मोबाइल नंबर प्रदान कर दिए गए हैं। उन्होंने गंभीर रोगियों से इस टेलीमेडिसिन ओपीडी का लाभ प्राप्त करने का अनुरोध किया है। एंडोक्रीनोलॉजी के लिए मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को प्रात: 11.30 से 1.30 बजे तक मोबाइल नंबर 7647079642 और न्यूरो सर्जरी के लिए इसी नंबर पर सोमवार और शनिवार को प्रात: 9.30 से 11.30 बजे तक संपर्क किया जा सकता है।

संपादकीय

लॉकडाउन का कड़ाई से पालन हो

कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा लगातार बढ़ता ही जा रहा है यही वजह है कि देश में लॉकडाउन को दो सप्ताह के लिए और आगे बढ़ाना पड़ गया है। इस बार देश के विभिन्न जिलों को तीन जोनों में बांटा गया है। जहां कोरोना वायरस का प्रकोप ज्यादा है उन्हें रेड जोन में रखा गया है और वहां पहले की तरह ही तमाम पाबंदियां यथावत लागू रहेंगी। वहीं दुसरी ओर आरेंज जोन और ग्रीन जोन में कुछ ज्यादा छूट दी गई है किन्तु इसके लिए भी शर्तें लगाई गई है। किन्तु की छूट का लोग नाजायज फायदा उठाने से बाज नहीं आ रहे है। यदि ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त न की गई तो ग्रीन जोन के आरेंज जोन में जाने का और आरेंज जोन के रेड जोन में जाने का खतरा पैदा हो जाएगा। ऐसी स्थिति में लॉकडाउन का सख्ती पूर्वक पालन कराना जरूरी है। इसी तरह पूरे देश में लागू धारा 144 का भी कठोरता पूर्वक पालन कराया जाना चाहिए अन्यथा जाहिलों की जहालत के कारण दो सप्ताह बाद फिर से लॉकडाउन आगे बढ़ाने की नौबत आ जाएगी। गौरतलब है कि विभिन्न राज्य सरकारों ने अपनी खराब अर्थव्यवस्था की रोना रोते हुए लॉकडाउन अवधि में भी शराब दुकानों को खोलने का फैसला किया है। पहले दिन ही शराब दुकानों में लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। यद्यपि शराब दुकाने खोलने के लिए भी कड़ी शर्ते लगाई गई है और वहां सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने का आदेश दिया गया है लेकिन मदिरा प्रेमियों ने पहले दिन ही सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ाकर रख दी है। ये वहीं लोग है जो कल तक चीख पुकार मचा रहे थे की लॉकडाउन के कारण उनके सामने भूखों मरने की स्थिति निर्मित हो गई है लेकिन शराब दुकान खुलते ही उन लोगों के पास मानों जादू के जोर से पैसा आ गया है और वे शराब दुकानों पर टूट पड़े है। यदि इन शराबियों में कुछ लोग भी कोरोना संक्रमित हुए तो इतने ज्यादा लोग कोरोना संक्रमण के शिकार हो जाऐंगे इसका अनुमान लगाया जा सकता है। इसी तरह प्रवासी मजदूरों को भी उनके राज्यों में भेजने की कवायद की जा रही है और इसके लिए विशेष ट्रेंने चलाई जा रही है उसमें भी सतर्कता बरतने की सख्त जरुरत है अन्यथा ये प्रवासी मजदूर विभिन्न राज्यों में कोरोना वायरस फैला सकते है। सरकार को चाहिए कि वह लॉकडाउन में राहत जरूर दें लेकिन सतर्कता भी बरतें अन्यथा अब तक जो प्रयास किए गए है उस पर पानी फिर सकता है। खासतौर पर रेड जोन में तो लॉकडाउन का कड़ाई पूर्वक पालन कराना अति आवश्यक है, क्योंकि वहां लोगों की मूर्खता के कारण ही कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। आरेंज और ग्रीन जोन में भी लोग छूट का अनुचित फायदा न उठाएं इस बात का भी शासन प्रशासन का ध्यान रखना होगा अन्यथा वहां भी स्थिति बिगड़ सकती है।

विचार

कोरोना का तुरंत तोड़ प्लाज्मा है

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

ज्यों ही तालाबंदी घोषित हुई, गुड़गांव के कुछ मित्र डॉक्टरों और वैद्यों ने मुझे तरह-तरह के सुझाव दिए। कुछ डाक्टरों ने कहा कि आप प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों से कहिए कि वे 'प्लाज्मा थेरेपी' को मौका दें। मैंने कई मुख्यमंत्रियों से बात की लेकिन दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सबसे ज्यादा रुचि दिखाई और मुझसे कहा कि मैं अभी डाक्टरों की बैठक बुलाता हूं और उनसे कहता हूं कि प्लाज्मा चिकित्सा का परीक्षण शुरु करें। मुझे बहुत खुशी है कि अभी तक सारी दुनिया के डॉक्टर जिस कोरोना का तोड़ नहीं निकाल पाए हैं, उसका तोड़ हमारे डॉक्टरों ने निकाल लिया है। दिल्ली के डॉक्टरों की इस खोज पर 'इंडियन कौंसिल ऑफ मेडिकल कौंसिल' ने भी अपनी मोहर लगा दी है।

कोरोना के मरीजों को यह तीन-चार दिन में ठीक कर देता है। यह ठीक है कि इसकी तुलना किसी टीके (वेक्सीन) या कुनैन जैसी गोली से नहीं की जा सकती। यह 'प्लाज्मा' हजारों-लाखों लोगों को एक साथ नहीं दिया जा सकता, क्योंकि यह उन लोगों के खून में से निकाला जाता है, जो पहले कोरोना के मरीज़ रह चुके हैं और अब बिल्कुल ठीक हो चुके हैं। ऐसे लोगों का प्लाज्मा ज्यादा से ज्यादा तीन लोगों को दिया जा सकता है। भारत में कोरोना के मरीज़ हजारों में हैं और ठीक होनेवाले मरीजों की संख्या एक-चौथाई भी नहीं है और उनमें से अपना प्लाज्मा देने की शर्त आधे लोग भी पूरी नहीं कर सकते। इसके अलावा जो व्यक्ति एक बार कोरोना के चक्कर से बच निकला है, वह अस्पताल की सूरत भी नहीं देखना चाहता। जो ठीक हुए मरीज़ अपना प्लाज्मा देने की पेशकश कर रहे हैं, मैं उन्हें बधाई देता हूं। वे छोटे-मोटे देवदूत हैं। वे डरपोक नहीं हैं। उनमें सच्ची इंसानियत है, क्योंकि यह प्लाज्मा किसकी जान बचाएगा, इसका उन्हें कुछ पता नहीं। यह तो डाक्टर तय करेंगे कि किसका प्लाज्मा किसको दिया जाएगा। यह जरुरी नहीं कि वह अपने रिश्तेदारों या मित्रों को ही दिया जाए। यह खबर और भी बड़ी खुशखबर है कि निजामुद्दीन की तबलीगी जमात में शामिल हुए तीन सौ लोग, ठीक होने के बाद अपना प्लाज्मा दान करने के लिए तैयार हैं। उनका प्लाज्मा सभी के काम आएगा, वे चाहे हिंदू हों या मुसलमान, सिख हों या ईसाई ! जब प्लाज्मा जात, मजहब, भाषा, रंग-रुप और हैसियत का फर्क नहीं करता तो हम इंसान होकर यह फर्क क्यों करने लगते हैं ? इन प्लाज्मा देनेवालों की वजह से तबलीगी जमात को कुछ हद तक अपने पाप से उबरने का मौका भी मिलेगा। रमज़ान के दिनों में इससे बढ़िया (पुण्य कार्य) कारे-सवाब क्या होगा ? यह ज़काते-जान है।

अभिव्यक्ति

आरक्षण समाप्ति के कुचक्र में शब्द जीते, न्याय हारा

यशवंत धोटे

> मध्यप्रदेश शासन 1999 के एक आदेश द्वारा इन 50 प्रतिशत अनारक्षित (ओपन/खुली) सीटों को शासकीय कार्यों में सामान्य (जनरल) सीट शब्द लिखने पर बैन (रोक)भी लगा चुका है. क्योंकि इससे भ्रम उत्पन्न होने लगा था व इन 50 प्रतिशत अनारक्षित (ओपन/खुली) सीटों को लोग सामान्य जाति के उम्मीदवारों हेतु आरक्षित सीटें समझने लगे थे। वैसा ही कुछ इस निर्णय के पैरा क्रमांक 27 में उधृत एम. पी. सिविल सर्विस 1997 के नियम क्रमांक 3 के स्पष्टीकरण को पढऩे से भी समझ में आया कि यह महिला आरक्षण अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग व सामान्य अर्थात चारों श्रेणियों में कम्पार्टमेन्टवार व हॉरिजेंटली दिया जाना है. जबकि कानून में सामान्य श्रेणी (जनरल केटेगरी) नामक तो कोई शब्द ही नहीं होता अपितु उन सीटों को अनारक्षित (अनरिज़र्वड) सीटें कहा जाता है।

एमपी पीएससी की असिस्टेन्ट प्रोफेसर के परीक्षा परिणामों के विरोध में हाईकोर्ट गए सामान्य वर्ग को अन्ततः आरक्षण समाप्ति के कुचक्र में सफलता मिल ही गई और आरक्षित वर्ग के प्रत्याशियों के निराशा हाथ लगी। यह निर्णय आरक्षित वर्ग के खिलाफ दिया गया हैं। इस निर्णय से आरक्षित श्रेणी की 92 (ओबीसीः 71, एससीः 18 व एसटीः 03) महिला उम्मीदवार प्रभावित हुई हैं। अब 50 प्रतिशत अनारक्षित सीटें शनैः शनैः 10 प्रतिशत सामान्य उम्मीदवारों के पक्ष में जाती दिख रही हैं।

गौरतलब है कि मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने बुधवार 29 अप्रैल 2020 को याचिका क्रमांक 19630 / 2019, पिन्की असाटी विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन एवं अन्य ऐसी लंबित 37 याचिकाओं पर सहायक प्राध्यापक पदों की नियुक्ति में लागू महिला आरक्षण पर एक फैसला सुनाया है जिसमें मुख्य विवाद था कि 50त्न अनारक्षित सीटों में से महिलाओं हेतु हॉरिजेंटली आरक्षित 33 फीसदी सीटों में क्या मेरिट में आईं अधिक प्राप्ताँकों वाली आरक्षित श्रेणी की 92 (ओबीसीः 71, एससीः18 व एसटीः 03) महिला उम्मीदवारों को स्थान मिलना चाहिए या नहीं? जिसमें मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ए. के. मित्तल व न्यायाधीश विजय कुमार शुक्ल की पीठ ने वादियों के 25 वकील, आरक्षित वर्ग के इंटरविनर्स के 25 वकील, मध्यप्रदेश शासन के 1 व लोक सेवा आयोग के 2 वकीलों को सुनने के बाद आरक्षित श्रेणी की अधिक प्राप्तांक वाली महिला उम्मीदवारों को चयनित करने के बजाय फैसला इन सीटों में सामान्य जातियों की कम प्राप्तांक वाली महिलाओं को चयनित किये जाने के लिए सुनाया है.

दैनिक नवप्रदेश ने जब फैसले की पड़ताल की तो एक बड़ा रोचक तथ्य सामने आया कि यह पूरा मामला मेरिट में आईं आरक्षित श्रेणी की महिला उम्मीदवारों के 100 फीसदी पक्ष में होने के बावजूद इस फैसले में शब्द जीत गए व न्याय हार गया। नवप्रदेश ने यह पाया कि देश के संविधान या नियमों में जनरल केटेगरी या सामान्य श्रेणी नाम की कोई श्रेणी होती ही नहीं है अपितु अनुसूचित जाति, जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग के वर्टिकल आरक्षण के अलावा शेष उपलब्ध 50 प्रतिशत सीटों को श्रेणी न कहकर अनरिज़र्व्ड सीटें या अनारक्षित सीटें या ओपन सीटें या खुली सीटें कहा एवं लिखा जाता है अनुसूचित जाति, जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग के वर्टिकल आरक्षण के अलावा शेष उपलब्ध 50 फीसदी सीटों के लिए शासकीय कार्यों हेतु अवैध शब्दावली जैसे जनरल केटेगरी या सामान्य श्रेणी (जो शब्दावली शासकीय कार्यों में होती ही नहीं, यह केवल चालू भाषा में बोला जाता है) जैसे शब्दों का उपयोग कर सामान्य वर्ग द्वारा भ्रमित किया जा रहा है जबकि शासकीय कार्यों हेतु वैध शब्दावलीः अनरिज़र्व्ड सीटें या अनारक्षित सीटें या ओपन सीटें या खुली सीटें जैसे शब्द इस आरक्षण की आत्मा हैं।और वास्तविक शब्दों का यही स्वरूप और अर्थ हैं। जिसे सरकारी दस्तावेजो के रोस्टर में देखा जा सकता है

> वैसा ही कुछ इस निर्णय के पैरा क्रमांक 27 में उधृत एम. पी. सिविल सर्विस 1997 के नियम क्रमांक 3 के स्पष्टीकरण को पढऩे से भी समझ में आया कि यह महिला आरक्षण अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग व सामान्य अर्थात चारों श्रेणियों में कम्पार्टमेन्टवार व हॉरिजेंटली दिया जाना है. जबकि कानून में सामान्य श्रेणी (जनरल केटेगरी) नामक तो कोई शब्द ही नहीं होता अपितु उन सीटों को अनारक्षित (अनरिज़र्वड) सीटें कहा जाता है. क्योंकि सामान्य श्रेणी के लिए तो कोई आरक्षण होता ही नहीं है. वहीं सामान्य जाति के उम्मीदवार अनारक्षित सीटों में ही आवेदन करते हैं।

जिसमे अनारक्षित शब्द लिखा रहता हैं। मध्यप्रदेश शासन 1999 के एक आदेश द्वारा इन 50 प्रतिशत अनारक्षित (ओपन/खुली) सीटों को शासकीय कार्यों में सामान्य (जनरल) सीट शब्द लिखने पर बैन (रोक)भी लगा चुका है. क्योंकि इससे भ्रम उत्पन्न होने लगा था व इन 50 प्रतिशत अनारक्षित (ओपन/खुली) सीटों को लोग सामान्य जाति के उम्मीदवारों हेतु आरक्षित सीटें समझने लगे थे। इस प्रकरण में सामान्य जातियों की 92 वादियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन, लोक सेवा आयोग व आरक्षित वर्ग के इंटरविनर्स के कुल 28 वकीलों द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के इन्दिरा सहाणे (मण्डल) निर्णय, ई. दीपा निर्णय इत्यादि के प्रावधानों की खूब दलीलें देने के बावजूद भी कि मेरिट अर्थात प्राप्तांकों के आधार पर अनारक्षित सीटों में चयनित आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों की गणना अनारक्षित सीटों में ही की जाती है, उन्हें उनके लिए आरक्षित सीटों में समायोजित नहीं किया जाता है को नकारते हुए उच्च न्यायालय ने निर्णय सामान्य जाति की मेरिट में ह्वक्रष्ट महिलाओं से पीछे रह गई कम प्राप्तांक वाली महिलाओं के पक्ष में सुनाया है। निर्णय में लिखा है कि जनरल केटेगरी की 33 प्रतिशत महिला आरक्षण वाली सीटों में *ह्वक्रस्न अर्थात अनरिज़र्व्ड फीमेल अर्थात अनारक्षित महिलाओं को नियुक्त किया जाए. क्योंकि आरक्षण व्यवस्था में जनरल शब्द का अर्थ अनारक्षित ही होता है. इसका सीधा अर्थ है कि 33 प्रतिशत महिला आरक्षण वाली अनारक्षित सीटों में फिर मेरिट के आधार पर सभी वर्गों की महिलाएं स्थान पा सकती हैं. जिसका लाभ आरक्षित वर्ग की अधिक प्राप्ताँक वालीं मेरिट में आई महिला उम्मीदवारों को मिलेगा. वहीं यदि मध्यप्रदेश का उच्च शिक्षा विभाग ऐसा नहीं करता है तो वह न्यायालय की अवमानना होगी।

उदाहरण के तौर पर यदि देखे तो नगर निगम भोपाल या रायपुर के महापौर का पद अनारक्षित (महिला) हेतु आरक्षित हो तो उसमें आरक्षित वर्ग की कोई भी महिला चुनाव लड़ सकती है, अन्यथा वह सीट सामान्य जाति हेतु आरक्षित हो जावेगी, जिसका संविधान में फिलहाल कोई प्रावधान नहीं है। अब निश्चित ही मध्यप्रदेश शासन, लोक सेवा आयोग व आरक्षित वर्ग की 92 (ओबीसीः 71, एससीः 18 व एसटीः 03) चयनित उम्मीदवार, सर्वोच्च न्यायालय जायेंगे. उम्मीद है कि वहाँ जनरल केटेगरी या सामान्य श्रेणी (जो शासकीय कार्यों में होती ही नहीं है, जो केवल चालू भाषा में बोला जाता है) को सही अनरिज़र्व्ड सीटें या अनारक्षित सीटें या ओपन सीटें या खुली सीटें परिभाषित कर उन्हें न्याय मिल सकता हैं। इसी प्रकार अक्सर और भी स्थानों पर यह देखने में आता है कि नियमों का उललंघन कर इन 50 प्रतिशत अनारक्षित सीटों में भी 10त्न आबादी वाले सामान्य जाति के उम्मीदवारों को ही येन केन प्रकारेण नियुक्त कर दिया जाता है। जो 10 प्रतिशत आबादी वाली सामान्य जातियों के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण हो जाता है और 90 फीसदी एससीएसटी ओबीसी की आबादी 50 फीसदी आरक्षण के लिए जद्दोजहद करती हैं। शब्दो के मायाजाल में उलझे आरक्षण की शब्दावली के भावार्थ ठीक कराने में आरक्षित वर्ग को वर्षो लग जाते हैं।

कोरोना को हराने में जुटी मोदी सरकार

रमेश सर्राफ

> केंद्र सरकार ने कोरोना संक्रमण की दृष्टि से देश को रेड, ऑरेंज व ग्रीन जोन में बांटा है। रेड जोन में उन जिलों को शामिल किया गया है जहां कोरोना का संक्रमण सबसे अधिक है। वहां पूर्णतया लोक डाउन रहेगा तथा अधिकांश गतिविधियों पर रोक रहेगी। कोरोना संक्रमण से निकल चुके जिलो को ऑरेंज जोन में शामिल किया गया है। ऑरेंज जोन में शामिल जिलों में कुछ गतिविधियों में छूट दी जाएगी। ग्रीन जोन में ऐसे जिलों को शामिल किया गया है जहां एक भी कोरोना पॉजिटिव का केस नहीं मिला है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार कोरोना जैसी वैश्विक महामारी को हराने में पूरी ताकत से जुटी हुई है। कोरोना संक्रमण से जूझते दुनिया के अन्य देशों की तुलना में भारत ने कोरोना के संक्रमण पर काफी हद तक काबू पा लिया है। केंद्र सरकार की सतर्कता के चलते ही देश में कोरोना संक्रमण तीसरे स्टेज पर नहीं पहुंच पाया हैं। इसी कारण देश में कोरोना का सामुदायिक विस्तार नहीं हो सका है। समय रहते देश में लाकडाउन लागू करना मोदी सरकार का एक ऐसा फैसला था जिसकी आज हर कोई सराहना कर रहा है।

भारत जैसे बड़ी आबादी वाले देश में एकाएक सम्पूर्ण लाकडाउन का फैसला करना मजबूत नेतृत्व का ही परिणाम है। केंद्र सरकार ने समय रहते देशव्यापी लाकडाउन लागू करने का फैसला करके पूरे देश को एक सूत्र में बांधा है। उसी का परिणाम है कि लगातार तीसरी बार भी लंबे समय के लिए लाकडाउन लागू किये जाने के उपरांत भी देश की जनता पूरी तरह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ खड़ी नजर आ रही है। देश के सभी लोग लाकडाउन की पालना में केंद्र व राज्य सरकारों को पूरा सहयोग दे रहे हैं। देश में लाकडाउन लागू करते समय चिकित्सा सेवाओं की दृष्टि से भारत का दुनिया में 115 वां स्थान था। उस वक्त देश में एकमात्र पूणे में कोरोना जांच की बायो लेबोरेटरी कार्यरत थी। लेकिन कोरोना की भारत में आहट के साथ ही केंद्र सरकार ने देश भर में तेजी से कोराना जांच की बायो लैबोरेट्रीज की संख्या में बढ़ोतरी की। आज देश में प्रतिदिन लेबोरेटरी की संख्या में विस्तार हो रहा है। केंद्र सरकार राज्यों के साथ मिलकर इस प्रयास में लगी है कि देश के सभी जिलों में बायो लेबोरेटरी की स्थापना की जाए। जिससे कोरोना सहित इस तरह की अन्य बीमारियों की भी तात्कालिक जांच की सुविधा उपलब्ध हो सके।

केंद्र सरकार के विशेष प्रयासो से देश में सरकारी स्तर पर 304 टेस्टिंग लेबोरेटरी स्थापित हो चुकी है। वहीं निजी क्षेत्र की 105 लेबोरेटरीज भी कोरोना पॉजिटिव की जांच करने के लिए अधिकृत की जा चुकी है। देश में फिलहाल सरकारी स्तर पर आंध्र प्रदेश में 48, अरुणाचल प्रदेश में एक, आसाम में छह, बिहार में छह, चंडीगढ़ में 3, छत्तीसगढ़ में 3, दिल्ली में 10, गुजरात में तेरह, गोवा में 3, हरियाणा में आठ, हिमाचल प्रदेश में पांच, जम्मू कश्मीर में 4, झारखंड में 4, कर्नाटक में 18, केरल में 14, महाराष्ट्र में 33, मध्य प्रदेश में 10, मणिपुर में दो, मेघालय में एक, ओडिशा में 7, पुडुचेरी में दो, पंजाब में 3, राजस्थान में 14, तमिलनाडु में 34, तेलंगाना में 9, त्रिपुरा में एक, उत्तर प्रदेश में 19, उत्तराखंड में 4, पश्चिम बंगाल में 10, अंडमान निकोबार दीप समूह में 3, दादर एवं नागर हवेली में एक लेबोरेटरी कार्यरत है। देश के विभिन्न प्रदेशों में सरकारों द्वारा लगातार नई जांच लेबोरेटरी प्रारंभ करवाई जा रही है तथा कई लेबोरेटरी में जांच करने वाले मशीनों की संख्या बढ़ाई जा रही है। कोरोना संकट के बाद केंद्र सरकार ने कोरोना की रोकथाम के लिए आवश्यक चिकित्सा उपकरण, जांच किट, जरूरी दवाएं व अन्य सामानों का तेजी से आयात किया। जिस कारण से कोरोना की जांच में तेजी आई है। केंद्र सरकार ने हर प्रदेश में अनेकों जगह पर कोरोना उपचार के लिए अलग से कोविड -19 अस्पतालों की व्यवस्था करवाई व बड़ी संख्या में आइसोलेशन केंद्र बनवाए। यहां तक कि आपात स्थिति का मुकाबला करने के लिए हजारों की संख्या में रेल के डिब्बों को भी आइसोलेशन वार्ड के रूप में तैयार करवाया गया है। केंद्र सरकार ने घरेलू कंपनियों को भी कोरोना के उपचार से संबंधित विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया। जिस कारण आज देश में सैकड़ों घरेलू कंपनियां विभिन्न तरह का साजो- सामान बनाने में जुटी हुई है। फलस्वरूप केंद्र सरकार की विदेशों से आयात पर निर्भरता कम हुई है। सरकारी प्रोत्साहन के चलते आज बड़ी संख्या में फेसमास्क, पीपी किट, कोराना जांच किट, वेंटिलेटर सहित बहुत सी वस्तुएं स्थानीय स्तर पर ही बनाई जाने लगी है। लॉक डाउन लागू करने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीब जनता की भी सुध ली। केंद्र के खजाने उन जरुरतमंदों के लिए खोल दिए गये जिनके सामने रोजी रोटी से लेकर अन्य दिक्कतें थी। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के जरिए जनधन, उज्जवला और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों के खातों में सीधे पैसे भेजे गये ताकि लोगों की नकदी की परेशानी को दूर किया जा सके। देश की आधी आबादी से अधिक लोगों को केंद्र सरकार प्रति माह निशुल्क गेहूं व दाल उपलब्ध करवा रही है। इसके साथ ही सरकार ने हर वर्ग के लिए राहत पैकेजों का भी एलान किया। केंद्र सरकार ने सरकारी बैंकों में भी पूंजी बढ़ाने का फैसला किया है। जिससे बाजार में नकदी की कमी दूर होगी। लाकडाउन के दौरान केंद्र सरकार द्वारा आमजन को दिए गए विभिन्न तरह के राहत पैकेजो का जरूरतमंदों को लाभ मिल रहा है।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

थम सी गई है जिंदगी

थम सी गई है जिंदगी इसे थमी ही रहने दो ये तो बस बात है कुछ पल की ठहरी ही रहने दो। उड़ लेने दों उन्मुक्त गगन में उन परिंदों को बह लेने दों स्वक्षन्द हवाओं को सास लेने दो मदमस्त होती प्रकृति को जीवन भर कैद रखा है जिसकों आज आजाद उन्हे भी होने दो। महसूस करो उस मूक दर्द को खुद जी लो सबको जीने दो। थम जाओं इस पल जी लेने को ना रूक सके तो हो तैयार उम्र भर कैद हो लेने को।

– वीणा अग्रवाल

एक हवा अभी मेरी

एक हवा अभी मेरी रूह को छुआ कौन है जो मुझे अभी छूकर गया सब कुछ खो गया एक-एक कर एक अपना जमीर बचाकर गया बंदिशों का पहरा था जिस तरफ उस तरफ जाने दिल अक्सर गया

-प्रीति श्रीवास्तव

ख़ास पाती | रस्मे-वफा एकतरफा तो निभाई

रस्मे-वफ़ा एकतरफा तो निभाई नहीं जाएगी, बाती भर से दिये की लौ जलाई नहीं जाएगी, तेरे नाज़ उठाने का वादा है उठाऊंगा उम्र भर, गुरूर की धूल मगर माथे सजाई नहीं जाएगी, मेरा रिश्ता ही कुछ ऐसा है उनसे शहर वालों, मैं परेशाँ हूँ ये बात उनको बताई नहीं जाएगी, कभी तो अपनी भी अक्ल लगाओ खिरदमंदो, हर- एक पीर ग़ज़ल में तो पिरोई नहीं जाएगी, आपने हक नहीं दिये, और हमने सीखा नहीं, लिपट ग़ैर से तो आँख छलकाई नहीं जाएगी।

– अनिल अनमोल शर्मा

घूंघट में छुपा के दीप लिए

घूंघट में छुपा के दीप लिए. , तुम झरनों का संगीत लिए ., आँचल में ढेर जुगनू लेकर - आशाओं सलोंनी आजाना ! हो दूर. तलक , बदली छाई , नीरवता लेती हो अंगडाई , जब दर्द. हवाओं में दौड़े उल्काएं नीरवता को तोडें तब ओसबिन्दु के कण बनके- पलकों से हमारी बहजाना ! सुनती हो तितली की थिरकन, सुनती तुम कलियों की गुन-गुन, आती हो दौड़ कर पतझड में सुन कर के पेडों की सिसकन, तुम अपना सुन्दर गीत कोई - गीतों में हमारे , लिखजाना !

– अजय कुमार सिंह भदौरिया

कोई टिकटाक बनाये , या लूडो खेले

कोई टिकटाक बनाये , या लूडो खेले, गुड़िया खेले ये तो हर व्यक्ति का अपना निजी मुद्दा है,....जो जिसमें खुश है , हर इंसान इस तनाव भरी जिदंगी में टाइमपास का साधन तो ढूँढ ही लेता है,.. और इसमें कुछ गलत भी नहीं है क्योंकि ये टाइमपास है ,चोरी ,डकैती तो है नहीं..... मेरे समझ में ये नहीं आ रहा कि इससे दूसरों को क्यों जलन होती है। - अहाना अर्चना पाण्डेय

तेज अन्धड़ में बूढ़ा वृक्ष जो

तेज अन्धड़ में बूढ़ा वृक्ष जो सुघड़ था दो दशक पहले तक, अब... विरक्ति से भरा हुआ है, अवसादी हो गया है, घनापन खो बैठा है, हल्केपन से भर चुका है। बचा-खुचा है तो, व्यथाओं यातनाओं मृत इच्छाओं का दंश है। व्यंग की ज़हरीली निशा बूढ़े वृक्ष को एकाकीपन की अँधेरी सीढ़ियों की ओर धकेलती है । जोकि- भयंकर दुःस्वप्न कोझ्र सच मानकर जीवनभर कुढ़ता रहता है। - अनुभूति गुप्ता

जब राष्ट्र पुकारे तो राष्ट्र धर्म

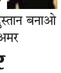

जब राष्ट्र पुकारे तो राष्ट्र धर्म हेतु उत्तरदायित्वों के बोझ उठाने होते हैं । फक़त कहने से देश हमारा नही होता अपनेपन के हेतु निभाने होते हैं । अगर जिन्दा हो तो जीवंतता से देश के दिल में धड़क कर तो दिखाओ पहले अपने हिस्से का हिन्दुस्तान बनाओ फिर देखो क्या लोकतंत्र के माने होते हैं । - ममता अमर

पिछले 70 साल में पहली बार

पिछले 70 साल में पहली बार किसी प्रधानमंत्री ने 40 दिन में मुख्यमंत्रियों से 4 बार बात की. 14 घंटे मशवरा किया. उनके कहने पर लॉकडाउन बढाया, मज़दूरों के लिए रेल चलाई. मुख्यमंत्री मानते हैं. फिर भी कुछ लोग कहते हैं केन्द्र राज्यों की नहीं सुनता. आखिर क्यों ? - सचिन चौधरी

क्या बताऊँ तुम्हें कितनी बड़ी मुश्किल

क्या बताऊँ मैं तुम्हें कितनी बड़ी मुश्किल में हूँ है नहीं आसां निकलना यूँ किसी के दिल में हूँ साथ में तनहाइयाँ वीरानियाँ रहती मेरे है अलग ये बात के शामिल हुई महफिल में हूँ।

– लक्ष्मी माहौर

QUIZ TIME

1) बंगाल के द्वितीय विभाजन के समय भारत का वायसराय कौन था?
2) गायत्री मंत्र किस वेद में है तथा किसको समर्पित है?
3) किस मुस्लिम समाज सुधारक को अंग्रेजों ने 'नाइटहुड' की उपाधि प्रदान की थी?
4) शिक्षा मनुष्य में अंतर्निहित पूर्णता की अभिव्यक्ति है। यह कथन किसका है? (विवेकानंद / रवीन्द्रनाथ टैगोर)
5) किस बैंक का लोगो है?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) लॉर्ड माउण्टबेटन (2) ऋग्वेद में और सावित्री को (3) सैयद अहमद खान (4) विवेकानंद (5) दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1818- प्रसिद्ध जर्मन दार्शनिक, अर्थशास्त्री और वैज्ञानिक कार्ल मार्क्स का जन्म। 1821- फ्रांसीसी राजनीतिक नेता और सैन्य अधिकारी नेपोलियन बोनापार्ट का निधन। 1916- भारत के पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह का जन्म। 1919- पेरिस में रेडक्रॉस सोसाइटी की स्थापना की गई। 1925- दक्षिण अफ्रीका सरकार ने अफ्रीकी को आधिकारिक भाषा घोषित किया। 1927- वर्जीनिया वूल्फ ने लाइटहाउस को पहली बार प्रकाशित किया गया। 1929- भारत के प्रसिद्ध क्रांतिकारी अब्दुल हमीद कैसर का जन्म। 1937- परमवीर चक्र सम्मानित भारतीय सैनिक मेजर होशियार सिंह का जन्म। 1949- भारत में झारखंड पार्टी की स्थापना।1950- भुमबोल अदुलदेज को थाईलैंड के राजा बने।

शराब दुकानों में हुजूम, सोशल डिस्टेंसिंग की उड़ी धज्जियां

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। लॉकडाउन 3 में शराब दुकानें खोलने की अनुमति मिलने के बाद आज सुबह से कीन लोगों की लंबी लंबी कतारें लग गई। अभी तक होली जैसे त्योहार के समय शराब दुकानों के जालीदार काउंटर पर दो.तीन दर्जन लोगों की भीड़ कई बार देख चुके लोगों के लिए आज एकदम नया सीन देखा। हरेक शराब दुकान के सामने पहली बार इतनी लंबी लाइन लगी थी। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने पुलिस की टीम लगी रही। सैकड़ों लोग चिलचिलाती धूप में खड़े रहकर शराब दुकान के काउंटर में अपनी बारी का इंतजार करते रहे।

इससे पहले कल शाम अचानक दुर्ग में 8 कोरोना पॉजिटिव मरीज मिलने के बाद यह खबर उड़ी कि शराब दुकानें बंद रहेगी। कई सोशल मीडिया में ये खबरें भी पोस्ट की गई कि कलेक्टर बैठक ले रहे हैं। शराब दुकानें बंद रहेगी। आज सुबह कलेक्टर ने जिले में 8 कोरोना पॉजिटिव मरीज मिलने के बाद धारा 144 लागू करने के आदेश जारी कर दिए। अटकलों का बाजार गर्म रहा। लेकिन आखिरकार सुबह 9 बजे शराब दुकानें खुल गई। हर दुकान के आगे सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा है। सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां भी उड़ रही

दुकानों पर नियंत्रण में आबकारी अमला नाकाम राज्य भर में आज से शराब दुकानों के

दुर्ग जिले में मनमाने दाम पर बिकी शराब

शटर खुल गए हैं। इसके साथ ही शराब की बढ़ी कीमतों के बाद भी अतिरिक्त राशि वसूलने का खेल भी शुरू हो गया है। देशी शराबों में भी प्रति बोतल जितनी राशि की वृद्धि की गई है उससे कही अधिक दर पर क्वाटर व बोतल दुकानों से बेची जा रही है वहीं अंग्रेजी शराब के ब्राण्ड में मनमाने तरीके से राशि वसूली जा रही है।

सूत्रों ने बताया कि दुर्ग जिले में संचालित होने वाली शराब दुकानों में आज पहले दिन से ही अवैध वसूली का खेल शुरू हो गया है। देशी शराब की कीमतों में 10 से 20 रूपए तक की वृद्धि की गई है। लेकिन देशी शराब दुकानों में देशी प्लेनए मसाला के पौवा के बोतल के पीछे 10 रूपए अधिक वसूला जा रहा है। अध्धी या बंपर की बोतल नहीं होने का हवाला देकर सभी ग्राहकों को पौवा की बोतल ही दे रहे हैं। इससे समझा जा सकता है कि एक बंपर की बोतल न देकर भी शराब कर्मी सीधे 40 रूपए अधिक कमा रहे हैं।

इसी तरह अंग्रेजी शराब के ब्राण्ड वाले शराब की अनुपलब्धता बताकर तरह.तरह के ब्राण्ड के शराब बेचे जा रहे हैं। जिले के कुछ शराब दुकानों में 740.760 रूपए की बोतल को सीधे 960 रूपए से लेकर 1000 रुपए तक प्रति बोतल के हिसाब से शराब बेची जा रही है। वहीं सूत्रों ने बताया कि वर्तमान में एक व्यक्ति को 5000 एमएल से ज्यादा शराब का विक्रय नहीं किया जा सकताए लेकिन लॉकडाउन का फायदा उठाते हुए कई दुकानों से परिचितों को तथा अधिक राशि देने वाले को पूरी शराब की पेटी बेची जा रही है।

सूत्रों की माने तो ऐसा नहीं है कि आबकारी विभाग को इसकी भनक नहीं हैए बावजूद इसके किसी तरह की कार्यवाही न होना इस बात का भी संकेत दे रहा है कि यह पूरा गोरखधंधा विभाग के अधिकारियों के संरक्षण में चल रहा है। दूसरी ओर लॉकडाउन में करीब डेढ़ माह बाद खुले शराब दुकानों में सुबह से ही ग्राहकों की भीड़ टूट पड़ी है। मदिराप्रेमियों को हर हाल में शराब चाहिएए यही वजह है कि कोई भी ग्राहक अधिक वसूली की शिकायत नहीं कर रहा है। इस संबंध में जिला आबकारी अधिकारी अरविंद पटले ने समाचार एजेंसी आरएनएस को बताया कि कल रात को संशोधित दरों के आदेश प्राप्त हुए है।

जिसके अनुसार देशी का पव्वा 60 की जगह 80 रुपए ए गोवा 80 के स्थान पर 90 तथा अंग्रेजी शराब के 740 की पुरानी बोतलों के स्थान पर 820 तथा 830 रुपए लिए जाने के निर्देश है। किंतु कुछ शराब उपभोक्ताओं ने बताया कि नेवईए सिविक सेंटर तथा सुपेला की भठ्ठियों में वाईट एण्ड ब्लूयए लिरॉय तथा इस दर में मिलने वाली शराब की बोतलों को 960 से 1000 रुपए तक की कीमत लेकर बेचा जा रहा है।

न्यूज गैलरी

आनंद बिहार फेस 3 कंटेमेंट जोन घोषित

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी के आदेशानुसार बोरसी वार्ड में स्थित आनंद विहार फेस 3 को कंटेनमेंट जोन घोषित किया गया है । इस दौरान उक्त क्षेत्र की सभी दुकानेंए वाणिज्य प्रतिष्ठान बंद रहेंगे । आनंद विहार फेस 3 बोरसी के आम नागरिकों को दैनिक आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति दवाई आदि कि घर पहुंच सेवा उपलब्ध कराया जाएगा। निगम आयुक्त इंद्रजीत बर्मन द्वारा आनंद विहार फेस 3 बोरसी के निवासियों को आवश्यक सामान आदि उपलब्ध कराने राजस्व निरीक्षक चंद्रकान्त शर्मा मोबाइल नंबर 8839094305 को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। चंद्रकान्त शर्मा के साथ भृत्य मनोज यादव 8103521770 को सहयोग के लिए नियुक्त किया गया है। आनंद विहार फेस 3 बोरसी के निवासियों से अपील है कि वे आवश्यक सामग्री की आपूर्ति के लिए नोडल अधिकारी श्री शर्मा से संपर्क करेंगे ।

मानिकपुरी पनिका समाज राहत कोष में दिए 21 हजार

रिसाली। कोविड.19 के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम हेतु देशव्यापी लॉकडाउन के चलते जरूरतमंद श्रमिक वर्गो के सहयोग के लिए रूआबांधा वार्ड 63 के पूर्व पार्षद राजेन्द्र रजक के मार्गदर्शन में मानिकपुरी पनिका समाज भिलाई दुर्ग द्वारा मुख्यमंत्री राहत कोष में 21000 रूपये का चेक निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे को निगम कार्यालय रिसाली पहुँचकर प्रदान किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष नोहरदास ग्वाल, उपाध्यक्ष रंगदास मानिकपुरी, सचिव गुलाब मानिकपुरी, कोषाध्यक्ष प्रकाश दास, संक्रिय कार्यकर्ता अमरदास, सहसचिव मोहनदास, संक्रिय हीरादास मानिकपुरी, आदि उपस्थित थे।

हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में आवाजाही सहित दुकाने बंद, घर-घर किया सेनीटाइज

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई नगर। जिला प्रशासन द्वारा ईडब्ल्यूएस हाउसिंग बोर्ड के क्षेत्र को कंटेनमेंट जोन घोषित करने के बाद इस क्षेत्र में आवाजाही की गतिविधियां बंद कर दी गई है रात्रि में यहां पर सघन रूप से फागिंग कराई गई और सुबह से ही सैनिटाइजिंग का कार्य किया जा रहा है साथ ही सभी रास्तों जहां से आवाजाही होने की संभावना है उन सभी मार्गो को बैरिकेटिंग कर दिया गया है ताकि क्षेत्र से कोई बाहर ना जाए और बाहर से कोई इस क्षेत्र में प्रवेश न कर सके। सुबह 5 बजे से ही यहां पर स्पीकर के माध्यम से घरों से बाहर न निकलने की व मेडिकल इमरजेंसी सेवा को छोड़कर किसी भी प्रकार की गतिविधियां संचालित नहीं करने की सूचना दी जा रही है हाउसिंग

बोर्ड के 37 दुकाने व घासीदास नगर के 9 दुकाने खोलने की तैयारी कर रहे थे जिसे बंद कराया गया। कंटेनमेंट जोन में अस्थाई रूप से कैंप ऑफिस खोला गया है जिसके माध्यम से वार्ड क्षेत्र में गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। निगम प्रशासन की ओर से कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु टैंकर से गलियों और हैन्ड स्प्रे से घर-घर हाउसिंग बोर्ड एरिया को सघन रूप से सेनेटाइज किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा कन्टेनमेंट घोषित वार्ड 26 का निरीक्षण जोन के अधिकारियों द्वारा किया गया और वार्ड में अस्थायी केम्प आफिस स्थापित कर कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई। लोगों की भीड़ जमा न हो पाए इसलिए क्षेत्र के 46 खुल रहे दुकानों को बंद करा दिया गया शेष दुकानें पूर्णतः बंद रही। जोन क्रं 02 के जोन आयुक्त सुनील अग्रहरी ने कन्टेनमेंट एरिया का जोन स्वास्थ्य अधिकारी व राजस्व अधिकारी एवं पुलिस बल के साथ निरीक्षण किए और आवागमन वाले सभी रास्तों को बैरीकटिंग कर बंद कराया। कोरोना वायरस के रोकथाम हेतु कन्टेनमेंट क्षेत्र में अस्थायी केम्प आफिस स्थापित किया गया है। वार्ड 26 हाउसिंग बोर्ड के हुडेक सेल में आफिस स्थापित किया गया है जहां राजस्व निरीक्षक प्रकाश अग्रवाल व पम्प सहायक चतुर चन्द्राकर की ड्युटी लगाई गई है। कन्टेनमेंट जोन क्षेत्र के घरों में स्वच्छता कर्मचारियों द्वारा सोडियम हाइपोक्लोराइड के घोल से सेनेटाइज किया जा रहा है। कंटेनमेंट जोन का पूरा नक्शा तैयार किया गया है जिसके आधार पर क्षेत्र में गतिविधियों के नजर रखी जा रही है।

अवैध लकड़ी जप्त

दुर्ग (नवप्रदेश)। शालीनी रैना मुख्य वन संरक्षक वृत्त एवं केआर बढ़ई वनमंडलाधिकारी के निर्देशन में वनमंडलाधिकारी के निर्देशन में उपवनमण्डलाधिकारी वन परिक्षेत्र अधिकारी दुर्ग एवं अधीनस्थ अमले द्वारा वनमंडल के अंतर्गत दुर्ग परिक्षेत्र के पाटन परिवृत के उतई बीट में घुपसीडीह से धौराभांठा मार्ग पर श्री बजाज क्रशर शमशान घाट के पास से 1300 नग अर्जुन काष्ठ जप्त किया गया है। प्रथम दृष्टया काष्ठ के अवलोकन पर ऐसा प्रतीत होता है कि वृक्षों की अवैधानिक कटाई करते हुए बिना किसी अनुज्ञा के काष्ठ को इस स्थल पर परिवहन किया गया है। काष्ठ के मालिक की पतासाजी करने पर कोई भी व्यक्ति काष्ठ के स्वामी के रूप में मौके पर उपस्थित नहीं हुआए जिसके कारण अज्ञात काष्ठ स्वामी के विरूद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर जांच की कार्यवाही संस्थापित किया गया है। दुर्ग वनमंडल में भारी मात्रा में कृषकों की निजी भूमि पर अर्जुन वृक्ष पाये जाते है, जिसे वे अवैध कटाई कर आसपास के आरामिलों में विक्रय करते है। आरामिलों के द्वारा उक्त काष्ठ का चिराई कर पैकेजिंग के उपयोग हेतु अन्यत्र स्थलों पर उंचे दामों पर बेचा जाता है।

जरूरतमंदो को पहुंचाया सूखा राशन सामग्री

नवप्रदेश संवाददाता

रिसाली। निगम क्षेतांगर्त इस्पात नगर के बहुआयामी जन कल्याण हेतु सतत संघर्षशील संस्था स्पोटर्स कल्ब एवं गणेश उत्सव समिति इस्पात नगर के पदाधिकारी एवं सदस्यों द्वारा निगम के फूड वितरण केन्द्र के मार्गदर्शन में प्रतिदिन निगम क्षेत्र के श्रमिक बस्तियों में पहुँचकर सूखा राशन सामग्री वितरित कर रहे हैं। समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा स्टेशन मड़ोदा में 5 परिवार को सूखा सामग्री का वितरण किया गया। जुनवानी खम्हरिया में 40 परिवार को सूखा राशन सामग्री का वितरण किया गया। हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में पुलिस विभाग के कोरोना वॉरियर्स को 300 पैकेट पूरी सब्जी एवं बूंदी का पैकेट बॉटा गया। स्टेशन मड़ोदा शंकरपारा में 28 परिवार को खाद्यसामग्री का वितरण किया गया। जोरातराई में 26 परिवार को सूखा राशन सामग्री का वितरण किया गया। मायानगर रिसाली में 21 परिवार को स्टेशन मड़ोदा शिवपारा में 32 परिवार को खाद्यसामग्री बांटा गया। महिला जागृति समिति के 14 परिवार को राशन वितरित किया गया। नगर निगम भिलाई के सफाई कर्मचारियों के 4 परिवार को राशन बांटा गया। सेक्टर 4 सड़क 16 में 25 परिवार को राशन सामग्री वितरित किया गया। संस्था के पदाधिकारी अनुप डे के नेतृत्व में सीवीआर मूर्ति, विनोद रजक, कैलाश चौरसिया, मुकेश सिंह, विनय पांडे, बाबू कौशल, सीमा चलम, धंनजय, के वेंकट, गजेन्द्र, पप्पू वर्मा, हर्षद सरकारिया, लोकेश द्वारा निरन्तर सहयोग प्रदान किया जा रहा है। नगर पालिक निगम के आयुक्त प्रकाश कुमार एवं जोन आयुक्त रमाकांत साहू ने संस्था के परोपकारी कार्यो की प्रशंसा करते हुए कहा है कि भूखे को भोजन खिलााना, भगवान को भोग लगाने के समान है। दुनिया में मानव सेवा से बड़कर और कोई सेवा हो ही नहीं सकती संस्था के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों के प्रति जोन आयुक्त ने आभार व्यक्त किया है।

कांग्रेस महामंत्री साहू ने भाजपा को फिर घेरा

- सरोज, विजय सहित 11 भाजपा सांसदों ने पीएम केयर फंड में एक.एक करोड़ दिए
- छग के हजारों मजदूरों को वापस लाने में मदद क्यों नहीं की

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। दूसरे राज्यों से अपने घर लौटने वाले मजदूरों, कामगारों से ट्रेन किराया वसूल करने के मोदी सरकार के फैसले पर कांग्रेस ने भाजपा पर तीखा प्रहार किया है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री राजेंद्र साहू ने कहा है कि कोरोना संकट और लॉकडाउन के कारण मजदूर और कामगार भीषण आर्थिक संकट झेल रहे हैं। उन्हें मुफ्त रेल यात्रा की सुविधा देकर घर वापस भेजने की बजाय किराया वसूला जा रहा है।

राजेंद्र ने कहा कि केंद्र सरकार से कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधीए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समेत सभी प्रमुख कांग्रेस नेताओं ने मजदूरों को निशुल्क ट्रेन यात्रा की सुविधा देने की मांग की लेकिन उनकी मांगों को अनसुना कर दिया गया। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मजदूरों के ट्रेन की टिकट का खर्च प्रदेश कांग्रेस कमेटियों द्वारा वहन करने का निर्णय लिया है। इस स्वागत योग्य निर्णय से एक बार फिर साबित हो गया है कि कांग्रेस शुरू से मजदूरों, किसानों, गरीबों के साथ थी। आज भी है और आगे भी रहेगी।

प्रदेश के भाजपा सांसदों ने राज्य की जनता के लिए क्या किया ?

राजेंद्र ने प्रदेश के भाजपा सांसदों से सवाल करते हुए पूछा है कि कोरोना संकट के कारण प्रदेश में कमजोर आय वर्ग के लोगोंए मजदूरों, कामगारों और किसानों के हित के लिए अब तक उन्होंने क्या किया है। सांसद सरोज पांडेयए विजय बघेल सहित प्रदेस के सभी 11 भाजपा सांसदों ने सांसद विकास निधि से एक.एक करोड़ रुपए पीएम केयर में दिए हैं।

उन्होने कहा कि प्रदेश के गरीबों को भोजन, राशन सामग्री देने के लिए भाजपा सांसदों ने कोई फंड नहीं दिया। यहां के मतदाताओं के वोट से चुने गए भाजपा सांसदों ने क्षेत्र की जनता की फिक्र नहीं की। स्थानीय जनता के हित में पैसा खर्च नहीं किया। विडंबना ये भी है कि भाजपा सांसदों ने अभी तक केंद्र सरकार से राज्य के लोगों के लिए राहत पैकेज की मांग तक नहीं की।

15 साल तक राज करने वाले पूर्व मुख्यमंत्री ने जनहित का ध्यान नहीं रखा ?

राजेंद्र ने आगे कहा कि राज्य की जनता ने डॉ. रमन सिंह को 15 साल तक सत्ता के सिंहासन पर बैठाया। पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह आज भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। केंद्र में भाजपा की सरकार है। डॉ रमन सिंह ने प्रदेश की जनता के हित में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या अन्य केबिनेट मंत्रियों से किसी भी स्तर पर चर्चा तक नहीं की है। कोरोना और लॉकडाउन की परिस्थितियों के बीच उन्होंने राज्य की जनता के हित में कोई योगदान नहीं दिया।

प्राइमरी कांटैक्ट में आने वाले लोगों को किया गया क्वारंटीन

कोरोना पाजिटिव पाए 8 मरीजों का एम्स में उपचार जारी

कंटेनमेंट जोन में सघन स्वास्थ्य परीक्षण

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए जिले में सजगता से मानिटरिंग की जा रही है। रविवार को जांच के पश्चात आठ नागरिकों की कोरोना पाजिटिव की रिपोर्ट आते ही इन्हें उपचार के लिए एम्स रिफर कर दिया गया। इन 8 मरीजों में से 2 मुंबई, एक नागपुर, एक गोंदिया, एक अहमदाबाद, एक सिलीगुड़ी, एक कटक, एक तेलंगाना से अंतर्राज्यीय यात्रा कर लौटे थे। इनमें से सात व्यक्ति ट्रक में ड्राइवर, हेल्पर के रूप में और एक व्यक्ति मुंबई से एक्टिवा ड्राइव करते हुए यहां पहुंचा। जिले में ये जिन स्थानों पर रहे जैसे घासीदास पारा जामुल थाना, आनंद विहार, बोरसी, कुम्हारी वार्ड 10-11 ए ईडब्ल्यूएस हाउसिंग बोर्ड भिलाई को कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया गया है। कंटेनमेंट जोन में प्रभारी अधिकारी एवं पर्यवेक्षण अधिकारियों की नियुक्ति कर दी गई है। कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक पैमाने पर मानिटरिंग की जा रही है तथा रोकथाम के सभी उपायों पर अमल सुनिश्चित किए जा रहे हैं।

कंटेनमेंट जोन के निर्देश

कंटेनमेंट जोन में सभी दुकानें तथा अन्य वाणिज्यिक संस्थान बंद कर दिए गए हैं। प्रभारी अधिकारी द्वारा कंटेनमेंट जोन में घर पहुंच सेवा के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति की जा रही है। कंटेनमेंट जोन अंतर्गत सभी वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध है। मेडिकल इमरजेंसी को छोड़कर अन्य कारणों से घर से बाहर निकलना प्रतिबंधित है। कंटेनमेंट जोन की निगरानी हेतु लगातार पुलिस पेट्रोलिंग की जा रही है। सीएमएचओ द्वारा संबंधित क्षेत्र में स्वास्थ्य की निगरानी एवं निर्देशानुसार सेंपल इत्यादि जांच हेतु लिया सुनिश्चित किया है। यहां प्रवेश एवं निकास की व्यवस्था हेतु बैरीकेडिंग पूरे क्षेत्र की सैनिटाइजेशन व्यवस्था, घरों के एक्टिव सर्विलांस, स्वास्थ्य टीम को एसओपी अनुसार दवा, मास्क, पीपीई किट इत्यादि उपलब्ध कराने तथा बायो मेडिकल अवशिष्ट प्रबंधन की जिम्मेदारी एवं कंटेनमेंट जोन में कार्य कर रहे सभी अधिकारी, कर्मचारियों हेतु आवासी व्यवस्था के निर्देश दिए।

प्रभारी अधिकारी नियुक्त

कंटेनमेंट जोन के प्रभारी अधिकारी. वार्ड 10 कुम्हारी नगर पालिका के लिए सीबी परगनिहा, सहायक अभियंता, वार्ड 11 हेतु सहायक अभियंता डीके कन्नौजे, आनंद विहार बोरसी के लिए अतिरिक्त तहसीलदार उमेश साहू, घासीदास पारा जामुल के लिए योगेंद्र वर्मा नायब तहसीलदार, ईडब्ल्यूएस हाउसिंग बोर्ड भिलाई के लिए जयेंद्र सिंह नायब तहसीलदार को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है। इन सभी जोन में पर्यवेक्षण अधिकारी भी नियुक्त किये गए हैं। कुम्हारी के लिए दिव्या वैष्णव एसडीएम धमधा, आनंद विहार बोरसी और घासीदास पारा जामुल के लिए एसडीएम खेमलाल वर्मा और ईडब्ल्यूएस हाउसिंग बोर्ड भिलाई के लिए इंद्रजीत बर्मन आयुक्त नगर पर्यवेक्षण अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

क्वारंटीन भेजे गए सैंपल

प्राइमरी कांटैक्ट में आए लोगों को किया क्वारंटीन भेजे गए सैंपल पाजिटिव आए 8 व्यक्तियों के प्राइमरी कांटैक्ट में मुख्यतः परिवार के सदस्य एवं जिस आश्रय स्थल पर उन्हें रखा गयाए वह लोग चिन्हांकित किए गए। इनमें इन नागरिकों के परिवार के 40 सदस्य, 5 अन्य व्यक्ति, शिविरों में रह रहे 52 अन्य श्रमिक, यहां ड्यूटी कर रहे 16 शासकीय कर्मचारी एवं 14 स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी शामिल हैं। कैंपों में रहने वाले श्रमिक तथा परिवार के सभी सदस्यों के सैंपल लिए तथा जांच हेतु रायपुर भेजा गया है।

निगम ने आश्रय स्थलों को दवाई छिड़क कर किया सैनिटाइज

दुर्ग। कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण के लिए नगर पालिक निगम द्वारा स्थापित किए गए आश्रय स्थल आदित्य नगर कुशाभाऊ ठाकरे भवन, नया बस स्टैंड रैन बसेरा, जिला अस्पताल रैन बसेरा, मालवीय नगर चौक के पास स्थित आदिवासी हॉस्टल और चंदखुरी गांव के सन स्कूल में आज दवाई का छिड़क कर सभी जगह को सेनिटाईज किया गया। इसके अलावा शहर के अनेक सार्वजनिक जगहों अधिक आवागमन क्षेत्र में भी दवाई का छिड़काव कर क्षेत्र को सेनीटाइज की गई । उल्लेखनीय है कि शासन एवं जिला प्रशासन के आदेश अनुसार महापौर धीरज बाकलीवाल एवं निगम आयुक्त इंद्रजीत बर्मन मार्गदर्शन में निगम द्वारा शहर के प्रत्येक वार्ड में सीकर के माध्यम से दवाई छिड़क कर वादों को सैनिटाइज की जा रही है निगम ने पांच स्थानों पर आश्रय स्थल स्थापित किया है। इन आश्रय स्थलों को संक्रमण से बचाव के लिए दवाई छिड़ककर स्थल को सुरक्षित किया गया। इसके अलावा बोरसी में स्थित आनंद विहार फेस 3 कॉलोनी को पदमनाभपुर पुलिस चौकी, बोरसी हाट बाजार, आमापारा शीतला मंदिर क्षेत्र, आरटीओ कार्यालय, उर्जा विकास विभाग कार्यालय, निगम का डाटा सेंटर, पचरी पारा में अमन यादव लाइन, शीतला नगर संतोषी मंदिर के आसपास क्षेत्र आदि जगहों पर दवाई का छिड़काव कर सेनीटाइज की गई ।

GOVERNMENT OF CHHATTISGARH, QATER RESOURCES DEPARTMENT
OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER
MAHANADI GODAWARI BASIN, RAIPUR (C.G.)
CORRIGENDUM NO. III

System Tender No. 61824 NIT No.22/SAC/2019-20
Following Corrigendum is issud NIT No.22/SAC/2019-20 date 06.03.2020

Description	Previous Published	Read as
1- Bid Due & time (The last date & time for submission of bid response, after which no bids can be submitted)	Date 29.04.2020 (Time 17.30)	Date 13.05.2020 (Time 17.30)
2- Bid open, start date & time (The date of opening of Envelope-A&B (online)	Date 30.04.2020 (Time 11.30)	Date 14.05.2020 (Time 11.30)

All other Terms and condition of NIT will remain unchanged

G-80435/5
Executive Engineer
Water Resource Division, Rajnandgaon
For, Chief Engineer,
Mahanadi Godavari Basin, Raipur (C.G.)

न्यूज गैलरी

विधायक गांवों में बांट रहे राशन

महासमुंद। विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर द्वारा गांवों में पहुंचकर जरूरतमंदों को सब्जियों के साथ ही राशन सामान वितरित किया जा रहा है। इसी तारतम्य में रविवार को ग्राम चोरभट्ठी, सोरिद, बनसिवनी, कौंदकेरा, आमाझोला, पेंड्राडीह व परसापानी में राशन सामान व हरी सब्जी का वितरण किया गया। इस दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष भागीरथी चंद्राकर व दिलीप चंद्राकर प्रमुख रूप से मौजूद थे। इस दौरान विधायक चंद्राकर ने कहा कि क्षेत्र के हर जरूरतमंद व्यक्ति को सब्जियों के साथ ही राशन का सामान मुहैया करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस किसी को भी राशन की जरूरत हो वह उनसे जिला प्रशासन से सीधा संपर्क कर सकते है। साथ ही उन्होंने शहर की सभी सामाजिक, राजनीति व धार्मिक संस्थाओं से अपील की है कि वह इस संकट की घड़ी में जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए आगे आएं।

महिला रोजगार सहायक की पिटाई, 4 के खिलाफ जुर्म दर्ज

महासमुंद। रोजगार सहायक को पीटने वाले 4 आरोपियों के खिलाफपुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों के खिलाफभारतीय दंड विधान की धारा 294, 506, 323, 186, 332, 353, 354, 34 के तहत अपराध दर्ज कर पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना पिथौरा ब्लॉक के ग्राम पंचायत डोंगरीपाली में 30 अप्रैल सुबह 8 बजे की है। ग्राम पंचायत की रोजगार सहायक रेखा साहू मनरेगा योजना से स्वीकृत दुतिया बरिहा के खेत में भूमि सुधार कार्य करा रहीं थीं तभी ललित मुखर्जी, चम्पत यादव, सरपंच पति सुरेश बरिहा और गजानंद साहू कार्यस्थल पर पहुंचकर रोजगार सहायक के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। पीड़िता ने मामले की शिकायत पिथौरा थाने में दर्ज कराई, लेकिन उसकी शिकायत नहीं ली गई पीड़िता ने इस मामले की लिखित शिकायत गृहमंत्री, सांसद, कलेक्टर, एसपी सहित अन्य आला अधिकारियों से की थी।

रक्तदान करने अपील

महासमुंद। भाजपा नेता डॉ. विमल चोपड़ा ने लोगों से अस्पतालों के ब्लड बैंक में हुई रक्त की कमी को देखते हुए रक्तदान करने अपील की है। भाजपा के कार्यकर्ता 5 मई को जिला अस्पताल में रक्तदान करेंगे। डॉ. चोपड़ा ने भाजपा के कार्यकर्ताओं से 5 मई को 11 से 2 बजे के मध्य शासकीय अस्पताल में उपस्थित होने कहा है। इस दिन लगभग 50 यूनिट ब्लड भाजपा के 50 कार्यकर्ता दान करेंगे।

शादी के लिए बनाया दबाव तो कर ली खुदकुशी

महासमुंद। बागबाहरा के शांतिनगर निवासी जितेंद्र कुमार पिता विरेंद्र (35) ने बीते माह आत्महत्या कर ली थी। घटनास्थल पर मिले सुसाइड नोट और मर्ग जांच के बाद पुलिस ने एक युवती के खिलाफअपराध दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक 6 अप्रैल को जितेंद्र ने घर में अपने कमरे में फांसी लगा ली। परिजनों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। मृतक के कमरे में कूलर के ऊपर एक कागज मिला। जिसमें उन्होने वार्ड 8 निवासी मंदारो बघेल को आत्महत्या करने की वजह बताया। सुसाइट नोट में कहा कि मंदारो द्वारा बार-बार शादी के लिए दबाव डालने से वह काफी परेशान हो गया।

पिता-पुत्र ने की युवक की पिटाई

महासमुंद। तेंदूकोना थाना क्षेत्र के सम्हर में पिता-पुत्र ने मिलकर युवक की पिटाई कर दी। पंचन पिता कंवर सिंह मरार के मुताबिक शनिवार सुबह 6 बजे गांव के लेखराम पटेल और उसके पिता धरम पटेल ने गाली गलौज करते हुए उनके साथ मारपीट की। पुलिस ने उक्त पिता-पुत्र के खिलाफधारा 294, 323, 506/34 के तहत अपराध दर्ज किया है।

चोरी के आरोप में 3 गिरफ्तार, 79 हजार बरामद

महासमुंद। पुलिस ने चोरी के आरोप में 3 युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक चोरों ने एक दिन पहले दुकान को निशाना बनाकर सवा लाख रुपए नगदी पार कर दी। एक ही दिन में नशा करने, उधार चुकाने और खर्च करने में करीब 30 हजार रुपए उड़ाने के बाद नई गाड़ी खरीदने की चाहत ने तीनों जेल की सीखचों के पीछे पहुंचा दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि सुभाष नगर निवासी आरोपी कस्तूरबा उर्फचंदवा सिन्हा (19), दुर्गेश साहू (20), संजय ध्रुव (20) चोरी के बाद से इधर-उधर खर्च कर रहे थे। रविवार को कस्तूरबा ने नई गाड़ी खरीदने की बात कही। इसकी सूचना मुखबिर के माध्यम से पुलिस को मिली जिसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। इस दौरान कस्तूरबा ने चोरी की बात कबूल की। उसने पुलिस को बताया कि चोरी में उसके साथ उसके दो अन्य साथी भी शामिल थे।

40 हजार किसानों को मिला 63.16 करोड़ रुपए का फसल बीमा

महासमुंद। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत खरीफ वर्ष 2019 में महासमुंद जिले के 40 हजार 930 कृषकों को 63 करोड़ 16 लाख रूपए का फसल बीमा दावा स्वीकृत किया गया है तथा उक्त कृषकों के बैंक खातों में राशि अंतरित कर दी गई है। कृषि विभाग के उप संचालक एसआर डोंगरे ने कहा कि किसान संबंधित बैंक या संस्था से प्रविष्टि कर इसकी पुष्टि करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व में अऋणी किसानों के लिए फसल बीमा कराना ऐच्छिक था। अब ऋणी व अऋणी दोनों प्रकार के किसानों के लिए फसल बीमा कराना ऐच्छिक है, परंतु मौसम के अनिश्चितता एवं विपरीत परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए फसल उत्पादन में होने वाले नुकसान से बचने के लिए फसल बीमा एक उत्तम माध्यम है, जिससे कि फसल क्षतिपूर्ति का फायदा कृषकों को मिल सके।

मिसाल: महिलाओं ने बनाएं दो लाख 45 हजार 174 मास्क

नवप्रदेश संवाददाता

राजनांदगांव। राजनांदगांव की बिहान की महिलाओं ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और मजबूत इरादों से सफलता की गाथाएं लिखी है। शासन की बिहान योजना से उनकी परवाज को पंख मिले। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' योजना के तहत जिले भर की हुनरमंद महिलाओं ने स्व सहायता समूह के माध्यम से अपनी आजीविका के लिए हिम्मत, मेहनत एवं लगन से एक अलग ही मुकाम हासिल किया। कहीं वे ई-रिक्शा चला रही हैं, तो कहीं ईट निर्माण कर रही हैं, तो कहीं बाड़ी में सब्जी उत्पदान कर रही है कहीं सेनेटरी नेपकीन का निर्माण भी कर रही है और कहीं बैंक सखी के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाएं प्रदान कर रही है। कोरोना वायरस कोविड-19 के संक्रमण के कारण लॉकडाउन के दौरान महिलाओं ने बड़ी संख्या में 2 लाख 45 हजार 174 मास्क का निर्माण किया। साथ ही इस कठिन परिस्थिति में भी बिहान की 117 महिलाओं द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक सखी के रूप में कार्य करते हुए 25 मार्च से 2 मई

2020 तक कुल 36 हजार 239 ट्रांजेक्शन करते हुए 6 करोड़ एक लाख 57 हजार 131 रूपए का लेन-देन किया। यह महिलाओं के सशक्तिकरण की मिसाल है।

कलेक्टर जयप्रकाश मौर्य के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तनुजा सलाम के दिशा-निर्देश में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत जिले के ग्रामीण आदिवासी एवं सुदूर अंचलों में भी महिलाएं इस योजना के तहत सशक्त बन रही है। जिले में कुल 17 हजार 558 स्व सहायता समूह का गठन किया जा चुका है। समाजिक समावेशन एवं संस्थागत ढांचा निर्माण के तहत कुल 1084 ग्राम संगठन एवं 36 संकुल स्तरीय संगठन का गठन किया गया है। जिन्हें लेखा-जोखा कार्य का भी प्रशिक्षण दिया गया है। स्व सहायता समूह के संचालक एवं सफल क्रियान्वयन के लिए वित्तीय तरलता प्रदान करने की पर्याप्त कोशिश की गई, जिसके अंतर्गत इस वित्तीय वर्ष 2019-20 में स्व सहायता समूहों को प्रति समूह 15 हजार रूपए की दर से कुल 1582 समूहों को चक्रीय निधि की राशि प्रदाय की गई तथा कुल 1214 स्व सहायता समूह को 60 हजार रूपए प्रति समूह की दर से सामुदायिक निवेश कोष की राशि प्रदाय की गई। इस प्रकार योजना के प्रारंभ से अब तक कुल 11 हजार 382 स्व सहायता समूह को चक्रीय निधि एवं कुल 5 हजार 776 समूहों को सामुदायिक निवेश निधि की राशि प्रदाय की जा चुकी है।

अन्य राज्यों से आने वाले श्रमिकों के लिए जिला प्रशासन द्वारा की गई कारगर व्यवस्था

- रैन बसेरा बना श्रमिकों का आश्रय स्थल
- सुरक्षा के मद्देनजर अतिसंक्रमित क्षेत्र में किया गया प्रवेश प्रतिबंधित

नवप्रदेश संवाददाता

राजनांदगांव। राजनांदगांव की सीमा महाराष्ट्र बार्डर से लगी हुई है और निरंतर महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, मध्यप्रदेश, ओड़िशा एवं अन्य राज्यों की आवाजाही होने के कारण कोविड-19 से बचाव के लिए जिला प्रशासन के द्वारा कारगर कदम उठाए जा रहे हैं। कलेक्टर जयप्रकाश मौर्य बागनदी बार्डर सीमा का निरीक्षण कर रहे हैं और श्रमिकों के स्वास्थ्य संबंधित परीक्षण के लिए मेडिकल टीम को उन्होंने निर्देश दिया है। कलेक्टर श्री मौर्य ने रैन बसेरा एवं अन्य स्थानों में लगातार निरीक्षण कर अधिकारियों-कर्मचारियों को कोविड-19 से संबंधित सावधानी को अपनाने के लिए निर्देश दे रहें है। अन्य राज्यों से आने वाले श्रमिकों को रैन बसेरा में

रूकने, आवास एवं नाश्ते व भोजन की व्यवस्था की गई है। अतिसंक्रमित क्षेत्र प्रवेश निषेध का बोर्ड भी नागरिकों के लिए लगाया गया है। जहां सुरक्षा के मद्देनजर बाहर से आने वाले श्रमिकों को छोड़कर अन्य नागरिकों का प्रवेश प्रतिबंधित किया गया है। कलेक्टर ने कहा कि कोई भी श्रमिक अन्य राज्यों से आने पर पंचायत, नगरीय निकाय एवं स्वास्थ्य विभाग में तत्काल दें। सूचना नहीं देने पर अन्यथा किसी अन्य माध्यम से सूचना पता चलने पर एफआईआर दर्ज की जाएगी। अब तक रैन बसेरा में 669 श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथलेश चौधरी ने कहा कि बाहर से आने पर नागरिक स्वफूर्त ढंग से अपने आने की सूचना दें अन्यथा उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अन्य राज्यों से आने वाले श्रमिकों को तुरंत आने पर नाश्ता प्रदान किया जा रहा है। उन्हें एक के बाद एक दूरी रखते हुए भेजा जा रहा है। इसके लिए पंजी संधारित की गई है और नगर निगम अधिकारियों को 24 3 7 घंटे ड्यूटी लगाई गई है।

सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह का आयोजन संपन्न

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड राजनांदगांव क्षेत्र के मुख्य अभियंता कार्यालय में पदस्थ कल्याण अधिकारी अशोक कुमार पिल्लई एवं वरिष्ठ लेखाधिकारी कार्यालय में पदस्थ श्रीमती ए. हेमलता के सेवानिवृत्ति पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन कर भावभीनी विदाई दी गई। श्री पिल्लई एवं श्रीमती ए. हेमलता ने मध्यप्रदेश विद्युत मंडल, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल एवं सीएसपीडीसीएल में संयुक्त रूप से क्रमशः 42 व 41 वर्षो तक अपनी सेवाएं दी। उन्हें राजनांदगांव क्षेत्र के मुख्य अभियंता टीके मेश्राम द्वारा स्मृति चिन्हए उपहार एवं प्रमाण पत्र देकर भावभीनी विदाई दी गई।

इस अवसर पर मुख्य अभियंता टीके मेश्राम ने कहा कि विद्युत कंपनी के सेवाकाल में सेवानिवृत्त होना एक स्वभाविक प्रक्रिया है। कंपनी के सेवाकाल में हमारे ये दोनों अधिकारी समय के पाबंद रहे और अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन बखुबी से किया। इस विदाई समारोह में पिल्लई एवं श्रीमती ए. हेमलता ने अपने सेवाकाल का विवरण देते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

शासकीय कार्यालयों का संचालन शुरू

गरियाबंद। नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण को नियत्रित करने हेतु घोषित लॉकडाउन होने के कारण शासकीय कार्यालयों में कार्य संपादित नहीं हो रहा था। वर्तमान परिस्थिति में सुरक्षात्मक उपायों को अपनाते हुए लोक सेवाओं के प्रदाय हेतु गरियाबंद जिले में समस्त शासकीय कार्यालयों का संचालन 4 मई से प्रारंभ किया जायेगा। कलेक्टर श्री श्याम धावड़े ने जिले के सर्व कार्यालय प्रमुख, सर्व अनुविभागीय अधिकारी , सर्व जनपद सीईओ और नगरीय निकायों के सीएमओ को इस आशय के परिपत्र जारी कर कार्यालय संचालन के दौरान नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव हेतु निर्देशों का पालन करना सुनिश्चित करने कहा है। उन्होंने अवगत कराया है कि यह निर्देश समस्त शासकीय कार्यालयों एवं विभागों के अंतर्गत निगम/ मंडल/ आयोग एवं अन्य प्रशासकीय ईकाइयों पर लागू होगी।

कहां खड़े हैं छत्तीसगढ़ के यह लोग... इन्हें राशन नहीं शराब की ज्यादा जरूरत

- राशन दुकान खाली, मदिरा दुकानों में लगी है लंबी कतार
- सोशल डिस्टेंश की उड़ रखी धज्जियां

राजनांदगांव। कहां खड़े है छत्तीसगढ़ के यह लोग, इन्हें राशन नहीं शराब की ज्यादा जरूरत! जी हां आज से शुरू हुई शराब दुकानों का नजारा देखने लायक था। पहले लाक डाउन से बंद हुई शराब दुकाने तीसरे लाक डाउन में खुली, यादि लगभग डेढ़ माह बाद। इस नजारे को देखने से ऐसा लग रहा है, मानों छत्तीसगढ़ इन लोगो को राशन से ज्यादा जरूरत शराब की है। इसलिए तो लाक डाउन के दौरान किसी भी राशन, किराना या आवश्यक वस्तुओं की दुकानों इतनी भीड़ कभी देखने को नहीं मिली, जितनी आज सुबह शराब दुकान खुलने से लेकर बंद होने तक देखने को मिली है। इससे तो यह ही लगता है कि छत्तीसगढ़वासियों को राशन से ज्यादा जरूरत शराब की है।

केंद्र की गाईड लाइन के बाद छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार द्वारा लाक डाउन के तीसरे चरण में एक फैसला लेते हुए यह निर्णय लिया गया है कि छत्तीसगढ़ में शराब दुकाने खोली जाएगी। शराब दुकाने खोलने से पहले सभी आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए गए. जिसमें सोशल डिस्टेंश से लेकर सेनेटाईजर का उपयोग, मास्क लगाने की सलाह दी गई है। लेकिन आज शराब दुकान खुलने से पहले ही शराब प्रेमियों की लंबी कतार शराब दुकान के बाहर देखने को मिली। जहां सोशल डिस्टेंश की धज्जियां तो उड़ ही रही थी। इससे साथ ही साथ धारा 144 का खुलेआम उल्लंघन देखने को मिला। ऐसा लग रहा था कि लोगों को शराब की अति आवश्यकता है, राशन की नहीं तभी तो ये लोग राशन खरीदने नही बल्कि शराब खरीदने सुबह से कतार में खड़े हुए थे। इस भीड़ को देखकर साफ जाहिर हो रहा है कि छत्तीसगढ़ वासियों को शराब की ज्यादा जरूरत है। इसी को देख ते हुए शायद सरकार ने यह फैसला लिया है। यदि शराब दुकानों में ऐसी ही स्थिति बनी रही और कोई कोरोना संक्रमित यहां आया तो जल्द ही जिले में कोरोना संक्रमण फैलने से कोई नहीं रोक सकेगा और स्थिति भयावाह होगी।

गरियाबंद जिले में लॉकडाउन के दौरान सुबह 8 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक दुकानें खुलेगी

गरियाबंद। देश में लॉकडाउन की अवधि 17 मई तक के लिए बढ़ा दिया गया है। इस दौरान जिले में कुछ शर्तो के साथ सेवाओं को खुले रहने की अनुमति दी गई है। भारत शासन के गृह मंत्रालय और राज्य शासन के दिशा-निर्देशों का जिले में पालन के संबंध में आज शाम कलेक्टर श्याम धावड़े की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक बी.आर. पटेल की मौजुदगी में अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में लॉकडाउन अवधि में गरियाबंद जिले में धार्मिक स्थल, जिम, सेलून, होटल-रेस्टोरेंट, शॉपिंग मॉल, सिनेमा घर को छोड़कर शेष सभी अन्य दुकानें सुबह 8 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक खुली रखने का निर्णय लिया गया है। इसी प्रकार शराब दुकान सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक खुलेगी। इस दौरान दुकानों में सोशल डिस्टेंसिंग, सेनिटाईजर का उपयोग, हेण्डवॉश, मास्क का उपयोग तथा शासन द्वारा निर्धारित निर्देशों का गंभीरता से पालन सुनिश्चित किया जायेगा। लॉकडाउन के दौरान अंतर्राज्यीय आवागमन, स्कूल, कॉलेजों सहित अन्य शैक्षिक और प्रशिक्षण/कोचिंग संस्थानों का संचालन/गतिविधियां बंद रहेगी। सभी गैर जरूरी गतिविधियों के लिए शाम 7 बजे से सुबह 7 बजे के बीच लॉकडाउन के दौरान कड़ाई से प्रतिबंधित रहेगा। सार्वजनिक स्थानों पर शराब, पान, गुटखा आदि वर्जित है। ग्रामीण क्षेत्रों में शॉपिंग मॉल के अलावा अन्य सभी दुकानें खुली रहेगी।

गांजा परिवहन करते दो गिरफ्तार

छुरा। पीपरछेड़ी थाना क्षेत्र को ग्राम कनफड़ में साढ़े चार किलो गांजा कीमती करीबन 22,500/-रू0 के साथ दो आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। थाना प्रभारी पीपरछेड़ी उप निरीक्षक सुमन लाल पोया को मुखबीर से सूचना मिला था कि दो व्यक्ति मोटर सायकल एच.एफडिलक्स क्रमांक सीजी 04 एमडी 8949 में गांजा बेचने के लिए उडीसा से ग्राम कनफड़ लेकर आ रहा है। सूचना पर उप निरीक्षक सुमन लाल पोया द्वारा वरिष्ठ अधिकारी को अवगत कराया गया। जिसके बाद गरियबांद पुलिस अधीक्षक श्री भोजराम पटेल के दिशा निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सुखनंदन राठौर के मार्गदर्शन तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस गरियाबंद श्री संजय ध्रुव के पर्यवेक्षण में उप निरीक्षक सुमन लाल पोया द्वारा रेड कार्यवाही हेतु हमराह स्टाफ मय विवेचना कीट के मुखबीर सूचना तस्दीकी हेतु रवाना हुए। घटना स्थल कछारपारा स्कूल पास ग्राम कनफड़ पास मुखबीर द्वारा बताये मोटर सायकल को रोक कर एनडीपीएस एक्ट में निहित प्रावधानों का पालन करते हुए विधिवत कार्यवाही कर आरोपी 01. गुलाब भुंजीया तथा 02. ईवर भुंजीया के द्वारा एक सफेद रंग की प्लास्टिक बोरी में रखे मादक पदार्थ गांजा कुल 4.500 कि ग्रा व मोटर सायकल एच. एफ डिलक्स क्रमांक सीजी 04 एमडी 8949 को समक्ष गवाहान के जप्त कर आरोपीयान का कृत्य धारा 20(ख) नारकोटिक एक्ट का पाये जाने पर अपराध पंजीबद्ध कर न्यायिक रिमाण्ड में पेश किया गया।

छत्तीसगढ़ में भी झारखंड की तरह 17 मई तक पूर्ण लॉकडाउन में किसी प्रकार की छूट नहीं दी जानी चाहिए

छुरा। छत्तीसगढ़ जनपद सदस्य संघ के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष श्री डेमन प्रसाद सिन्हा के अनुसार छत्तीसगढ़ में भी झारखंड की तरह 17 मई तक पूर्ण लॉकडाउन में किसी प्रकार की छूट नहीं दी जानी चाहिए था। क्योंकि हमारे श्रमिक भाई-बहन, छात्र-छात्राएं एवं अन्य लोग विभिन्न राज्यों से अपने घर आ रहे हैं। इसलिए एहतियात के तौर पर छत्तीसगढ़ राज्य में भी अगले 2 हफ्तों तक लॉकडाउन लागू रहना था। केंद्र सरकार द्वारा लॉकडाउन में छूट को लेकर दिए गए नए निर्देश को फिलहाल छत्तीसगढ़ में लागू नहीं होने देना था।क्योंकि हमारे मजदूर भाई-बहन और छात्र अन्य राज्यों

से लौट रहे हैं। इन दिनों बाहर से छात्र, श्रमिक एवं अन्य लोग वापस आ रहे हैं। ऐसे में कोरोना वायरस के संक्रमण के बढ़ने का खतरा ज्यादा है। इसी वजह से एहतियात के तौर पर छत्तीसगढ़ सरकार को भी 17 मई तक पूर्ण लॉक डाउन रखने का फैसला करना था।छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्री टी0एस0सिंहदेव जी ने भी करोना के विरूद्ध लंबी लड़ाई के लिए तैयार रहने को कहा है।

छुरा बीईओ को कारण बताओ नोटिस

छुरा। विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी छुरा अंतर्गत स्थित विद्यालयों में क्वारेंटीन सेन्टर के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी छुरा को निर्देशित किया गया था द्य परन्तु आज 3 मई तक अनुविभागीय अधिकारी (रा0) गरियाबंद निर्भय साहू जी के निरीक्षण में बिना पूर्व सूचना और बिना अनुमति के अनुपस्थित पाये गये। अनुविभागीय अधिकारी(रा0) गरियाबंद के द्वारा आज क्वारेंटीन सेन्टर के रूप में चिन्हित विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण किया गया, जिसमें कई विद्यालय बंद पाये गये एवं क्वारेंटीन सेन्टर के रूप में वहाँ कोई भी व्यवस्था नही पायी गयी। वर्तमान में पूरा देश कोरोना वायरस संबंधी संकमण के रोकथाम के संबंध में अत्यंत गंभीर है। तहसीलदार राकेश साहू जी ने बताया कि इन आपातकालीन परिस्थितियों में भी इन अधिकारी द्वारा बिना सूचना/ अनुमति के अपने कार्य में अनुपस्थित पाए गए। इनके द्वारा छ्श्ग0 सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 03 (सामान्य) के (दो) सत्यनिष्ठा और कर्तव्य परायणता के विपरीत होने एवं इनके द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 एवं महामारी अधिनियम 1897 के विभिन्न प्रावधानों का भी उल्लंघन किया गया है । उक्त अधिनियमों / नियमों का उल्लंघन करने के कारण विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी छुरा को कारण बताओ नोटिस जारी कर 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण चाहा गया है।

सावधानी बागबाहरा विकासखंड में आइसोलेशन सेंटर 239 ग्राम में और तीन नगर में

बाहर से आए नागरिकों को गांव से बाहर कर रहे आइसोलेट

महासमुंद। कोरोना वायरस (कोविड-19) की रोकथाम के लिए बाहर से आए नागरिक, प्रवासी श्रमिकों सहित अन्य लोगों के लिए आइसोलेशन सेंटर बनाने के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुनील कुमार जैन ने सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को निर्देश दिए हैं। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बागबाहरा भागवत प्रसाद जायसवाल ने बताया कि बागबाहरा अनुविभाग के अंतर्गत सभी गांव में बस्ती से दूर एक शासकीय भवन को आइसोलेसन

सेंटर के रूप में चिन्हित किया गया है। इनमें 239 आइसोलेशन सेंटर गांव में तथा तीन नगर में बनाए गए हैं। लॉक डाउन के दौरान बाहर से आने वाले सभी नागरिकों को सर्वप्रथम मेडिकल चेकअप के पश्चात इन भवनों में क्वॉरेंटाइन पर रखा जाता है। इसके लिए ग्राम स्तर पर सरपंच सचिव आंगनबाड़ी मितानिन और कोटवार उन्हें इन कार्यों के लिए सहमत करते हैं। उन्होंने बताया कि उनकी असहमति की स्थिति में उन्हें वहां रहने के लिए समझाईश दी जाती है या फिर तहसील के कंट्रोल रूम में सूचना दी जाती है। सूचना उपरांत अनुविभाग एवं पुलिस की टीम सहित वहां जाकर उन लोगों को आइसोलेट भवनों में रहने के लिए निर्देशित किया जाता है अन्यथा संक्रमण संबंधी सरकारी नियमों के उल्लंघन होने पर एफआई आर दर्ज करने की नोटिस दी जाती है। इन भवनों में रहने वाले आइसोलेट नागरिकों के लिए मूलभूत सुविधाएं पंचायत से उपलब्ध कराई जाती है तथा उनके घर वालों के द्वारा भी सामग्री उपलब्ध कराई जाती है।

साढ़े तीन लाख मास्क का निर्माण, अंतर्राज्यीय आपूर्ति और 50 लाख का व्यवसाय

■ **संकट में कोरोना योद्धाओं की तरह मास्क निर्माण कर रहीं कोरिया की बहनें- तूलिका**

नवप्रदेश संवाददाता

बैकुण्ठपुर। इस महामारी में कोरोना के खिलाफकेवल कोरोना योद्धा ही मैदान में नहीं हैं बल्कि एक ऐसी फौज भी है जो परदे के पीछे रहकर इन योद्धाओं के कंधे से कंधा मिलाकर अपना काम तेजी से कर रही है। कोरिया जिले के महिलाओं की यह टीम अब तक साढ़े तीन लाख मास्क बनाकर न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि मध्यप्रदेश में भी आम नागरिकों की सुरक्षा का प्रमुख साधन सप्लाई कर चुकी हैं। इससे जिले में सभी व्यक्तियों तक सुरक्षा का प्राथमिक उपकरण उपलब्ध हुआ है वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत महिलाओं ने 50 लाख रूपए से ज्यादा का व्यवसाय भी अर्जित किया है। इस कार्य विशेष के बारे में जानकारी देते हुए जिला पंचायत की मुख्यकार्यपालन अधिकारी तूलिका प्रजापति ने बताया कि जिले की महिलाओं ने कोरोना के समस्त योद्धाओं को यह मास्क निशुल्क वितरित किया है। प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, नगर सेना व पुलिस तथा शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई से जुड़े 2 हजार 124 योद्धाओं को यह मास्क निशुल्क वितरण किया गया है। मास्क की मांग को देखते हुए सभी स्तरों पर आपूर्ति के लिए जिले में महिलाओं के स्वसहायता समूहों के माध्यम से मास्क बनाने का काम एक मिशन की तरह चलाया जा रहा है। इस अभियान में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन

की टीम लगातार काम कर रही है।

जिले में महिलाओं के स्व सहायता समूहों द्वारा अब तक 3 लाख 50 हजार से ज्यादा मास्क का निर्माण किया गया है। इस कार्य में जिले के अलग अलग क्षेत्रों में 80 स्व सहायता समूहों की 250 से ज्यादा महिलाएं निरंतर कार्य कर रही हैं। जिले की इन महिलाओं के समूहों द्वारा औसतन लगभग 10 हजार मास्क प्रतिदिन बनाए जा रहे हैं। अब तक 3 लाख 50 हजार 621 मास्क बनाए जा चुके हैं जिनमें से 3 लाख 33 हजार मास्क बेचे गए हैं। इस व्यवसाय से महिलाओं के समूह को 50 लाख 62 हजार 995 रूपए भी प्राप्त हो चुके हैं। समूह की महिलाओं द्वारा कोरिया जिले के सभी शासकीय विभागों, बाजारों के अतिरिक्त मध्यप्रदेश के जयसिंहनगर, शहडोल, कुसमी और सीधी जिले में एक लाख मास्क सप्लाई किए जा चुके हैं। अभी दूसरे राज्य और जिलों में मास्क की आपूर्ति का कार्य और भी प्रगतिरत है।

जिले में स्वसहायता समूह की महिलाओं द्वारा आपूर्ति किए गए विभागों में प्रमुख रूप से महात्मा गांधी नरेगा के श्रमिक हैं जिन्हे जनपद पंचायतों के माध्यम से 60 हजार से ज्यादा मास्क उपलब्ध कराया गया है। साथ ही वन विभाग के दोनो वनमंडलों को मिलाकर अब तक एक लाख 20 हजार मास्क की आपूर्ति की गई है। इसके अतिरिक्त विद्युत मंडल, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग को भी दो दो हजार मास्क की आपूर्ति की गई है। क्षेत्र के विभिन्न सम्मानीय जनप्रतिनिधियों के द्वारा समूहों से लगभग 30 हजार मास्क खरीदे गए हैं। इसके अतिरिक्त महिला एंव बाल विकास विभाग, सभी बैंक, व्यवसायी, दवा दुकान, समाजसेवी संस्थाओं ने भी बड़ी मात्रा में मास्क की खरीदी की है। मास्क निर्माण के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए जिला पंचायत सीईओ तूलिका ने बताया कि जैसे ही लाकडाउन जारी हुआ मास्क की आवश्यकता तेजी से बढ़ने लगी। ऐसे में बाजार मे इसकी आपूर्ति बंद होने से विकट स्थिति सामने आने लगी।

15 किलो गांजा जब्त, युवक गिरफ्तार

महासमुंद। पुलिस अधीक्षक महोदय श्री प्रफुल्ल कुमार ठाकुर के निर्देशानुसार व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदया श्रीमति मेघा टेम्भुरकर तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस श्री विकास कुमार पाटले के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सुश्री वीणा यादव और उनकी पुलिस टीम द्वारा कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण की रोकथाम हेतु लाकडाउन पेट्रोलिंग के दौरान दिनांक 03/05/2020 को स्कूल के सामने पझरापाली रोड ग्राम भालूकोना के पास ओड़िसा की ओर से आ रही संदिग्ध एक्टिवा गाड़ी क्रमांक ष्ट्त04 04 स्ब्ध 1741वाहन में सवार आरोपी कान्हा साहू पिता उग्रसेन साहू उम्र 29 वर्ष निवासी दुधीपाली थाना बसना जिला महासमुंद* को रोककर चेक करने पर एक्टिवा वाहन के सामने पैर दानी के पास जूट की बोरी के अंदर 15 पैकेट टेप से पैकिंग किया गया मादक पदार्थ गांजा वजन 15 किलो 500 ग्राम गांजा बाजार कीमत 108500/- रुपये रखे मिला उक्त गांजा एवं एक्टिवा वाहन क्रमांक CG 04 ME 1741 कीमती 40000/- जुमला कीमती 148500/- रुपए को जप्त कर आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 204/2020 धारा 20(ख) NDPS एक्ट कायम कर आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया ।

बेमेतरा जिले की देशी एवं विदेशी मदिरा दुकान सुबह 10 से शाम 07 बजे तक

बेमेतरा/साजा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी बेमेतरा शिव अनंत तायल ने नोवल कोरोना वायरस संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुए मदिरा दुकानों के संचालन के संबंध में जिले में छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड के द्वारा संचालित समस्त देशी मदिरा सी.एस.2(घघ) की दुकानें, विदेशी मदिरा एफएल.(घघ) की दुकानें एवं मद्य भण्डारण भाण्डागार को सोमवार 04 मई 2020 से समय सबेरे 10 बजे से सायं 07 बजे तक शासन द्वारा जारी निर्देशों को पालन करते हुए एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए खोलने की आदेश जारी किया।

उत्कृष्ठ खिलाड़ियो से आवेदन आमंत्रित

बेमेतरा/साजा । खेल एवं युवा कल्याण विभाग संचालनालय के निर्देशानुसार उत्कृष्ठ खिलाड़ियों से आवेदन आमंत्रित है आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 18 मई 2020 होगी खिलाड़ी अपने आवेदन जिला कार्यालय बेमेतरा अथवा सीधे संचालनालय में जमा कर सकेंगे। आवेदन का प्रारूप 222.ह्यश्चश्हह्लह्य42.ष्द्द.द्दश1.द्बठ्ठ से डाउन लोड कर सकतें हैं।

बेमेतरा जिले में कोरोना वायरस संक्रमण से संबंधित सोशल मीडिया की खबरें भ्रामक

बेमेतरा/साजा। बेमेतरा जिले मे बीती रात से कोरोना वायरस से संक्रमित एक-दो व्यक्तियों के पाये जाने के संबंध मे सोशल मीडिया मे प्रसारित खबरें निराधार एवं भ्रामक है। जिले के मुख्यचिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा.एस के शर्मा ने बताया कि कोरोना वायरस से संक्रमित अबतक एक भी प्रकरण जिले मे नही पाया गया है। कोराना वायरस के संक्रमण से बचने के लिए जिला प्रशासन द्वारा एंहतियात के तौर पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। सीएमएचओ डॉ. शर्मा ने आम नागरिको से अफ्वाहों पर ध्यान नही देने की अपील की है।

शराब दुकान बंद कराने व्यापारीयों ने सौंपा ज्ञापन

कवर्धा। चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज जिला कबीरधाम ने जिलाधीश को ज्ञापन सौंपकर जिले में शराब दुकान बंद कराए जाने की मांग की है। चेंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के द्वारा कहां गया कि देशव्यापी महामारी कोरोना वायरस देश का कोई भी हिस्सा अछूता नहीं है एवं इसके बचाव के लिए हर वर्ग के लोग मद्द भी कर रहे हैं। कोरोना वायरस को मात देने हर वर्ग ने अपनी अभूतपूर्व भूमिका अदा कर रहे है। चेंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के जिलाध्यक्ष महावीर जैन ने कहा कि व्यापारी वस्तुओं की पूर्ति में एक और स्वयं को खतरे में डालकर आम जनों को जीवन उपयोगी सामग्री उपलब्ध कराने व्यापारी वर्ग लगा हुआ है। वहीं दूसरी ओर बहुत से व्यापारियों ने नियम का पालन करते हुए अपने प्रतिष्ठानों को बंद भी रखा है। साथ ही शारीरिक दूरी बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाई जा रही है।

देशी एवं विदेशी मदिरा दुकाने सुबह 8 से शाम 4 बजे तक खुलेगी

कवर्धा। कलेक्टर ने नोवल कोरोना वायरस संक्रमण को .ष्टिगत रखते हुए मदिरा दुकानों के संचालन के संबंध में दिशा निर्देश के संबंध में जिले में छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड के द्वारा संचालित समस्त देशी मदिरा सी.एस.2(घघ) की दुकानें, विदेशी मदिरा एफएल.(घघ) की दुकानें एवं मद्यभंडारण भाण्डागार को 4 मई 2020 से समय सबेरे 8 बजे से सायं 6 बजे तक शासन द्वारा जारी निर्देशों को पालन करते हुए खोलने की आदेशित किया था। इस आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए रेंगाखार में 6 नये मरीज पॉजिटिव केस पाये जाने के फ्लस्वरूप आगामी आदेश पर्यन्त जिला कबीरधाम की देशी मदिरा सी.एस.2(घघ) की दुकानें, विदेशी मदिरा एफएल.(घघ) की दुकानें एवं मद्यभंडारण कवर्धा को 4 मई 2020 से समय सबेरे 8 बजे से शाम 4 बजे तक शासन द्वारा जारी निर्देशों को पालन करते हुए खोलने हेतु ओदिशत किया है।

उज्ज्वला योजना के 80 हजार हितग्राहियों का अब तक नहीं हुआ सिलेंडर रिफिलिंग

नवप्रदेश संवाददाता

कोरबा। जिले में उज्ज्वला योजना के तहत एक लाख 34 हजार हितग्राहियों ने गैस सिलेंडर लिया था। इन हितग्राहियों को शासन से राशि प्रदान की जाती है। बताया जा रहा है कि लॉकडाउन अवधि में लोगों के घर में चूल्हा जलता रहे, इसलिए अप्रैल माह में 833.50 रुपये सभी हितग्राहियों के खाते में डाले गए थे। पूरा माह बीत गया, पर अभी तक सिर्फ 46 हजार हितग्राहियों ने ही सिलेंडर रिफिलिंग कराया। पिछले एक वर्ष से हो रहे रिफिलिंग पर नजर डाली जाए, तो इस दौरान लगभग 45 हजार लोग ही रिफिलिंग कराते रहे हैं और राशि मिलने के बाद केवल एक हजार अधिक हितग्राहियों ने ही रिफिलिंग कराई। अभी तक यह आरोप लगाया जाता रहा है कि हितग्राहियों को सिलेंडर बुक कराने के लिए राशि नहीं दी जा रही है, पर अब राशि मिलने के बाद भी सिलेंडर नहीं ले रहे हैं। उज्ज्वला योजना के हितग्राहियों को डीएमएफमद से सिलेंडर दिए गए थे। इस पर डीएमएफके 17 करोड़ रुपये खर्च हुए थे, पर इस राशि का लाभ नहीं मिला। यहां यह बताना लाजिमी होगा कि उज्ज्वला गैस कनेक्शन देने के पीछे सरकार का उद्देश्य गृहणियों को रसोई धुंआ से निजात दिलाना था। गैस सिलेंडर और किट दिए जाने के बाद भी शहर को कोयले के धुएं से मुक्त नहीं कराया जा सका है। शहरी क्षेत्र के झुग्गी बस्ती के लोग सिलेंडर की बिक्री कर देते हैं, उससे मिलने वाली राशि से राशन लेते हैं। दूसरी ओर जंगल में लकड़ी आसानी से मिलने और रिफिलिंग सेंटर की दूरी अधिक होने से गांव की रसोई में अब लकड़ी ईंधन से भोजन पक रहा है।

किस एजेंसी के हितग्राहियों को कितनी राशि

एजेंसी	राशि
इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन	5.14 करोड़
भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन	0.71 करोड़
हिंदुस्तान पेट्रोलियम	1.07 करोड़

घर पहुंच सुविधा नहीं

रसोई गैस की उक्त राशि से वितरण को घर पहुंच सेवा देनी है, लेकिन एजेंसी संचालक नियम की धज्जियां उड़ा रहे हैं। लॉकडाउन के बाद भी सिलेंडर गोदाम में लोगों की भीड़ लग रही है। जिले में इंडेन, भारत और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के 18 एजेंसी है। इसके अलावा बाजार हॉट में भी सहायक एजेंसी संचालित करना है, ताकि दूरदराज के ग्रामीणों को सुविधा मिले। सुविधा नहीं दिए जाने के कारण गांव के लोग सिलेंडर सुविधा से वंचित हैं।

शराब दुकान में लगी मदिरा प्रेमियों की लंबी कतार

■ **सोशल डिस्टेंस की उड़ी धज्जियां**

कोरबा। सोमवार को 44 दिन की तपस्या के बाद शराब दुकान खुलते ही शराब प्रेमियों की भीड़ लग गई। शराब दुकान में जमकर भीड़ देखने को मिली। इतनी भीड़ तो राशन दुकान में भी नहीं जुटती। भीड़ को काबू में करने के लिए शराब दुकानों में पुलिस जवानों को तैनात किया गया था। शराब के शौकीन सुबह सात बजे से ही शराब दुकान पहुंचने लगे थे। सोशल डिस्टेंसिंग को बनाए रखने के लिए दुकान के सामने गोल घेरे किए गए थे। इस गोल घेरे में खड़े होकर शराब प्रेमी अपनी बारी का इंतजार करते दिखे।

शराब दुकान खुलते ही मदिरा प्रेमियों की लगी लंबी कतार, भीड़ को काबू करने तैनात थे पुलिस जवान: शराब के लिए लोग कई घंटे लाइन में खड़े रहे। लंबे समय से दुकान बंद होने से शराब के शौकीन को दुकान खुलने का बेसब्री से

इंतजार था और आज दुकान खुलते ही शराब प्रेमियों की दुकान के सामने लंबी कतार बन गई।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शराब की कीमत में करीब 25 प्रतिशत की वृद्धि कर दी गई है। इससे शराब प्रेमियों को शराब लेने अधिक कीमत देनी पड़ी। 80 रुपए में मिलने वाली शराब के लिए करीब 110 रुपए वहीं 600 रुपए कीमत वाली शराब करीब 750 रुपए के भाव से खरीदनी पड़ी। वहीं कोई भी खरीददार शराब के बढ़े हुए दाम का विरोध नहीं किया। उन्हें तो शराब दुकान खुलने मात्र का इंतजार था। शराब के शौकीन लॉकडाउन के नियमों का पालन करते भी दिखे। मुंह में मॉस्क लगाकर व सोशल डिस्टेंसिंग का विशेष ध्यान रखा गया।

विधायक व महापौर ने मोटर साईकल पर सवार होकर किया चिरमिरी शहर का भ्रमण

■ **सुनी जन समस्या ,दिया आश्वासन , डियूटी पर तैनात पुलिस जवानों के साथ सफाई महिला मित्र व कर्मचारियों का किया सम्मान**

चिरमिरी। कोरोना महामारी की इस भीषण आपदा में नगर निगम चिरमिरी के साथ हमारे पुरे कोरिया जिले में निवास रथ लोगो की सुरक्षा एवं बचाओं की असल जीत का श्रेय अगर दिया जाए तो उसके असली हकदार हमारे पुलिस के जाबाज जवान एवं यह हमारे सफाई कर्मचारी व महिला मित्र को जाता है । जिनकी कड़ी मेहनत और निष्ठां के साथ लगन एवं उनके कर्तव्य को कभी भुलाया नहीं जा सकता जिसका हमारा शहर और पूरा जिला खुद ही गवाह बना हुआ है । उक्त कथन महापौर कंचन जायसवाल एवं उनके साथ मौके पर उपस्थित

दूरस्थ अंचल बेचा में आधे रकम में ही बना दिया गया प्रधान मंत्री आवास

■ **धरातल पर कुछ और तो फाइलों में अलग है नज़ारा**

कोण्डागांव। केंद्र सरकार की पीएम आवास योजना जो हर किसी को एक परिवार एक घर की आस और उम्मीद दिलाता है। लेकिन जिले के पहुंचविहीन क्षेत्रो में यह योजना अधिकारी कर्मचरियों के लिए चारागाह साबित हो रही है,यही कारण है कि पहुंच विहीन क्षेत्रो में आधे अधूरे आवास को भी पूर्ण बता दिया जा रहा है।

उक्त मामले का खुलासा तब हुआ जब कोण्डागांव के अंतर्गत आने वाले संवेदनशील क्षेत्र के ग्राम पंचायत बेचा में पूर्व वर्षो में प्रधान मंत्री आवास योजना के तहत बनाए गए हितग्राहियों के

संबंध में सूचना का अधिकार के तहत जानकारी मांगी गई और उक्त लगाए गए सूचना का अधिकार के तहत समय सीमा में जानकारी देने में हिला हवाला किया जाने लगा जिसके बाद ग्रामीणों ने जिला मुख्यालय पहुंच मीडिया कर्मियों को मामले से अवगत कराया। इन सबके बीच मामला उजागर होते ही ग्राम पंचायत बेचा के हितग्राहियों के कई वर्ष से आधे अधूरे पड़े निर्माणाधीन घरों का अचानक जोर-शोर से निर्माण कार्य भी प्रारंभ हो गया। लेकिन जिन आवासों की राशि का पहले ही बंदर बाट हो गया था वे कैसे पूरे हो सकते है लिहाजा अब भी अधूरे कच्चे मकान अपनी दुर्दशा बयाँ कर रहे हैं। जिला समन्वयक पीएम आवास प्रतीक तिवारी से जब मामले पर बात की गई तो उन्होंने,टेक्निकल असिस्टेन्ट सीमा कोर्राम से जानकारी प्राप्त कर वस्तु स्थिति बता पाने की बात कही ,साथ ही मौके पर असिस्टेन्ट इंजीनियर के. उमा महेष्वर राव को जांच में भेजने की बात कही।

कोराना वायरस के संक्रमण से निपटने मुस्तैदी से कार्य करें - शिव अनंत तायल

बेमेतरा/साजा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत आज सोमवार को कलेक्टर शिव अनंत तायल की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति तथा विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों की समीक्षा तथा कोविड-19 की आवश्यक तैयारी के लिए बैठक आयोजित किया गया। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रीता यादव, डिप्टी कलेक्टर संदीप ठाकुर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.के.शर्मा, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ.एस.के.पाल, जिला टीकाकरण अधिकारी, जिला नोडल अधीकारी (आईडीएसपी), जिला शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग, समस्त खण्ड चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक एवं स्वास्थ्य विभाग के समस्त अधिकारी व कर्मचारी उपस्थिति रहे।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक के दौरान कोविड-19 की आवश्यक तैयारी के साथ-साथ नान कोविड एक्टीविटी जैसे संस्थागत प्रसव, टीकाकरण, एनीमिया, पोषण संबंधी गतिविधियों की समीक्षा की गयी। महिला एवं बाल विकास विभाग एवं शिक्षा विभाग के द्वारा टीकाकरण से छुटे हुए बच्चों का आंकलन कर स्वास्थ्य विभाग से समन्वय कर संपूर्ण टीकाकरण को बढ़ाये जाने के निर्देश दिये गये।

रेड जोन जिला होने के कारण जिले के भीतर विभिन्न गतिविधियों पर प्रतिबंधित

कवर्धा - नोवेल कोरोना वायरस कोविड-19 के रोकथाम, नियत्रंण और उनके संक्रामक प्रसार से बचाव को विशेष ध्यान रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा सतर्कता बरती जा रही है। कलेक्टर ने कोरोना वायरस के संक्रमण की अंशाका को देखते उनके रोकथाम, बचाव के उपायों को लेकर के दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अंतर्गत धारा 144 को अंतर्गत लाकडाउन को आगामी 17 मई 2020 की रात्रि 12 बजे तक बढा दिया गया है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग, संभाग- महासमुन्द (छ.ग.)
अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-1089/एन.आई.टी. क्र.-1/2020-21/व.ले.लि. दिनांक 01/05/2020

1 निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 11/05/2020 5.30 बजे तक
2 ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदाएं प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 19/05/2020 अपरान्ह 5.30 बजे तक
3 निविदा खोलने की तिथि :- 20/05/2020 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का विवरण/ NoOfCalls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रु.में) बैंक साल्वेंसी (रु.में)	कार्य की अवधि
1	2	3	4
1 T0001	झलप रायतुम अचानकपुर मार्ग के कि.मी. 8/4 में पुलिया का विशेष मरम्मत कार्य। प्रथम आमंत्रण	9.98 7500.00 150000.00	01 माह
1 T0002	उपसंभाग सरायपाली के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन सिंघोड़ा का उन्नयन कार्य। द्वितीय आमंत्रण	19.71 14800.00 295650.00	04 माह
1 T0003	उपसंभाग सरायपाली के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन तोषगांव का उन्नयन कार्य। द्वितीय आमंत्रण	16.84 12650.00 252600.00	03 माह
1 T0004	उपसंभाग सरायपाली के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन सराईपाली में ब्लड स्टोरेज यूनिक का निर्माण कार्य। द्वितीय आमंत्रण	10.58 8000.00 158700.00	03 माह
1 T0005	जिला चिकित्सालय महासमुन्द में Birth Waiting Home निर्माण कार्य। द्वितीय आमंत्रण	14.36 10800.00 215400.00	03 माह

टीप :- (1) समस्त निविदा प्रपत्र नन में तथा निविदा प्रपत्रों की कीमत राशि रु. 750/- है।
(2) समस्त निविदाओं में निविदाकारों की श्रेणी ई-पंजीयन के अंतर्गत द से अ तक है।
निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोक संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

जी-80436/3

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ./स.)
संभाग- महासमुन्द (छ.ग.)

एनएमडीसी लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम) (आइएसओ, 9001 कंपनी)
बैलाडीला लौह अयस्क खान, बचेली कॉम्पलेक्स
बचेली- 494553, जिला : दक्षिण बस्तर (दन्तेवाड़ा) छ.ग.) फोन नं. 07857-230210, मोबा. : 95750-34854

// ई-निविदा सूचना //

बी आई ओ एम/बीसी/संविदा/प्रकाशन/2020-21/028 दिनांक : 07/05/2020

निम्नांकित कार्यों के लिए एनएमडीसी लिमिटेड, बैलाडीला लौह अयस्क खदान, बचेली कॉम्पलेक्स द्वारा ई निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदादाता हमारी वेबसाइट www.nmdc.co.in अथवा http://www.mstcecommerce.com/eprochome/nmdc/ पर देख सकते हैं एवं निविदा प्रपत्र डाउनलोड कर सकते हैं। निविदा फार्म को केवल ऑनलाइन ऊपर दिए गए MSTC के पोर्टल में निर्धारित अंतिम तिथि के 3:30 बजे शाम तक जमा किया जाएगा एवं 4:00 बजे शाम खोला जाएगा।

MSTC Ref.No. NMDC/ Bacheli 20-21/ET/		NMDC Tender No. BIOM/BC/ CONTRACTS /OTE(28)20-21/	Short Description of Work	EMD @ 1%(Rs.)	Last Date of Submission
1	5/16	PLANT/P-008	Overhauling of Primary EOT and Secondary Cranes	47,220/-	28/05/2020
2	6/17	PLANT/P-009	Hiring of Steel Cord Conveyor Belt Condition Monitoing System	23,600/-	28/05/2020
3	7/18	PLANT/P-010	Belt Joint Work of OCSL Plant at Bacheli Complex	45,000/-	29/05/2020
4	8/19	LP/LP-011	Cleaning of Contaminated Material from Railway Track Lines	52,000/-	29/05/2020
5	9/20	CIVIL/C-102	Construction of Ambulance Parking Shed at NMDC Apollo Hospital	27,500/-	30/05/2020
6	10/21	CIVIL/C-103	Construction of Retaining Wall at SP- 5 Thickence Road	29,700/-	30/05/2020
7	11/22	CIVIL/C-091	Ceramic Tile Flooring works in Type II/DS and Type II/TS of North Block	70,000/-	31/05/2020
8	12/24	LP/L-003	Maintenance of Railway Track Lines belonging to NMDC Ltd, Bacheli	92,000/-	31/05/2020
9	13/25	CIVIL/C-094	Rehabilitation of RCC Framed Structure of Primary Crusher Building (Phase-II) at Dep-05	47,120/-	01/06/2020
10	14/26	CIVIL/C-095	Rehabilitation of RCC Framed Structure of Crushing Plant Building (Phase-III) at Dep-05	65,200/-	01/06/2020
11	15/27	CIVIL/C-097	Misc. Water Proofing Treatment of Public and Residential Buildings	29,000/-	02/06/2020
12	16/28	CIVIL/C-105	Annual R&M Works of Deposit 5for the year 2020-21	27,750/-	02/06/2020

संयुक्त महाप्रबंधक (अनु. एवं से.)अनु.
बीआईओएम, बचेली कॉम्पलेक्स

देवभोग से बाहर गए लोगों की वापसी बनी चुनौती

■ **आंकड़ों में आ रहा अंतर रणनीति बनाने में पैदा कर सकता है भ्रम**

नवप्रदेश संवाददाता

देवभोग। नोवेल कोरोना को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा देश के गोवा, हैदराबाद, तेलंगाना, दिल्ली, आंध्रप्रदेश, सहित अन्य राज्य मैं पलायन के लिए गए छत्तीसगढ़ के लोगों को वापस लाने के संकेत के बाद स्थानीय अधिकारियों के हाथ-पांव फूलते दिख रहे हैं। क्योंकि सूत्रों के मुताबिक देवभोग ब्लॉक से 2 हजार 410 लोग बाहर हैं जिन्हें व्यवस्थित ढंग से डॉक्टरों की टीम द्वारा जांच पड़ताल करना उनके रुकने की व्यवस्था कर क्वॉरेंटाइन में रखते हुए भोजन पानी बिजली सैनिटाइजर मार्क्स जैसे अन्य सामग्रियों की व्यवस्था करना अधिकारियों के लिए सबसे बड़ा चैलेंज होगा। यहां बताना लाजमी होगा कि अन्य राज्य गए लोगों को वापस लाने के संकेत के बाद गांव गांव में गणना शुरू हो चुका है। बकायदा बाहर प्लान करने गए लोगों की सूची तैयार किया जा रहा है। हालांकि अब तक इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाया है, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थानीय अधिकारी काफी रणनीति तैयार कर रहे हैं।

पंचायत सचिवों व श्रम विभाग के आंकलन में अंतर : सूत्र : सूत्रों की मानें तो पंचायत सचिवों द्वारा गणना के आधार पर ब्लॉक से 2 हजार 410 लोग राज्य से बाहर कमाने खाने एवं अन्य काम से गए हैं, जबकि श्रम विभाग के आंकड़े के अनुसार सिर्फ284 लोगों का पलायन करने जाना बताया जाता है हालांकि जमीनी रिपोर्ट को मद्देनजर नजर रखते हुए पूरा अमला शासकीय महाविद्यालय प्राथमिक शाला से लेकर हायर सेकेंडरी स्कूल सामुदायिक भवन आंगनबाड़ी भवन सहित अन्य भवन का निरीक्षण कर इंजीनियरों को सत्यापन करने निर्देश भी जारी हो चुका है बाहर से आने वाले लोगों को क्वॉरेंटाइन कर रखे जाने के लिए जी तोड़ जोर आजमाइश कर रहे हैं।

इन पंचायतों से सर्वाधिक पलायन : ग्राम पंचायत सचिवों के अनुसार इन पंचायत में सबसे ज्यादा लोग पलायन करने गए हैं जिनमें गोहरापदर 119 लोग सीनापाली 176 दरलीपारा 183 गंगराजपुर 84 बांडीगांव 82 मोखागुडा 54 झाखरपारा सहित अन्य पंचायत के लोग सबसे ज्यादा पलायन के लिए गए हुए हैं।

आने वाला समय हो सकता है कठिन

आने वाला समय अब काफी कठिन नजर आ रहा है, क्योंकि ब्लॉक के करीब 2 हजार 410 लोग देश के कई राज्य में फंसे हुए हैं, जिन्हें क्वॉरेंटाइन कर रखना अधिकारियों के लिए सोने के चने चबाने के बराबर होगा शायद यही वजह है। इसके लिए अधिकारी अपनी मुस्तैदी दिखाते हुए पहले से ही इसकी तैयारी में जुटे हैं। बकायदा हर पहलू को बारीकी से अध्ययन कर रणनीति बना रहे है क्योंकि हल्की लापरवाही से कोरोना वायरस अपना पैर पसारने में कामयाब हो सकता है।

> शासन से अभी तक किसी प्रकार आदेश नहीं आया है फिर भी हम अपने अनुसार बाहर से आने वाले लोगों के लिए व्यवस्था करने में लगे हुए हैं।
>
> **-एमएल मंडावी,** सीईओ देवभोग

विधायक आशीष छाबड़ा ने शहर के विकास कार्यो का किया निरीक्षण

बेमेतरा/साजा - बेमेतरा विधायक आशीष छाबड़ा ने नगर पालिका परिषद बेमेतरा क्षेत्र में चल रहे बृहद कार्यों का निरीक्षण किया। विधायक अपने स्वर्ण स्वप्न बेसिक स्कूल मैदान समतलीकरण, खिलाड़ियों के लिये पैवेलियन निर्माण, कॉम्प्लेक्स निर्माण हेतु कार्यस्थल का निरीक्षण किया तथा उपस्थित अधिकारियो को आवश्यक निर्देश दिये। बेमेतरा विधायक आशीष छाबड़ा कोरोना वायरस संक्रमण से सुरक्षा के साथ साथ विधानसभा क्षेत्र के सभी शहरों तथा ग्रामो में निरन्तर विकास कार्य को गति देने में लगे हुए है, जिससे जनजीवन व्यवस्थित रहे। इसी कड़ी में विधायक श्री छाबड़ा नवीन बाजार स्थित पुराना पानी टँकी स्थल पर बनने वाले पौनी पसारी बाजार तथा मल्टीयुटीलिटी कॉम्प्लेक्स निर्माण हेतु अधिकारियो को निर्देशित किया। इस दौरान विधायक श्री छाबड़ा ने नयाबस स्टैण्ड का निरीक्षण कर अधिकारियो को वाटर ए टी एम निर्माण, शॉपिंग काम्प्लेक्स निर्माण, यात्रियो के लिए वेटिंग हाल तथा रैन बसेरा बनाने एव पशु चिकित्सालय विभाग की खाली पड़ी भूमि को न.पा. के नाम हस्तातरतीत कर उसका उपयोग बस स्टैण्ड के विकास में किये जाने हेतु निर्देशित किया। ज्ञात हो कि बेमेतरा विधायक आशीष छाबड़ा शहर को सजाने सवारने के लिए अपने कार्यकाल के प्रारंभ से ही दृण संकल्पित है, जिसके लिए समय समय मे विभागीय मंत्रियों एवं अधिकारियों के साथ बैठक भी करते रहते है। इस अवसर पर श्रीमती शकुंतला मंगत साहू अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बेमेतरा, होरीसिहं ठाकुर मुख्यनगर पालिका अधिकारी, एसडीएम बेमेतरा जगन्नाथ वर्मा, तहसीलदार बेमेतरा अजय चंद्रवंशी सहित अधिकारी कर्मचारिगण उपस्तिथ रहे।

दिगर राज्यों से आने वाले श्रमिको को रहना होगा 14 दिन तक क्वारंटाइन में

सूरजपुर। आज कलेक्टर श्री दीपक सोनी ने अपरे कलेक्टर श्री एस0एन0 मोटवानी, डिप्टी कलेक्टर द्वेय श्री षिवकुमार बनर्जी एवं बजरंग सिंह वर्मा की उपस्थिति में कोरोना से बचाव व नियंत्रण के लिए कोरोनानोडल अधिकारियों व स्वैच्छिक षिक्षकों की बैठक लेकर आवष्यकदिषा-निर्देष दिये। दूसरे राज्य में फंसे श्रमिको से स्वैच्छिक षिक्षको को संपर्क में रहने के निर्देष दिये। जिससे उन्हे किसी प्रकार की असुविधा न हो। कलेक्टर ने बताया कि लॉकडाउन में अन्य प्रदेशों में फंसे श्रमिको को अपने गृह जिलों में वापस लाने के पहल के क्रम में केंद्र एवं राज्य सरकार के द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत वापस आने वाले श्रमिकों एवं व्यक्तियों से संपर्क करने कहा तथा जहां रुके है उन्हें वही रुके रहने के लिए प्रेरित करने कहा उनके परिवार में जो भी समस्या होगी प्रषासन उनकी हर आवष्यकताओं को पूर्ण करने के लिए प्रतिबद्ध है। अतिआवष्यक पड़ने पर ही घर आने के लिए श्रमिकों को समझाने के लिए निर्देषित किया गया। कलेक्टर ने बाहरी राज्यो में रह रहे श्रमिकों से संपर्क कर ट्रायबल विभाग के नोडल अधिकारी को निर्देषित करते हुए कहा कि जिस दिन राज्य के बस आपके पास जायेगी अवगत करा दी जायेगी। उन्होने कहा श्रमिक समूह मे आ रहे है एहतीयातन बरतते हुए उन्हें 14 दिन तक क्वारंटाइन सेंटर में रखने के निर्देष दिये तथा यात्रा विवरण की जानकारी लेते हुए गहन स्वास्थ्य जांच करने के निर्देष दिये।

कलेक्ट्रेट भवन समेत जिले के कार्यालयों का किया गया सेनिटाइजेशन

सूरजपुर। कलेक्टर दीपक सोनी के द्वारा कोरोना वायरस संक्रमण के रोकथाम को दृष्टिगत रखते हुए एवं शासन के निर्देषों के परिपालन में जिले के सभी शासकीय कार्यालयों व मैदानी क्षेत्रों में स्थित सभी शासकीय कार्यालयों में समुचित सेनिटाइजेषन अभियान चलाकर साफ-सफाई रखने के निर्देष दिये हैं। जिसके लिए नगरपालिका सूरजपुर के दमकल वाहनों से कलेक्ट्रेट भवन सहित सभी विभागों का सेनिटाइजेषन किया गया। ज्ञात हो कि कोरोना वायरस के कारण लगाए गए देषव्यापी लॉकडाउन के फलस्वरूप सभी शासकीय कार्यालयों में पिछले 40 दिनों से कार्य नहीं हो रहा है। शासन के निर्देषानुसार 4 मई से शासकीय कार्यालय निर्धारित सुरक्षा मानको का पालन करते हुए खोलने के निर्देष दिए गए है तथा समस्त कार्यालयों में कार्य शुरू किया गया है।

शराब दुकान खुलने से पहले ही लगी लंबी कतारें

मुंगेली। 40 दिनों के लाकडाउन के बाद से नगर में आज शराब दुकानों को खोलने की इजाजत दी गई है जिसके बाद से ही मदिरा प्रेमियों की खुशी का भी कोई ठिकाना नही था,, आज सुबह से ही शराब दुकानों में लोगो की लम्बी कतारे देखने को मिलने लगी, सोशल डिस्टेंसिग का पालन हो सके इसके लिये गोल घेरे बनाये गए है ताकि एक साथ ज्यादा लोगो की भिड़ न लगे। निधारित समय से पहले ही हर वर्ग के लोगो को शराब दुकान के पास लाईन लगाकर खडे देखा गया, इसके साथ ही मिली जानकारी के अनुसार कुछ लोग निर्धारित मात्रा से ज्यादा लेते भी दिखाई दिये।

शराब दुकान खुलने की जानकारी मिलने से मंदिरा प्रेमियों के बीच खुशी के लहर फैल गई है लगभग 41 दिनों के पश्चात शराब दुकान खुलने से लोग खरीदने के लिए पहले से ही तैयार है वहीं शराब दुकानों में भी 4 मई से बेचने के लिए तैयारियां कर ली गई है। शराब के दुकान खोले जाने से जहां मंदिरा प्रेमियों का उत्साह व समर्थन मिल रहा है वहीं मंदिरा विरोधी कमेंट करने लगे है मंदिर बंद कर मदिरालय खोलने का निर्णय समझ से परे है।

सरकारी कार्यालयों का होगा सेनिटाइजेशन - तीसरे चरण में ग्रीन जोन को छुट मिलने के साथ ही शासकीय कार्य प्रारंभ हो गया है जिससे लोगो का आवागमन प्रारंभ होने के पूर्व ही आमजनो, अधिकारी-कर्मचारियों की सुरक्षा की दृष्टि से जिला कार्यालय, सभी तहसील कार्यालय, जिला पंचायत कार्यालय, सभी जनपद कार्यालय, समस्त ग्राम पंचायत कार्यालय एवं अन्य मैदानी कार्यालयों को आगामी एक सप्ताह के भीतर सेनेटाइज किया जाना प्रारंभ कर दिया गया था, इसके साथ ही साथ उन्होने कार्यालयों की नियमित साफ-सफाई की व्यवस्था की सुनिश्चित करने, प्रत्येक कार्यालय का रंग-रोगन, कार्यालयों मे हाथ धोने के लिए हैण्डवॉश इत्यादि की व्यवस्था करने, अनुपयोगी सामाग्री का राइट ऑफ करने और अन्य आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिये है। ताकि कोरोना महामारी के प्रसार को नियंत्रित किया जा सकें। उन्होने संबंधित अधिकारियों को संबंधित कार्यो का फोटो ग्राफ सहित पालन प्रतिवेदन कलेक्टर कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये है।

शासकीय दफ्तरों में दिखाई दी रौनक

40 दिनों बाद सरकारी दफ्तरों में भी कामकाज शुरू हो गया है केंद्र सरकार की गाइड लाइन के मुताबिक ग्रीन जोन में कामकाज को हरी झंडी दी गई हैं,, इसके साथ ही आज से पंजीयन कार्यालय भी खोल दिया गया है एक दिन में शिर्फ25 रजिस्ट्री ही की जाएगी, जिसके लिये पहले से ऑनलाइन पंजीयन कराना अनिवार्य कर दिया गया है। सरकारी फरमान के हिसाब से राजपत्रित अधिकारियों की शत प्रतिशत सरकारी कर्मचारियों की उपस्थिति होगी, जबकि अन्य अधिकारी और कर्मचारियों की उपस्थिति एक तिहाई ही रहेगी।

आंगनबाडी केंद्रो के बच्चों के लिए डिजिटल प्लान की शुरूआत

■ **बच्चों को वॉल पेंटिग, अनौपचारिक शिक्षा और राज्य शासन द्वारा तैयार की गई फिल्म दिखाई जा रही है**

मुंगेली। नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम एवं बचाव के लिए जिले मे संचालित सभी आंगनबाडी केंद्र को बंद किया गया है। बंद होने के कारण आंगनबाडी केंद्र के बच्चे अभिभावकों के साथ अपने घर मे ही समय बिता रहे है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के सार्थक पहल पर आंगनबाडी केंद्र के बच्चों में प्यार, दुलार, स्नेह और अपनापन जगाने के लिए डिजिटल प्लान की शुरूआत की गई है। इस अभियान की शुरूआत युनिसेफ के सहयोग से किया गया है। जिला महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेन्द्र कश्यप ने आज यहां बताया कि आंगनबाडी केंद्र के बच्चों के लिए युनिसेफ के सहयोग से शुरू की गई डिजिटल प्लान का संपूर्ण कार्यक्रम डिजिटल मोड पर आधारित है। वर्तमान मे सजग अभियान के माध्यम से बच्चो एवं अभिभावको को प्रेरित कर बच्चों के अपनापन, स्नेह, दुलार सहहृदयता जगा कर उनमे कोरोना से उपजे तनाव एवं विचलन को सामान्य किया जा रहा है। ताकि बच्चों की सारी दुनिया अभिभावकों मे समाहित हो सके। उन्होने बताया कि इस सजग अभियान के तहत बच्चों को वॉल पेंटिग, अनौपचारिक शिक्षा और राज्य शासन द्वारा तैयार की गई फिल्म दिखाई जा रही है। बच्चो के आकर्षक विडियो पर आधारित छत्तीसगढ़ी बाल गीत तथा अन्य गतिविधियां आंगनबाडी कार्यकर्ता के माध्यम से करायी जा रही है, जो बच्चों को आकर्षित कर रही है। आंगनबाडी कार्यकताओं द्वारा बच्चों एवं अभिभावको को सोशल डिस्टेंश का पालन करने और सेनेटाईजन का उपयोग करते हुए बार-बार हाथ धोने तथा मास्क लगाने की शिक्षा दी जा रही है।

थाना सिटी कोतवाली गगेली की कार्यवाही 15 जुआरी गिरफ्तार

मुंगेली। श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशानुसार चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना सिटी कोतवाली मुंगेली प्रभारी निरीक्षक कविता धुर्वे एव स्टाफके द्वारा ग्राम गदनपुर में अवैध रूप से तास पत्ती से जुआ खेलने की सूचना पर कार्यवाही करते हुए 3 मई को घेराबंदी कर रेड किया रेड कार्यवाही, 07 जुआरियों समारू साहू, संतोष कुमार साहू, रामप्रसाद निर्मलकर, नर्मदा ध्रुव, गुलात चन्द्र साहू, मिथलेशपुरी गोस्वामी निवासी ग्राम मदनपुर के फ्ड एव पास से जुमला रकम 1350 रू एवं 8 जुआरियों भुरूवा यादव, पुनाराम साहू लतेल निषाद, विद्यानंद एलाराम साहू, विजाय निर्मलकर, राजाराम साहू सुरेशपुरी गोस्वामी सभी निवासी ग्राम गदनपुर थाना सिटी कोतवाली मुंगेली के फ्ड एवं पास से जुमला रकम 1570 रूपये जप्ती कर आरोपीयो के विरुद्ध जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

जिला कांग्रेस कमेटी ने मुख्यमंत्री सहायता कोष में दिए 2.5 लाख

देवभोग। प्रदेश हाईकमान के दिशा निर्देश के बाद जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से लगातार दूरभाष में संपर्क कर 2 लाख 50 हजार से अधिक राशि मुख्यमंत्री राहत कोष मैं जमा करते हुए सहयोग अभियान चलाया जा रहा है। गांव के कार्यकर्ता से लेकर जिला के पदाधिकारियों से अपील किया जा रहा है, कि वह बढ़-चढ़कर मुख्यमंत्री राहत कोष मैं सहयोग करें बकायदा इसकी कमान स्वयं जिला अध्यक्ष भावसिंह साहू ने संभाला है। कोरेना वायरस महामारी को लेकर बड़े छोटे कारोबारी समाजसेवी संगठन सहित तमाम लोग मुख्यमंत्री राहत कोष मैं पैसा दे रहे हैं, इसी तर्ज पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भावसिंह भी दूरभाष के माध्यम से सहयोग अभियान चलाकर अपने कार्यकर्ता पदाधिकारियों से सक्षम अनुसार सहयोग करने के लिए काफी कसरत कर रहे हैं। शायद या कसरत का नतीजा है कि सिर्फ मैनपुर, देवभोग, फिंगेश्वर, से ही 2 लाख 50 हजार रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा किया है।

दमखम के साथ जंग लड़ रही सरकार : भाव सिंह

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भाव सिंह का कहना है कि सशक्त मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा 18 - 18 घंटा छत्तीसगढ़ वासियों के हित में काम कर रहे हैं कोरना पॉजिटिव मरीज को बेहतर व्यवस्था दिया जा रहा है। इसके अलावा दिहाड़ी मजदूरों से लेकर पलायन करने गए लोगों तक को सुरक्षित लाने सहित तमाम सहूलियत देने का प्रयास किया जा रहा है , इसके साथ कोरोना वायरस से ज्यादा से ज्यादा पॉजिटिव मामला नहीं आये इसके लिए तरह-तरह की रणनीति तैयार कर जमीनी स्तर पर क्रियावहन हो रहा है तब जाकर अन्य प्रदेश की तुलना छत्तीसगढ़ की हालत अच्छी है। जिसे पूरी देश दुनिया में भूपेश बघेल की सराहना किया जा रहा है। ऐसे में प्रदेश वासियों को सरकार के साथ खड़ा होना चाहिए और लोग हो भी रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

राज्य सरकार के खर्च पर...

परिवहन सचिव ने मंडल रेल प्रबन्धक (डीआरएम) को अवगत करवाया है कि छत्तीसगढ़ के मजदूरों, श्रमिकों को अन्य राज्य से छत्तीसगढ़ आने के लिए श्रमिक स्पेशल ट्रेन की सुविधा उपलब्ध करवाने पर उनकी यात्रा किराए का व्यय भार राज्य शासन द्वारा वहन किया जायेंगा। ज्ञातव्य हैं कि छत्तीसगढ़ के बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिक देश के विभिन्न हिस्सों में फंसे हुए हैं। हेल्पलाइन और अन्य माध्यमों से प्राप्त सूचना के अनुसार लगभग 1.17 लाख से भी अधिक प्रवासी कामगार देश के 21 राज्यों और 4 केन्द्र शासित प्रदेशों में फंसे होने की जानकारी है। परिवहन की प्रक्रिया शुरू होने के बाद संख्या बढ़ सकती है।मुख्यमंत्री श्री बघेल इन्हे राज्य में वापस लाने के लिए 28 श्रमिक स्पेशल ट्रेनों की पूर्व में मांग कर चुके है।

सर्वाधिक कोरोना प्रभावित...

ये टीमें इन जिलों/शहरों के भीतर कोविड 19 से प्रभावित क्षेत्रों में रोकथाम उपायों के कार्यान्वयन में राज्यों की सहायता करेंगी तथा राज्य सरकारों का हाथ बंटायेंगी।

3.2 की जगह अब...

कोविड अस्पतालों और विशेष कोविड स्वास्थ्य केंद्रों में मौजूद 2.5 लाख से भी अधिक बेड की बदौलत किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने में सक्षम हैं।

सर्विलांस सिस्टम कारगर हथियारः स्वास्थ्य मंत्रालय का एक निकाय नेशनल सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल (एनसीडीसी) इस समय देश में नौ लाख से अधिक लोगों की कोरोना संबंधी निगरानी में लगा हुआ हुआ है और इसकी बेहतर सर्विलांस प्रणाली के तहत देश के सभी 734 जिलों से आंकड़े जुटाए जा रहे हैं। कोरोना मरीजों का पता लगाने के लिए यह सर्विलांस सिस्टम एक कारगर हथियार साबित हुआ है और जो लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं उनके संपर्क सूत्रों का पता लगाकर उनकी पूरी निगरानी रखी जा रही है। इसकी मदद से 23 जनवरी को देश में सबसे पहले 13 लोगों के बारे में जानकारी जुटाई गई थी और यह आंकड़ा बढ़कर अब नौ लाख से अधिक गया है।

मौत का आंकड़ा...

इसके अलावा देश में आरटी-पीसीआर टेस्टिंग किट बनाने की प्रक्रिया का काम एडवांस स्टेज पर है। इंडियन काउंसिल ऑफमेडिकल रिसर्च की ओर से अनुमति मिलने के बाद इसका उत्पादन शुरू हो जाएगा और 31 मई तक देश में रोजाना एक लाख टेस्ट हो पाएंगे।

20 देशों की जनसंख्या...

लता है कि उनके यहां पाये जाने वाले मामले हमारे देश से 84 गुना अधिक हैं और उनके यहां होने वाली मौतों की संख्या हमारे देश में हुई मौतों से 200 गुना अधिक है। यह सब केन्द्र सरकार की 'प्रिएम्पटिव, ग्रेडेड, प्रोएक्टिव' रणनीति के तहत संभव हुआ है।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग रायपुर (छ.ग.)
कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग बीजापुर (छ.ग.)

मेनवल पद्धति निविदा आमंत्रण

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 01/व.ले.लि. दिनांक / /2020

निम्नलिखित कार्य हेतु मुहरबंद निविदाएं सक्षम निविदाकारों से आईटम रेट प्रपत्र फार्म (बी) निविदा प्रपत्र एवं अन्य विवरण कार्यालय कार्यपालन, अभियंता जल संसाधन विभाग बीजापुर में (अवकाश दिनांक को छोड़कर) दिनांक 05.05.2020 तक विक्रय हेतु उपलब्ध रहेंगे। निविदा प्रस्तुत करने की तिथि दिनांक 06.05.2020 सायं 5.00 बजे तक है। निविदाकारों की निविदाएं दिनांक 07.05.2020 अपरान्ह 3.00 बजे कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग बीजापुर (छ.ग.) में खोली जावेगी।

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत लाखों रुपए में	बयाने की राशि रु. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्यावधि
1	2	3	4	5	6
1	अंगमपल्ली तालाब का गहरीकरण कार्य	29.39	29390/-	750.00	कार्य आदेश से 1 माह

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग बीजापुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, जोन क्रं.-01, रायपुर

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

क्र. 2050/न.पा.नि./जोन क्र. 1/2020 रायपुर, दिनांक 04/05/2020

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से सीलबंद निविदाएं एस.ओ.आर. दर के आधार पर दो लिफाफा पद्धति में दिनांक 25/05/2020 तक स्पीड पोस्ट के माध्यम से नगर पालिक निगम जोन कार्यालय क्र. 01, में कार्यालयीन दिवस में आमंत्रित की जाती है। इस हेतु निविदा प्रपत्र प्राप्त करने के लिए दिनांक 20/05/2020 शाम 4.00 बजे तक आवेदन के साथ निर्धारित राशि जमा कर, निविदा प्रपत्र जारी किये जायेंगे। प्राप्त निविदाएं दिनांक 26/05/2020 को पूर्वान्ह 11.30 बजे तक उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेंगी।

प्रथम आमंत्रण सूचना

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित व्यय (रुपए में)	अमानती राशि (रुपए में)	निविदा प्रपत्र मूल्य	निविदा प्रपत्र प्रारूप	समयावधि	ठेकेदार श्रेणी
1	2	3	4	5	6	6	7
1	जोन क्रमांक-01 अंतर्गत पाईप लाईन लिकेज संधारण कार्य। (PHE S.O.R. 07.02.2013)	400000.00	4000.00	750.00	A	2 माह	ई-रजिस्ट्रेशन द श्रेणी व उससे ऊपर
2	ठक्कर बापा वार्ड क्र. 17 अंतर्गत सड़क नाली एवं पुलिया मरम्मत कार्य। (PWD BUILDING S.O.R. 01.01.2015)	250000.00	2500.00	750.00	A	2 माह	ई-रजिस्ट्रेशन द श्रेणी व उससे ऊपर
3	जोन क्रमांक-01 अंतर्गत इंटर कनेक्शन कार्य एवं जी.आई.पाईप लाईन कनेक्शन विच्छेद का कार्य। (PHE S.O.R. 07.02.2013)	400000.00	4000.00	750.00	A	2 माह	ई-रजिस्ट्रेशन द श्रेणी व उससे ऊपर
4	शासकीय उ.मा. शाला वीरांगना अंवती बाई में हॉल निर्माण कार्य। (PWD BUILDING S.O.R. 01.01.2015)	500000.00	5000.00	750.00	A	2 माह	ई-रजिस्ट्रेशन द श्रेणी व उससे ऊपर
5	वीर शिवाजी वार्ड क्र. 16 में जोन कार्यालय परिसर में पेवर ब्लॉक/सेप्टिन टेंक/ फेसिंग वाल का संधारण/मरम्मत कार्य। (PWD BUILDING S.O.R. 01.01.2015)	400000.00	4000.00	750.00	A	2 माह	ई-रजिस्ट्रेशन द श्रेणी व उससे ऊपर

1 कार्य से संबंधित जानकारी एवं शर्तें कार्यालयीन दिवस में नगर पालिक निगम जोन क्रमांक-01, से प्राप्त की जा सकती है।
2 निविदा में उल्लेखित उपरोक्त दिनांक में यदि शासकीय अवकाश होने की स्थिति में अगले कार्यालयीन दिवस कार्यवाही किया जावेगा।

पेयजल, सड़कबत्ती, सफाई समस्या निराकरण संपर्क निदान-1100

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक-1,
नगर पालिक निगम, रायपुर

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित,
फोन व फैक्स : 0771-4035602, RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

कॉमेडी सीन के जरिये अमिताभ ने दिया पॉजिटिव मैसेज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपनी सुपरहिट फिल्म अमर अकबर एंथोनी के एक आईकॉनिक कॉमेडी सीन के जरिये लोगों को पॉजिटिव मैसेज दिया है।

अमिताभ सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट्स के जरिए लोगों का मनोरंजन करते रहते हैं और लोगों को सकरात्मकता से भर देते हैं। अमिताभ ने अपनी फिल्म अमर अकबर एंथोनी से एक पॉपुलर फनी सीन शेयर किया है। अमर अकबर एंथोनी फिल्म में उस सीन को कौन भूल सकता है जब अमिताभ बच्चन ड्रिंक कर के अपने कमरे में आते हैं और शीशे के सामने खड़े होकर खुद से बात कर रहे होते हैं। अमिताभ के पसंदीदा सीन्स में इसे शुमार किया जाता है। अमिताभ ने ट्विटर पर दो मिनट का ये सीन शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, ÷ये सकारात्मक रहने का समय है। ये समय है कि हम खुशियों को वापस ले आएं जीवन में। इस कहावत का समय आ गया है कि द शो मस्ट गो ऑन।

ऋषि को याद कर भावुक हुए अमिताभ

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन, दिग्गज अभिनेता ऋषि कपूर को याद कर भावुक हो गये। ऋषि कपूर के निधन के बाद सबसे पहले अमिताभ ने ट्वीट कर फैंस को उनके जाने की जानकारी दी थी। ऋषि के जाने से महानायक अमिताभ बच्चन काफी दुखी हैं। अमिताभ ने एक बार फिर ऋषि को याद किया है। अमिताभ बच्चन ने ट्विटर पर 'इन मेमोरियम' के नाम से एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वे ऋषि कपूर के बारे में बातें करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में अमिताभ ने कहा ,÷ऋषि कपूर एक चार्मिंग और यंग पर्सनैलिटी थे जिनकी आंखों में शरारत थी। मैंने 'बॉबी' फिल्म के लिए आर के स्टूडियो में उन्हें संघर्ष करते देखा था। मैं राज कपूर के घर पर जब निमंत्रण पर जाता था तब मैं उनसे मिलता था। उनके चलने के लहजे में एक आत्मविश्वास था। एक स्टाइल था। वे जब चलते थे तो वे हूबहू अपने दादा पृथ्वीराज कपूर की तरह लगते थे। अमिताभ ने कहा, मैंने उनके साथ कई सारी फिल्मों में काम किया। अमर अकबर एंथनी, कुली, कभी कभी और 102 नॉट आउट। जब वे अपनी लाइन पढ़ते थे तो सामने वाले को हर एक शब्द पर यकीन करा देते थे। उनके बोलने के लहजे में एक सच्चाई थी एक वास्तविकता थी। कोई भी दूसरा शख्स ऐसा नहीं हुआ जो इस तरह से डायलॉग बोल पाता हो ना हि कोई ऐसा शख्स हुआ जो उनकी तरह गानों में लिप्सिंग कर पाता हो।उनका एटिट्यूड हर समय काफी चंचल रहता था। यहां तक कि जब हम लोग कोई सीरियस सीन की शूटिंग भी कर रहे होते थे तो भी वे कुछ ऐसी कॉमेडी कर देते थे कि माहौल ही बदल जाता था। यदि हम किसी फॉर्मल इवेंट में भी होते थे तो उस दौरान भी वे अपने ह्यूमर से माहौल को हल्का कर देते थे। कभी भी उन्होंने अपनी हालत बयां नहीं होने दी। वे हमेशा यही कहते कि बस एक रूटीन चेकअप के लिए हॉस्पिटल जा रहा हूं। मैं जल्द ही लौटूंगा।

क्राइम थ्रिलर में काम करेंगी तापसी पन्नू!

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू क्राइम थ्रिलर फिल्म में काम करती नजर आ सकती है। बॉलीवुड फिल्म निर्देशक राहुल ढ़ोलकिया ने वर्ष 2019 में महिला केंद्रित एक फिल्म बनाने की घोषणा की थी। इस फिल्म में कृति सेनन को बतौर लीड एक्ट्रेस चुना गया था। अगस्त 2019 में इसकी शूटिंग शुरू होनी थी, लेकिन डेट्स नहीं होने के कारण कृति ने यह फिल्म छोड़ दी थी। बताया जा रहा है कि राहुल ने कृति के फिल्म को छोड़ने के बाद सारा अली खान को अप्रोच किया था लेकिन सारा ने इस फिल्म को करने से इंकार कर दिया। फिल्म के लिए निर्देशक ऐसा चेहरा चाहते थे जिसे लोग पसंद करते हो। इसके बाद राहुल ने यह फिल्म तापसी पन्नू को ऑफर किया और उन्हें स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई। कहा जा रहा है कि तापसी पन्नू ने फिल्म को साइन कर लिया है। फिल्म की शूटिंग अगले साल से शुरू होगी।

सोहा अली ने 50 हजार प्रवासी मजदूरों की मदद करने की अपील

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान ने लोगों से मुंबई के 50 हजार प्रवासी मजदूरों की मदद करने के लिये लोगों से अपील की है।

इन दिनों पूरा देश कोरोना महामारी से जूझ रहा है।बॉलीवुड इंडस्ट्री से जुड़े सेलेब्रिटीज अपने-अपने तरीके से इस वायरस से जंग लड़ने में योगदान दे रहे हैं। सोहा अली खान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए कोरोना के कहर और लॉकडाउन दौरान 50 हजार प्रवासी मजदूरों को लेकर अपनी चिंता जाहिर ही है। सोहा अली खान ने अपने ऑफिशियल ट्विटर एकाउंट पर पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, ÷कोविड-19 ने धारावी पर हमला किया है, मुंबई में एशिया का सबसे बड़ा स्लम। इसे फैलने से रोकने का सिर्फ एक ही रास्ता है, लोग घर पर रहें। प्लीज 50 हजार प्रवासी मजदूरों को राशन उपलब्ध कराने में हमारी मदद करें, जिनके पास लॉकडाउन के दौरान कोई इनकम और खाना नहीं है।÷ इस ट्वीट के साथ सोहा ने एक लिंक भी शेयर किया है, जिसे क्लिक करके उन्होंने योगदान देने की अपील की है।

कठिन दौर में तीन बार आत्महत्या करने का विचार आया था: शमी

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने खुलासा करते हुए कहा है कि निजी और पेशेवर जिंदगी में परेशानी के कारण कठिन दौर में उन्होंने तीन बार खुदखुशी करने के बारे में सोचा था।

नई दिल्ली (वार्ता)। शमी ने सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के साथ इंस्टाग्राम पर लाइव चैट के दौरान अपनी निजी जिंदगी और पेशेवर जीवन से जुड़ी परेशानियों के बारे में खुलकर बात की और कहा कि उस दौरान मेरे परिवार ने उनका साथ दिया जिससे वह इस कठिन दौर से उबर सके। उल्लेखनीय है कि 2018 में मोहम्मद शमी की पत्नी हसीन जहां ने उन पर घरेलू उत्पीड़न का आरोप लगाया था और उनके खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया था जिसके बाद बीसीसीआई ने भी कुछ समय के लिए शमी को केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया था। शमी इसके बाद दुर्घटना में चोटिल हो गए थे और लंबे समय तक मैदान से बाहर रहे थे। शमी ने कहा, ÷मेरे ख्याल से अगर मेरे परिवार ने उस दौरान मेरा समर्थन नहीं किया होता तो मैं क्रिकेट नहीं खेल पाता।

एएफआई बैठक में एफआईएच चुनावों पर कोई चर्चा नहीं हुई: सुमारिवाला

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष आदिल सुमारिवाला ने स्पष्ट किया है कि एएफआई की शनिवार को हुई विशेष आम सभा बैठक में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के चुनावों को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई थी। सुमारिवाला ने रविवार को एक बयान जारी कर कहा, ÷भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में कुछ भ्रामक रिपोर्टें छपी थीं कि एएफआई की विशेष आम सभा बैठक में एफआईएच के चुनावों को लेकर चर्चा हुई थी। एएफआई ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये यह बैठक की थी और वैश्विक महामारी बन चुके कोरोना वायरस कोविड-19 और उसके चलते देश में लगे लॉकडाउन के मद्देनजर अपना चुनाव हालात सामान्य होने तक टाल देने का फैसला किया था।

8 जून तक घर से काम करेंगे आईओसी के कर्मचारी

लुसाने (वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) के लुसाने स्थित कर्मचारी वैश्विक महामारी बन चुके कोरोना वायरस कोविड-19 के कहर के बीच आठ जून तक अपने घर से काम करेंगे। आईओसी के प्रवक्ता ने कहा कि विश्व संस्था ने फैसला किया है कि लुसाने स्थित उसके कर्मचारी आठ जून तक अपने घर से काम करेंगे ताकि उनकी सुरक्षा बनी रहे और उन्हें कम से कम खतरा हो।

60 फीसदी फैंस का मानना... 2020 में आईपीएल की वापसी संभव

लोकप्रिय आईपीएल के 13वें को कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के कारण अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है और यह तय नहीं है कि इस साल आईपीएल कब शुरू होगा लेकिन 60 फीसदी फैंस का मानना है कि आईपीएल को 2020 में वापसी संभव है।

नई दिल्ली (वार्ता)। भारत के प्रमुख फैंटसी स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म्स में से एक मायटीम11 ने कुल 10,000 लोगों के सैंपल को लेते हुए एक सर्वे का आयोजन किया। यह देश का पहला ऐसा सर्वे था जिससे फैंस की खेलों की वापसी के प्रति मानसिक स्थिति का आभास मिल पाया है और स्पोर्ट्स व्यवसाय पर क्या असर पड़ेगा इसका भी एक अंदाजा लग गया है।

कोरोना वायरस के चलते विश्व के सबसे बड़े खेल समारोह यानी टोक्यो ओलम्पिक को 2021 तक स्थगित कर दिया गया है और इसी घटना ने किसी भी प्रकार के खेलों की वापसी पर बहुत सारे प्रश्न खड़े कर दिए हैं। विश्व के लिए जैसे ओलम्पिक है वैसे ही भारत के लिए आईपीएल है।

इस सर्वे के प्रमुख निष्कर्षों के रूप में एक यह परिणाम निकल कर आया है कि अभी भी 60 फीसदी भारतीय क्रिकेट फैंस यह उम्मीद लगाए बैठे हैं कि 2020 में आईपीएल का आयोजन संभव है, लेकिन कब, इस पर सर्वे में भी विवाद दिखाई दिया है। 40 फीसदी लोगों ने यह साफ़तौर से माना कि आईपीएल का आयोजन 2020 में बहुत ही मुश्किल लगता है।

इसी सर्वे के दूसरे महत्त्वपूर्ण निष्कर्ष में यह बात भी सामने आयी है कि लगभग 40 फीसदी लोग कोरोना वायरस के डर से 2021 से पहले स्टेडियम में जाने से कतरा रहे हैं। जो यह भी दर्शाता है कि लोग अभी अपने गैजेट्स या टीवी सेट्स पर खेल कूद का आनंद लेना ज़्यादा पसंद करेंगे जब तक इस वैश्विक महामारी का ठोस इलाज नहीं निकल कर आता। क्रिकेट का महासंग्राम कहे जाने वाले आईपीएल की 29 मार्च से शुरुआत होनी थी लेकिन देशभर में लॉकडाउन के कारण इसे अनिश्चित समय के लिए स्थगित कर दिया गया है। अब 2020 में टूर्नामेंट का आयोजन करने के लिए केवल दो विंडो उपलब्ध है जो सितम्बर से लेकर नवम्बर तक हो सकती हैं।

सितम्बर में एशिया कप का टी-20 प्रारूप में आयोजन होना है जबकि अक्टूबर-नवम्बर में ऑस्ट्रेलिया में टी-20 विश्व कप का आयोजन होना है। यदि विश्व कप का आयोजन टलता है तो दर्शकों के बिना आईपीएल के आयोजन के बारे में सोचा जा सकता है। क्रिकेट का महासंग्राम कहे जाने वाले आईपीएल की 29 मार्च से शुरुआत होनी थी लेकिन देशभर में लॉकडाउन के कारण इसे अनिश्चित समय के लिए स्थगित कर दिया गया है। अब 2020 में टूर्नामेंट का आयोजन करने के लिए केवल दो विंडो उपलब्ध है जो सितम्बर से लेकर नवम्बर तक हो सकती हैं।

रोहित के सफल करियर का श्रेय धोनी को: गंभीर

मुंबई (वार्ता)। पूर्व क्रिकेटर और अब सांसद गौतम गंभीर का मानना है कि भारतीय सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा सीमित ओवर के बेहतरीन खिलाड़ियों में एक हैं और उनके इस सफल करियर का श्रेय पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को जाता है। रोहित ने वर्ष 2007 में पदार्पण किया था लेकिन धोनी की कप्तानी में 2013 में उन्हें सलामी बल्लेबाज के रुप में मौका मिला जिसके बाद उनका करियर लगातार बढ़ता चला गया। गंभीर ने स्पोटर्स तक से कहा,÷रोहित आज जो कुछ भी हैं वो धोनी के कारण हैं। धोनी की एक बात अच्छी थी वह चर्चा के दौरान हमेशा रोहित को शामिल रखते थे। यहां तक कि रोहित के टीम में शामिल नहीं रहने के बावजूद वह चर्चा में शामिल रहते थे। धोनी कभी उन्हें अलग नहीं करते थे। गंभीर ने कहा,÷कप्तान के समर्थन से ही एक खिलाड़ी का करियर बनता या बिगड़ता है। आप चयनकर्ता और टीम प्रबंधन की बात कर सकते हैं लेकिन अगर आपके पास कप्तान का समर्थन नहीं है तो बाकी चीजें व्यर्थ है।

रिजिजू ने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ और उसके अध्यक्ष अजय सिंह के प्रयासों की सराहना की

मुक्केबाजों के दम पर ओलम्पिक में टॉप-10 में आएगा भारत: रिजिजू

भारत के रिकॉर्ड नौ मुक्केबाज टोक्यो ओलम्पिक के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं और केंद्रीय खेल मंत्री किरेन रिजिजू का मानना है कि मुक्केबाज ओलम्पिक की पदक तालिका में भारत को टॉप-10 में जगह दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

नई दिल्ली (वार्ता)। रिजिजू ने देश के शीर्ष मुक्केबाजों के साथ ऑनलाइन वीडियो बातचीत सत्र में मुक्केबाजों के प्रयासों को सराहते हुए कहा कि भारत को खेलों में एक ताकत बनाने और देश को ओलम्पिक पदक तालिका में शीर्ष 10 देशों में जगह दिलाने में मुक्केबाजों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। सत्र में छह बार की विश्व चैंपियन एमसी मैरीकॉम, एशियाई खेलों के स्वर्ण विजेता विकास कृष्णन, विश्व चैंपियनशिप के रजत विजेता अमित पंघल, पूजा रानी, सिमरनजीत कौर, लवलीना बोर्गोहैन, सतीश कुमार, मनीष कौशिक, हाई परफॉरमेंस डायरेक्टर सेंटियागो नियेवा, विदेशी कोच रफ़एल बरगामास्को, प्रमुख कोचों और स्टाफने हिस्सा लिया। रिजिजू ने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ और उसके अध्यक्ष अजय सिंह के प्रयासों की सराहना की कि उन्होंने कोरोना वायरस की संकटपूर्ण स्थिति के बावजूद ऑनलाइन कोचिंग सत्र के जरिये मुक्केबाजों और सपोर्टिंग स्टाफको व्यस्त रखा है। इस ऑनलाइन सत्र में 140 एलीट भारतीय मुक्केबाजों , कोचों और अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

भारतीय मुक्केबाजों ने टोक्यो ओलम्पिक के लिए रिकॉर्ड नौ कोटा स्थान हासिल कर लिए हैं जो उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारत ने 2012 के लंदन ओलम्पिक में 8 कोटा स्थान हासिल किये थे जिसे अब उसने 9 कोटा के साथ पीछे छोड़ दिया है। भारत ने 2016 के पिछले रियो ओलम्पिक में 6 कोटा स्थान हासिल किये थे। भारत ने महिला वर्ग के कुल पांच ओलम्पिक कोटा में चार हासिल कर लिए हैं और 57 किग्रा का कोटा अभी बाकी है।

सीमित ओवर क्रिकेट में विराट से आगे हैं रोहित: गौतम गंभीर

पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर का मानना है कि भारतीय सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा मौजूदा समय में सीमित ओवरों में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं और वह इस प्रारुप में टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली से काफी आगे हैं।

नई दिल्ली (वार्ता)। गंभीर हालांकि मानते हैं कि विराट करियर में रोहित से ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी होंगे। उन्होंने रोहित को सीमित ओवर क्रिकेट का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बताया लेकिन साथ ही कहा कि वह इस प्रारुप के ऑलटाइम सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज नहीं है। गंभीर ने स्पोटर्स तक से कहा,÷मेरे ख्याल से सीमित ओवर का खेल ऐसा होता है जिसमें प्रभाव दिखाने वाले खिलाड़ी ज्यादा सफल होते हैं। विराट निश्चित रूप से रोहित से ज्यादा रन बनाएंगे और वह फिलहाल सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं लेकिन रोहित ने जिस तरह खेल पर अपना प्रभाव छोड़ा है उसे देखते हुए वह अभी विराट से कहीं आगे हैं। उन्होंने कहा,÷मेरे ख्याल से रोहित सीमित ओवर की क्रिकेट में फिलहाल दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। हालांकि वह ऑलटाइम महान खिलाड़ी नहीं है लेकिन इस वक्त वह सर्वश्रेष्ठ हैं। वह एकमात्र ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने वनडे में तीन दोहरे शतक लगाए हैं, एक ही विश्वकप में पांच

पीएम आवास के पात्र हितग्राहियों को 5 माह के बाद भी नहीं मिली किस्त

नवप्रदेश संवाददाता

लवन। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना में शामिल प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को करीब 5 माह बीत जाने के बाद भी किस्त जारी नहीं होने के कारण पीएम आवास योजना गरीबों असहायो व बेसहारा लोगों के लिए गले की फांस बन गई है। पक्की छत का सपना सजाए गरीब, पात्रता के श्रेणी में आने के बाद भी बेघर हो गए हैं कई ऐसे हितग्राही है जो कच्ची झुग्गी झोपड़ी मकान को तोड़कर योजना के तहत पहली किस्त से नीव खोदकर बीम लेबल तक बना लिया गया तो कई साहूकारों से कर्ज लेकर छज्जा लेवल तक बना लिया हैं लेकिन दूसरी और तीसरी किस्त नहीं मिलने से खुले आसमान के नीचे जिंदगी गुजारने को मजबूर हैं ऐसे में हितग्राहियों को बरसात की चिंता अभी से ही सताने लगी है ।

जनपद पंचायत बलौदा बाजार क्षेत्र अंतर्गत नवीन ग्राम पंचायत धनगांव के शीतल प्रसाद मनहरे दुर्गा प्रसाद मनहरे संतुराम सतनामी दिलीप कुमार, मंगल सिंह, लहरी घृतलहरे को प्रधानमंत्री आवास के तहत मकान स्वीकृत हुआ है। जिसकी पहली किस्त 25 हज़ार रुपये करीब 5 माह पहले दिए गए थे। पहली किस्त आने पर हितग्राही कच्ची मकान को तोड़कर कोई बीम लेवल तो कोई छज्जा लेवल तक मकान बना लिया है। हितग्राहियों ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नियमों को पूरा करने के बावजूद भी किस्त नहीं भेजा जा रहा है। योजना के तहत उन्हें पक्की छत की आस नजर आने लगी थी और नए सिरे से पक्का मकान बनाने के लिए सरकार द्वारा निर्धारित राशि का लाभ मिलने की आश बंधी थी इसलिए पुराने कच्ची मकान को तोड़कर पक्की छत बनाने के सपने सजाए थे लेकिन 5 माह गुजर जाने के बाद भी दूसरी किस्त खाते में नहीं भेजने के कारण पक्की छत नहीं बन पाई । जिसको लेकर जनपद पंचायत पहुंचकर कर कई बार शिकायत की पर कुछ नहीं हुआ। हितग्राही संतुराम पिता लैंनदास ने बताया कि पीएम आवास के तहत मकान स्वीकृत होने पर कच्ची मकान को तोड़कर पहली किस्त मे मिले 25 हज़ार रुपये मे बीम लेवल तक मकान बना लिया है लेकिन 5 माह हो जाने के बावजूद भी दूसरी किस्त खाते में नहीं भेजी गई हैं जिसके चलते बुजुर्ग मां पत्नी और 3 बच्चों के साथ झिल्ली तानकर रहने को मजबूर हैं।

इस संबंध में जनपद पंचायत बलौदा बाजार के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी टीएस ठाकुर ने बताया कि पीएम आवास के लिए केंद्र सरकार द्वारा राशि जारी नहीं किया गए हैं पैसे के अभाव के कारण ही हितग्राहियों के खाते में राशि नहीं भेजे गए हैं द्य

इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आशुतोष पांडे ने चर्चा के दौरान बताया की पीएम आवास के हितग्राहियों के खाते में शीघ्र ही राशि भेजा जाएगा।

न्यूज गैलरी

कच्ची महुवा शराब के साथ एक बन्दी

भाटापारा। लाक डाउन में शराब नही मिलने से महुवा शराब उपलब्ध कराये जाने की सुचना पर ग्रामीण पुलिस ने ग्राम सिनोधा के एक युवक को पकड़कर उसके पास से 5 लीटर से ज्यादा की कच्ची महुवा शराब जब्त कर उसके खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की है। उपरोक्त सम्बन्ध में ग्रामीण थाना प्रभारी आई पी एस श्रीमती अंकिता शर्मा ने बताया की ग्राम सिनोधा के पुलिया के पास मोटर सायकल में एक युवक के द्वारा महुवा शराब बेचे जाने की सुचना पर ग्रामीण थाना प्रभारी दल बल के साथ वहा पहुँच कर युवक की मोटर सायकल में रखे सफेला के डिब्बे में छुपा कर रखी कच्ची महुवा शराब को जब्त किया गया। इस मामले में पुलिस ने आरोपी युवक गणेश उर्फ़ ज्ञानु चतुर्वेदी ग्राम सिनोधा को मोटर सायकल सहित पकड़कर उसके खिलाफआबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की है। इस कार्यवाही में प्रभारी अंकिता शर्मा,एएसआई कुबेर सिंह, शीतल बांधे,आरक्षक सतीश साहू,लोरिक शांडिल्य,दिनेश जांगडे,यसवंत साहू का योगदान रहा।

मुख्यमंत्री सहायता कोष में ग्रामीणों की भी भागीदारी

भाटापारा। विधानसभा के वरिस्ठ नेता सुनील माहेश्वरी की पहल पर ग्रामीण अंचल के आम जनता और किसान जागरूकता का परिचय देते हुए मुख्यमंत्री सहायता कोष में अपनी भागीदारी दे रहे है ,जिसके लिए इस पुनीत कार्य में दानदाताओं को कार्यकर्ता गण प्रेरित कर रहे है। कोविड 19 कोरोना वायरस जैसी अंतराष्टीय महामारी को पूरी तरह रोकने में सफल छत्तीसगढ़ सरकार के फंड में शहर के नागरिको के अलावा ग्राम के लोग भी अब अपनी भागीदारी निभाते हुए मुख्यमंत्री सहायता कोष में अपनी भागीदारी निभाते आ रहे है। आज किसानों एवं आम नागरिक से जुड़े ग्रामीणों में ग्राम खैरी क के ग्रामीणों ने मिलकर 11000 ,ग्राम खपरी एसके नरेंद्र श्रीवास द्वारा 1000 ,सुमा के भगत वर्मा एवं अजय वर्मा द्वारा 1000 रूपये का दान दिया है।

पंजीयन कार्यालय एवं मदिरा दुकानें खुली

भाटापारा। सरकारी दफ्तरों में आज से काम-काज शुरू हो गया। करीब डेढ़ महीने बाद कार्यालय खुल रहे हैं। राज्य सरकार के आदेश के तहत पंजीयन कार्यालय और मदिरा दुकानों को भी आज से खोल दिया गया है। कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल ने कोरोना नियंत्रण के तमाम उपायों का पालन करते हुये कार्यालय संचालित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने आज यहां अपने निवास कार्यालय में अधिकारियों की बैठक लेकर समीक्षा की है। एसपी श्री प्रशांत ठाकुर, अपर कलेक्टर श्री जोगेन्द्र नायक, एडिशनल एसपी निवेदिता पाल सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक में बताया गया कि मदिरा दुकानें सवेरे 8 बजे से शाम 4 बजे तक खुलेंगी। जिले में कुल 36 मदिरा दुकानें हैं। मदिरा दुकानों पर साबुन से हाथ धोने एवं सेनिटाईजर की व्यवस्था रहेगी। दुकान के सेल्समेन एवं ग्राहकों को मास्क अथवा चेहरा ढकने एवं सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करना होगा। पंजीयन कार्यालयों में दस्तावेज पंजीयन के कार्य भी कल से शुरू हो जाएंगे। जिला मुख्यालय स्थित पंजीयन कार्यालय सभी शासकीय कार्य-दिवस में खुले रहेंगे जबकि तहसील मुख्यालय के ऑफिस बुधवार और शुक्रवार को पंजीयन कार्य होगा।

लॉकडाउन के चलते दुकाने बंद व्यापारियों ने की कलेक्टर से अपील

कवर्धा। कंडरेशन ऑफआल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने प्रशासन से व्यापारियों की आर्थिक हालत पर संवेदनशील निर्णय लेने की अपील की है। कैट के कवर्धा इकाई के आकाश आहूजा ने बताया कि लगातार लम्बे समय तक दुकानें बंद रहने से व्यापारियों की हालत बद से बदतर होती जा रही है, उन्हें इस स्थिति से उबरने में लंबा समय लगेगा और इसमे भी संदेह नही कि ना जाने कितने व्यापारियों का व्यापार खत्म भी हो जाएगा, ऐसे में केंद्र और राज्य की सरकार की तरफ व्यापारियों की निगाहें है कि उन्हें किसी प्रकार की सहायता, आर्थिक पैकेज मिल सके। देश की अर्थव्यवस्था में व्यापारियों का बहुत बड़ा योगदान होता है।

जाम छलकाने से पहले कोई यहां गिरा, कोई वहां गिरा

मदिरा प्रेमियों के लिए की गई उचित व्यवस्था, सेनेटाईजर व सोशल डिस्टेंसिंग का रखा पूरा ध्यान

■ **राशन दुकान से ज्यादा लंबी लाइने लगी शराब की दुकान में, जवानो के छुटे पसीने**

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। शराब बिक्री को लेकर सोशल मीडिया में दिन भर चर्चाएं चलती रही। वहीं दोपहर से ही मदिरा प्रेमी इधर-उधर गिरते पडते भी नजर आए। तो इसके साथ ही मदिरा प्रेमियों ने मदिरा खरीदते समय सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान भी रखा, लेकिन कुछ शराब भठ्ठीयों में पुलिस के जवानो को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने में बडी मशक्कत भी करनी पडी। कई लोगो का कहना था कि राशन दुकान में इतनी लंबी लाइने देखने को नही मिलती जितना की इस शराब के दुकान मे लगा हुआ है।

ज्ञात हो कि लॉकडाउन के चलते लगभग 42 दिनों से मदिरा की दुकान पर ताला लटकता रहा, लेकिन मदिरा प्रेमियों की चाहत दिन-ब-दिन बढ़ती रही और वे इंतजार करते रहे। आखिरकार कब मधुशाला का पट खुले और वे अपने गले को तर कर सके। लंबी इंतजार की घड़ी तो समाप्त हो गई पर मधुशाला के पट खुलने के पहले ही मदिरा प्रेमियों की लंबी लाइनें सड़कों पर लगने लगी। पुलिस के जवान सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने डटे रहे। वहीं सोशल डिस्टेंसिंग के बीच मदिरा प्रेमियों ने नियमों का पालन करते हुए शराब खरीदा। कुछ प्रेमियों का कहना था कि शराब की कीमतों को बढ़ा दिया गया है। लॉकडाउन से पहले 60 रूपए में मिलने वाली प्लेन की शराब मार्च माह में जहां 70 हुआ था, वहीं अब 80 रुपए के दाम में बिक रहे हैं। फिर भी मदिरा प्रेमियों की लाइनों में कमी नहीं देखी गई। बल्कि यह लाइनें बढ़ती ही जा रही थी। लाइनों में खड़े लोग 2 से 3 घंटे तक इंतजार करते रहे इसी बीच एक दो लोग तेज धूप के कारण चक्कर खाकर गिर भी गए। तो इसके साथ ही कुछ शराब पीकर सड़कों पर पड़े रहे। मदिरा की चाह में कई लोग इंतजार ही नहीं कर पा रहे थे उनका कहना था कि कितना धीरे-धीरे शराब दे रहे हैं वही शराब दुकान खुलने से बहुत से लोगों ने सोशल मीडिया के माध्यम से विरोध भी जताया है।

देशी शराब का रेट निर्धारित सुबह से ही लगी रही भीड़

भाटापारा। जिले की सभी मदिरा दुकानें लगभग डेढ़ महीने की तालाबंदी के बाद आज फिर से खुल गई,इन दुकानों को सवेरे 8 बजे से शाम 4 बजे तक कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने का निर्देश् देते हुए खोलने कहा गया है। शराब दुकान खुलने की जानकारी के बाद शहर की दोनों प्रमुख शराब दुकानों में बहुत ज्यादा भीड़ नजर आई जहा लाक डाउन पूरी तरह खुला नजर आया।

■ **मसाला बोतल - 320,अद्धी - 170,पाव -90 उसी तरह प्लेन -**

■ **बोतल - 280अद्धी -150**

■ **पाव -80 रूपये निर्धारित किये गए है।आबकारी अधिकारी ने मदिरा दुकान में संशोधित दर वॉल राइटिंग अवश्य करने के निर्देश दिए हैं।**

नगर के दोनों प्रमुख शराब दुकानों में पहले दिन ही भीड़ ही भीड़ नजर आई। शराब लेने आये लोगो के बीच ना कोई शोसल डिस्टेटिंग दिखी और ना ही सभी के मुँह में मास्क बंधा नजर आया। सुरखी रोड और धौरा भाठा की शराब दुकानों की भीड़ को देखने उनको नियंत्रित करने कही कोई दिखाई नही दिया,दुकानों का नजारा देखने के बाद यहाँ पर कही भी धारा 144 का पालन होते नही दिखा,अगर यही हाल आगे भी रहा तो भगवान ही इस जिले को बचा सकता है।इस बीच शराब के नए रेट भी निर्धारित कर दिए गए है और सेल्समेनो को सख्त हिदायत देते हुए नए रेट से ज्यादा में शराब ना बेचने को कहा गया है।आबकारी अधिकारी श्री नवीन प्रताप सिंह तोमर ने बताया कि कोविड-19 की रोकथाम के लिए अधोसंरचना के उन्नयन हेतु देशी मदिरा के मूल्य में प्रति बोतल 10 रुपए की वृद्धि की गई है ।

राज्य की सीमा पर तीन पालियों में हो रही निगरानी, सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम

बोड़ला। छत्तीसगढ़ में कोरोना वाइरस को लेकर मध्यप्रदेश की सीमा में चिल्फी से करीब 12 किलोमीटर दूर ग्राम धवईपानी में चैबीसों घंटे प्रशासन की तीन विभाग की टीम द्वारा तीन पालियों में सजग रहकर अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन मुस्तैदी के साथ कर रहा है। राज्य की सीमा पर निगरानी कर रहे टीम के नोडल अधिकारी अमन चतुर्वेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि कलेक्टर के निर्देशानुसार एस.डी.एम विनय सोनी के मार्गदर्शन में सीमा पर सत्त निगरानी कर आवागमन करने वाले व्यक्तियों की स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा रूटीन जांच व स्क्रेनिंग किया जा रहा है, पुलिस विभाग की टीम द्वारा नाम पता व आने जाने के कारण आदि की पुख्ता जांच कर भोजन व्यवस्था में जुटे अन्य विभाग की टीम द्वारा लोगों के खाने पीने की जानकारी लेकर उनके लिए तय स्थान की जानकारी देकर खाने पीने की व्यवस्था की जा रही है।

राजाढार में रूकने व खाने की व्यवस्था

कारोना वाइरस को लेकर रोकथाम में लगे प्रशासन की टीम द्वारा राहगीरों के लिए राजाढार के ग्राम पंचायत भवन में 24 घंटे खाने पीने और आराम करने की व्यवस्था की गयी है। ड्यूटी में कार्यरत स्वास्थ्य अमला की टीम के डाक्टर मुकेश खूंटे, चंद्रकांता मांडले एमएलटी, प्रकाश गुप्ता फार्मासिस्ट ने बताया कि स्क्रिनिंग व उचित मेडिकल जांच के उपरांत कोटवारिन देवकुमारी के द्वारा आने जाने वाले लोगों को मिक्चर बिस्किट पानी और भोजन के लिए नियत स्थान में ले जाकर भोजन करवाया जा रहा है।

भाटापारा का बाजार खुला, सभी दुकानों में बेतहाशा भीड़

भाटापारा।जिले का सबसे बड़ा नगर सोमवार को गुलजार हुआ। लगभग 40 दिनों बाद खुले बाजार में सभी और भीड़ ही भीड़ नजर आई।अधिकांश स्थानों में ना तो 144 धारा का भय, ना ही शोसल डिस्टेटिंग दिखी और ना ही दुकानों में दुकान दार और ग्राहक मास्क लगा कर दिखे। पहले दिन ही सब कुछ अस्त व्यस्त सा नजारा देखने को मिला। नगर में पान दुकान,सेलून और होटल को छोड़कर प्रायः सभी प्रकार की दुकान,शो रूम लाक डाउन के चलते लगभग 40 दिनों के बाद खुल गए। सोमवार से बाजार खुलने की हलचल के बाद आज नगर के सभी प्रमुख बाजारों,सड़को पर भीड़ का नजारा देखने को मिला। अपने अपने साधनो से आये लोगो ने कपडा दुकानों,फर्नीचर शो रूम और ज्वेलरी दुकानों में अच्छी ख़ासी खरीद दारी की। इतनी ज्यादा भीड़ की उम्मीद पहले दिन तो नही थी लेकिन इतने सारे लोगो ने एकत्रित होकर एक बार फिर प्रशासन को कुछ सोचने पर पर मजबूर कर दिया है। वैसे भी इस शहर में धान मण्डी लगभग 25 दिनों से खुली हुई है जहा आधा दर्जन जिले के किसान अपनी फसल बेचने आ रहे है जिससे भी लोग पहले से ही शंशय में है और उधोग धंधे भी चल रहे है ।

दुकानदार नही करा सके फिजिकल दूरियां

दुकान में आये ग्राहकों को जल्दी सामान देने की हड़बड़ी में अनेक दुकानों में लोग एकत्रित होते चले गए। दुकानदार संबंधो के चलते ना तो किसी को जाने बोल सकता था और ना ही आपस में दूरियां बनाकर रखने को बोल पाया। ऐसा नजारा आज शहर में देखने को मिला।

लोक कलाकारों की भी सुध ले सरकार

बालोद। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री और उनकी सरकार तथा प्रशासन तंत्र पूरी मुस्तैदी से महामारी कोरोना वायरस से प्रदेश के जन जन को बचाने का हर संभव प्रयास कर रही है ।तथा हर वर्ग का सहयोग और सहायता प्राप्त हो रहा है ।इसी क्रम में इस प्रदेश के हजारों लोक कलाकारों को भी इस विषम परिस्थिति में आर्थिक सुविधा प्रदान करने की आवश्यकता है ।उक्त बातें कला-परम्परा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ डी पी देशमुख ने एक विज्ञप्ति में कही है।

उन्होंने आगे कहा कि कोरोना के कहर से देशव्यापी लॉक डाउन के कारण राज्य के लाखों लोक कलाकार गंभीर आर्थिक स्थिति से जूझ रहें है,नवरात्रि पर्व,शासकीय पर्व-उत्सव एवम वैवाहिक कार्यक्रमो में लगे प्रतिबंध के कारण कला प्रदर्शन कर अपना जीविकोपार्जन करने वाले कलाकार मूक दर्शक होकर राज्य शासन की ओर आशा भरी निगाह से देख रहे कि राज्य के जनमानस को दिए जा रहे सहयोग की भांति कलाकारी पर आश्रित कलाकारों की भी शासन सुधि ले। लोककलाकारों का राज्य स्तरीय संगठन न होने के कारण शासन के समक्ष अपनी पीड़ा एकजुटता से रखने में असमर्थ हैं जिसके फलस्वरूप गंभीर रोजी- रोटी की समस्या आ पड़ी हैं, निकट भविष्य में कला प्रस्तुति होने की कोई संभावना नहीं दिख रही है,जिससे राज्य के लाखों कलाकारों का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। उक्त संदर्भ में प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नाम एक ज्ञापन बालोद अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती सिल्ली थामस को सौंपी गई , जिसमें मुख्यमंत्री से निवेदन किया गया की बालोद जिला सहित प्रदेश के विभिन्न ग्रामों अंचलों में निवासरत लोक कलाकारों को आर्थिक सहयोग प्रदान करने की दिशा में पहल करें ।

जिनकी कला में माटी की महक

कला परम्परा के जिला प्रतिनिधि अरमान अश्क ने कहा कि वास्तव में लोक कलाकार जितनी शिद्दत से अपनी माटी का गुणगान करते हैं उसके एवज में उन्हें कुछ भी तो नहीं मिलता । महज सम्मान के भूखे इन लोक कलाकारों की सुध , आज इस विषम परिस्थिति में लेने की आवश्यकता है। प्रदेश सरकार यदि इन लोक कलाकारों को आर्थिक रूप से सहयोग प्रदान करती है तो यह उनके लिए सर्वोच्च इनाम होगा।

न बाजा, न बराती, सिर्फ रहे घराती, लॉकडाउन के बीच हुई पहली शादी

कवर्धा। 42 दिनो से ज्यादा समय लॉकडाउन को हो चुके है। इसी बीच अनुमति लेकर लॉकडाउन के बीच नगर मे रविवार को पहली शादी हुई। इस विवाह मे न बैंड, न बाजा और न ही बराती सिर्फनजर आए कुछ घराती। महज 20 लोगो की उपस्थिति मे मास्क पहनकर वर-वधु ने फेरे लिए। शादी इतनी शांति से हुई कि पडोसियों को भी खबर नही लगी। ज्ञात हो कि नगर पंचायत पंडरिया के श्रवण सोनी की पुत्री श्रुति सोनी की शादी डेढ माह पहले महासंमुद निवासी नागेश पिता संतराम सोनी के साथ तय हुई थी, लेकिन लॉकडाउन के कारण विवाह रूका हुआ था। परिवार ने करीब महीने भर तक लॉकडाउन हटने का इंतजार किया। आखिरकार अनुमति मिलने पर रविवार को शादी कराई। लडकी के पिता श्रवण सोनी ने बताया कि उन्हे विवाह के लिए 1 मई को रात 08 बजे की अनुमति मिली, जिसके बाद वर पक्ष को सूचना देकर एक दिन मे शादी की तैयारी की गई। विवाह मे 20 लोगो को ही अनुमति मिलने के कारण परिवार के लोग ही शामिल हुए। लॉकडाउन के कारण 08 बहन व 03 बुआ भी नही पहुंच पाई। केवल रस्म के लिए अनिवार्य लोग ही शादी मे शामिल हुए। विवाह मे शामिल पंडित, दूल्हा-दुलहन समेत सभी ने लॉकडाउन के नियमों को पालन किया। मास्क लगाकर सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए विवाह हुआ। रविवार को सुबह 11 बजे बरात पहुंची। जिन्हे बकायदा जेवनासा में ठहराया गया। और शादी सादगी पूर्ण हुई।

सीमा क्षेत्र के बाहर मजदूरों को रखे जाने कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

पिपरिया। पिपरिया नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 02 के पार्शद विक्की अग्रवाल ने जिलाधीश के नाम लॉकडाउन के चलते वाट्सअप के माध्यम से ज्ञापन देते हुए कहा कि वर्तमान मे छत्तीसगढ शासन द्वारा ऐसे व्यक्ति/श्रमिको जोकि जीविकोपार्जन व अन्य कार्यो से दूसरे राज्य मे गये हुए थे उन्हे विभिन्न संसाधनो के माध्यम से एंव व्यक्तियों द्वारा स्वंय से विभिन्न माध्यम से अपने-अपने स्थान आना प्रारंभ कर दिये गये है। तद्संबंध मे नगर पंचायत पिपरिया अंतर्गत वार्ड क्रमांक 15 शासकीय माध्यमिक शाला को जिला प्रशासन द्वारा गठित टीम प्रवासी व्यक्तियों/मजदूरो के ठहरने के लिए चयनित किया गया है। चयनित स्कूल शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला नगर से लगा हुआ है, स्कूल से लगे हुए शासकीय कार्यालय नगर पंचायत आफिस, उपतहसील, कृशि उपज मंडी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, विद्युत विभाग तथा शराब दुकान के बीचो-बीच निर्मित है और यह स्कूल मुख्य मार्ग मे निर्मित होने से लगातार लोगो का आवागमन व किसानो का कृशि से आवागमन कार्य निरंतर चलने लगा है, तथा स्कूल परिसर मे निर्मित शौचालय पूरी तरह से जर्जर हो गये है एंव कक्ष (फ्लोरिंग) भी पूरी तरह से जर्जर हो गये है। जिससे प्रवासी व्यक्तियों का उक्त स्थल में ठहराने से किसी भी कारणवश कोरोना वायरस फैलने लगातार संभावना बने रहने की आशंका रहेगा। जिसके चलते प्रवासी व्यक्तियो/मजदूरो को निकाय सीमा क्षेत्र के बाहर निर्मित शासकीय महाविद्यालय मे ठहरने के लिए चिन्हांकित/प्रस्तावित करने की मांग की गई है।

रेंगाखार कला, चमारी, सुतिया, तितरी एवं समनापुर को कंटेन्मेंट जोन घोषित

कवर्धा। कलेक्टर ने कबीरधाम जिले के समनापुर और रेंगाखार कला क्षेत्र में कोरोना वायरस कोविड-19 के 6 पॉजेटिव मरीज पाए जाने पर विकासखण्ड बोड़ला के गांव रेंगाखार कला, चमारी, सुतिया (वन गांव), तितरी एवं समनापुर को कंटेन्मेंट जोन घोषित किया है। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) के प्रसार को रोकने तथा इस पर नियंत्रण के लिए गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी आदेश के तहत कंटेन्मेंट जोन के लिए प्राप्त दिशा-निर्देश अनुसार विभिन्न गतिविधियॉ निर्धारित हैं। कंटेन्मेंट जोन में गतिविधियां में सख्त परिधि नियंत्रण, प्रवेश एवं निर्गमन केन्द्र की स्थापना, आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं तथा आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था, बिना जांच के किसी भी व्यक्ति एवं परिवहन सुविधा प्रतिबंधित, कन्टेंमेंट जोन में बाहर आने एवं जोन से बाहर जाने वाले व्यक्तियों का विस्तृत जानकारी संधारण करने के लिए कहा गया है। कन्टेंमेंट जोन पर इस कार्यालय से जारी आदेश अनुमति, छूट, लागू नहीं होंगे। इन सभी निर्धारित गतिविधियों पर सर्व संबंधित विभाग निगरानी, कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

ग्रीष्मावकाश में ऑनलाइन क्लास का संघ ने किया विरोध, बताया अव्यवहारिक

कवर्धा। स्कूलों में 1 मई से ग्रीष्मावकाश प्रारंभ हो चुका है। किन्तु इस लाकडाउन अवधि में ऑनलाइन क्लास चल रही है। गर्मी की छुट्टी में ऑनलाइन क्लास का शालेय शिक्षाकर्मी संघ ने विरोध किया है। संघ ने ऑनलाइन क्लास को अभी स्थगित कर आवश्यकतानुसार नए सत्र में नए सिरे से शुरुआत करने की मांग की है। गौरतलब है कि बच्चे और पालक इस बात से हलाकान हैं कि जब शिक्षा सत्र पूरा बीत गया है। कोर्स पूरे हो चुके हैं। वार्षिक परीक्षाएं भी कमोवेश सम्पन्न हो चुके हैं। जिनकी परीक्षाएं नही हुई उनका जनरल प्रमोशन कर दिया गया है। फिर ये रोज रोज ऑनलाइन क्लास की बाध्यता क्यों की जा रही है। जानकारों का मानना है इससे बच्चों का बचपना छीना जा रहा है। वर्चुअल क्लास के चक्कर मे उन्हें घण्टो मोबाइल और लैपटॉप के स्क्रीन पर नजर गड़ाये रखने को मजबूर किया जा रहा है। शालेय शिक्षाकर्मी संघ के जिलाध्यक्ष शिवेंद्र चंद्रवंशी व प्रदेश प्रवक्ता गजराज सिंह राजपूत ने इस विषय पर चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि शासन की यह महत्वाकांक्षी योजना दूरदर्शी है और प्रासंगिक भी है, किंतु इसका ग्रीष्मावकाश में प्रयोग किया जाना अव्यवहारिक है। वैसे भी कोर्स कम्प्लीट करने जैसा कुछ भी नही है। क्योंकि ये शिक्षा सत्र समाप्त हो चुका है। सबका जनरल प्रमोशन किया जा चुका है।

न्यूज गैलरी

एक से ज्यादा कार हैं तो किलोमीटर बीमा प्रीमियम चुकाना फायदेमंद

नई दिल्ली। देशभर में लॉकडाउन खुलने के बाद बीमा कंपनियां गाड़ी की किलोमीटर के अनुसार प्रीमियम भुगतान का विकल्प देने की तैयारी कर रही है। यानी आप जितनी गाड़ी चलाएंगे उसी अनुसार बीमा का प्रीमियम भुगतान करना होगा। इसके मुताबिक 2500, 5000 और 7500 किलोमीटर में से कोई एक चुनने का विकल्प है। इसके लिए बीमा कंपनियां 10 से 25 प्रतिशत की छूट पॉलिसी खरीदने पर ऑफर कर रही हैं बीमा कंपनियों ने इस पॉलिसी को 'पे एज यू ड्राइव' नाम दिया है। यानी आप महीने में जितनी किलोमीटर गाड़ी चलाते हैं उसी अनुसार प्रीमियम का भुगतान करें। इस नई पॉलिसी के बारे में बीमा क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि यह पॉलिसी उनके लिए ज्यादा फायदेमंद है जो एक से अधिक गाड़ी के मालिक हैं। बीमा कंपनियों ने तीन स्लैब में गाड़ी के किलोमीटर के अनुसार प्रीमियम चुकाने का विकल्प दे रही हैं। ग्राहक अपने उपयोग की जरूरत के अनुसार तीन स्लैब 2500 किमी, 5000 किमी और 7500 किमी में से कोई एक विकल्प चुन सकता है। इस उत्पाद के तहत, ग्राहक एक वर्ष की अवधि के लिए वाहन की तय की जाने वाली अनुमानित दूरी के बारे में पहले बताना होता है। उसके आधार पर कंप्यूरीकृत प्रणाली से प्रीमियम की राशि तय की जाएगी।

चीन को पछाड़ने की तैयारी में भारतीय वाहन उद्योग

नई दिल्ली। भारतीय वाहन उद्योग लॉकडाउन के बाद चीनी ऑटो सेक्टर को पछाड़ने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए भारतीय वाहन उद्योग जल्द से जल्द चीनी ऑटो पाट्र्स पर निर्भरता खत्म करने की योजना बना रहा है। वाहनों के कलपुर्जे बनाने वाली कंपनियों के संगठन ऑटोमोटिव कम्पोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एक्मा) के महानिदेशक विन्नी मेहता ने 'हिन्दुस्तान' को बताया कि चीनी ऑटो पाट्र्स पर निर्भरता खत्म करने की हमने तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए एक्मा और देश की सभी बड़ी वाहन कंपनियों के बीच कई दौर की वार्ता हो चुकी है। हमने टाटा, मारुति, महिंद्रा और दूसरी वाहन कंपनियों से उनकी जरूरतों के बारे में जाना है। चीन से 1000 विदेशी कंपनियां सरकार के भारत में अपनी फैक्ट्रियां लगाने पर वार्ता कर रही हैं। करीब 300 मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, मेडिकल डिवाइसेज और टेक्सटाइल्स की कंपनियां भारत में फैक्ट्री लगाने को पूरी तरह से मूड बना चुकी हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय, नीति आयोग और डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड चीन से भारत में आने वाली कंपनियों को प्रोत्साहन देने की योजना पर काम कर रहे हैं।

भुजिया के दो पैकेट को ट्रैक करने के चक्कर में खाते से 2.25 लाख रुपये साफ

मुंबई। 400 रुपये के भुजिया दो पैकेट को ट्रैक करने के चक्कर में 40 साल के एक बिजनेसमैन को साइबर ठगों ने 2.25 लाख रुपये का चूना लगा दिया। दरअसल से शख्स ने स्नैक्स ऑर्डर ट्रैक करने के लिए गलती से फेक हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर दिया और अपना बैंक डिटेल्स भी साझा कर दिया। मामला महाराष्ट्र के मुंबई के बो?रीवली इलाके का है। मुंबई के बो?रीवली पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता ने उन्हें 2 मई को संपर्क किया और एफआईआर दर्ज करवाया। उन्होंने बताया कि 22 अप्रैल को एक वेबसाइट से ऑनलाइन ग्रोसरी ऑर्डर किया था। उन्हें ऑर्डर किए गए सभी सामानों की डिलीवरी मिल गई, लेकिन 400 रुपये की कीमत वाली दो भुजिया पैकेट नहीं मिल सकी।

हिंदुस्तान टाइम्स ने अपनी एक रिपोर्ट में एक साइबर क्राइम एक्सपर्ट के हवाले से लिखा कि ठग शिकायतकर्ता के डिवाइस पर यूपीआई अकाउंट सेटअप करने में सफल रहा। इसके लिए उसे बैंक अकाउंट नंबर, ष्टङ्क्ङ, क्व्ह्व पिन और ह्ज्ञक्क आसानी से मिल गया. उसके पास कार्ड डिटेल्स भी थे, जिसकी मदद से वो आसानी से अकाउंट साफ करने में सफल हो गया। लोगों को अपने ह्ज्ञक्क और ष्टङ्क्ङ जैसी संवेदनशील जानकारियां किसी से भी साझा नहीं करना चाहिए।

महाराष्ट्र साइबर पुलिस के डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल हरीश बैजल ने कहा, 'ऐसे मामलों में इस बीच इजाफा हुआ है। लॉकडाउन में ठग लोगों को चूना लगाने के लिए नए तरीके इजाद कर रहे हैं. लोगों को सावधान रहना होगा। हम इसपर लगातार एडवाइजरी जारी करते रहते हैं और ट्विटर हैंडल के जरिए जागरुक करते रहते हैं।

ऐसे हुआ ठगी का शिकार

इस शख्स ने 1 मई को गूगल से ग्रोसरी वेबसाइट का ऑनलाइन हेल्पलाइन नंबर खोजकर कॉल किया जो? फर्जी नंबर था। इस नंबर को किसी साइबर ठग ने अपलोड किया था। कॉल पर ठग ने इस शख्स से बैंक अकाउंट नंबर, रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर और उनके ञ्जरूकार्ड का 3 डिजिट वाला ष्टङ्क्ङ नंबर मांगा। इसके बाद ठग ने उनके मोबाइल नंबर पर एक लिंक भेजा और इसे दूसरे मोबाइल नंबर पर फॉरवर्ड करने को कहा। इसके बाद उसने शिकायतकर्ता से क्वह्व पिन और ह्ज्ञक्क मांगा। इसके 2 घंटे के अंदर ही उनके खाते से 2.25 लाख रुपये निकाल लिया गया।

सिल्वर लेक पार्टनर्स ने रिलायंस जियो में 5,655.75 करोड़ रुपये का किया निवेश

मुंबई। अमेरिका की निजी इक्विटी दिग्गज कंपनी सिल्वर लेक पार्टनर्स ने रिलायंस के जियो प्लेटफॉर्म में एक फीसदी की हिस्सेदारी 5,655.75 करोड़ रुपये में खरीदी है। यह डील ऐसे समय पर हुई जब दो हफ्ते से भी कम समय पहले फेसबुक ने जियो में 9.99 फीसदी की हिस्सेदारी खरीदी थी। बता दें कि हाल ही में मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज की कंपनी रिलायंस जियो में अमेरिकी सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक ने निवेश किया था। फेसबुक ने रिलायंस जियो की 9.99 फीसदी हिस्से को 5.7 बिलियन यानि 43,574 करोड़ रुपये में खरीदने के लिए समझौता किया था। लॉकडाउन के दौरान इसे पूरी दुनिया में होने वाली सबसे बड़ी डील के तौर पर देखा जा रहा था।

रिलायंस जियो ने इस डील पर जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि कोविड 19 महामारी के कारण हुए गंभीर आर्थिक संकट के मद्देनजर विश्व स्तर पर और विशेष रूप से भारत के भीतर सिल्वर लेक से हुई यह डील भारतीय अर्थव्यवस्था के पुनरोद्धार का एक महत्वपूर्ण घटक होगा। सिल्वर लेक के साथ डील पर टिप्पणी करते हुए रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा, 'सिल्वर लेक फर्म का दुनिया भर की बड़ी-बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों के साथ पार्टनरशिप का शानदार रिकॉर्ड रहा है। टेक्नोलॉजी और फाइनेंस के मामले में सिल्वर लेक कंपनी काफी लोकप्रिय है।'

वहीं सिल्वर लेक के सह-सीईओ और मैनेजिंग पार्टनर एगॉन डरबन ने इस डील पर खुशी जताते हुए कहा कि रिलायंस जियो दुनिया की बेहतरीन कंपनियों में से एक है। इसे मजबूत मैनेजमेंट और बेस्ट टीम के जरिए चलाया जा रहा है। कंपनी बड़े पैमाने पर ग्राहकों और छोटे कारोबारियों के लिए कम लागत वाली डिजिटल सेवाएं देती है। ऐसे में इस बाजार में संभावनाएं बहुत अधिक हैं।

फेसबुक से ज्यादा महंगी डील

सिल्वर लेक की यह डील फेसबुक डील के मुकाबले ज्यादा वैल्यूएशन पर हुई है। यह निवेश छ्वद्बश प्लेटफॉर्म्स पर 4.90 लाख करोड़ रुपये के इक्विटी मूल्य और 5.15 लाख करोड़ रुपये की इंटरप्राइजेज वैल्यू है। यह डील फेसबुक सौदे के मुकाबले 12.5 प्रतिशत ?? प्रीमियम पर हुई है। टेक्नोलॉजी से जुड़ी कंपनियों में निवेश करने के मामले में यह दुनिया की दिग्गज कंपनियों में शामिल सिल्वर लेक टेक्नोलॉजी ने 2013 में कंप्यूटर बनाने वाली कंपनी डेल का अधिग्रहण किया था। सिल्वर लेक का कंबाइंड्र रू (एसेट्स अंडर मैनेजमेंट) 43 अरब डॉलर का है। कंपनी ने करीब 100 से ज्यादा इनवेस्टमेंट किए हैं और इसके अधिकारी सिलिकॉन वैली, न्यूयॉर्क, हॉन्गकॉन्ग और लंदन में मौजदू हैं।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में अब तक की सबसे बड़ी गिरावट

नई दिल्ली। पूरे देश में लॉकडाउन के कारण गत अप्रैल में देश के विनिर्माण क्षेत्र में अब तक की सबसे बड़ी गिरावट देखी गई और आईएचएस मार्किट द्वारा जारी खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) लुढ़ककर 27.4 रह गया। आईएचएस मार्किट माह दर माह आधार पर विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के आंकड़े जारी करता है। सूचकांक का 50 से ऊपर रहना वृद्धि और इससे नीचे रहना गिरावट को दर्शाता है, जबकि 50 पर होना स्थिरता दिखाता है। सूचकांक 50 से जितना अधिक नीचे गिरता है वह उत्पादन में उतनी बड़ी गिरावट को दर्शाता है। अप्रैल महीने की गिरावट कितनी बड़ी है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 2009 की वैश्विक आर्थिक मंदी के दौरान भी देश का विनिर्माण पीएमआई करीब 44 तक ही लुढ़का था। अप्रैल में भारतीय विनिर्माण उत्पादन में अभूतपूर्व गिरावट देखी गई। कोरोना वायरस 'कोविड-19' महामारी का संक्रमण रोकने के लिए लगाये गये राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के कारण कारोबार बंद रहने से ऐसा हुआ। आईएचएस मार्किट के अर्थशास्त्री इलिअट केर ने रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उत्पादन, नये ऑर्डर, मांग और रोजगार में गिरावट के बीच एक सकारात्मक पहलू यह है कि अगले एक साल के परिदृश्य को लेकर कारोबारियों की धारणा आशापूर्ण है।

कोरोना पर चीन की चालबाजी

दुनिया को अंधेरे में रखकर अपनी तैयारी करता रहा

वाशिंगटन। अमेरिका ने आयात-निर्यात का आंकड़ा निकाला है और बताया है कि कैसे चीन ने निर्यात घटा दिया और आयात बढ़ा दिया ताकि उसके पास सबकुछ पहले से जमा हो जाए। अमेरिका यह कह रहा है कि चीन को पता था कि कोविड 19 की वजह से स्थिति विकराल होने जा रही है, लेकिन उसने दुनिया को नहीं बताया और अपनी तैयारी करता रहा दुनिया को अंधेरे में रखकर। आकलन में कहा गया है कि चीन कोरोना वायरस की गंभीरता को कमतर बताता रहा और इस दौरान उसने चिकित्सीय आपूर्तियों का आयात बढ़ा दिया जबकि निर्यात को घटा दिया।

यह खुलासा ऐसे समय में हुआ है जब ट्रंप प्रशासन लगातार चीन की आलोचना कर रहा है। विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने रविवार को कहा कि बीमारी के प्रसार के लिए चीन जिम्मेदार है और उसे इसके लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि चीन ने कोरोना वायरस के प्रकोप के पैमाने और बीमारी के अति संक्रामक होने की बात इसलिए छुपा के रखी ताकि वह इससे निपटने के लिए जरूरी मेडिकल इक्यूपमेंट की जमाखोरी कर सके। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि चीन ने लगभग पूरी जनवरी विश्व स्वास्थ्य संगठन को यह सूचना नहीं दी कि कोरोना वायरस ÷संक्रामक÷ है ताकि वह विदेशों से चिकित्सा सामग्रियां मंगा सके और इस दौरान फेस मास्क, सर्जिकल गाउन और दस्तावेजों का उसका आयात तेजी से बढ़ा था। रिपोर्ट के मुताबिक ये परिणाम 95 प्रतिशत संभावना पर आधारित हैं कि आयात एवं निर्यात नीति में चीन के बदलाव सामान्य नहीं थे। खुफिया दस्तावेजों में यह जानकारी सामने आई है. एजेंसी को मिले गृह सुरक्षा मंत्रालय के चार पन्नों वाले दस्तावेज के मुताबिक चीन के नेताओं ने जनवरी की शुरुआत में दुनिया से वैश्विक महामारी की गंभीरता जानबूझकर छिपाई।

सबसे ज्यादा गिरावट प्राइवेट बैंक, मेटल इंडेक्स और फाइनेशियल सर्विसेस इंडेक्स में

सेंसेक्स 2000 अंक से ज्यादा लुढ़का, निफ्टी भी धड़ाम

नई दिल्ली। कमजोर विदेशी संकेतों से बाजार में भारी दबाव देखने को मिल रहा है। वहीं आज शेयर बाजार गुरुवार को आए रिलायंस के नतीजों पर पहली प्रतिक्रिया दे चुका है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स में इस साल की चौथी बड़ी गिरावट है। दोपहर तक यह 1842 अंकों का नुकसान झेलकर 31,874.85 के स्तर पर था तो वहीं निफ्टी भी 532.20 अंकों का गोता लगाकर 9,327.70 के स्तर पर था। बाजार की इस गिरावट में निफ्टी के फार्मा इंडेक्स को छोड़कर सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में कामकाज कर रहा है। सबसे ज्यादा गिरावट प्राइवेट बैंक, मेटल इंडेक्स और फाइनेशियल सर्विसेस इंडेक्स में देखने को मिल रही है। वहीं रुपया शुरुआती आंकड़ों के हिसाब से डॉलर के मुकाबले 64 पैसे टूटकर 75.73 पर बंद हुआ। आज शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ खुला। सेंसेक्स आज 969 अंकों की गिरावट के साथ 32748 के स्तर पर खुला। आज सेंसेक्स में सनफार्मा को छोड़कर सभी स्टॉक लाल निशान पर हैं, वहीं निफ्टी 50 में 47 शेयर नुकसान के साथ कारोबार कर रहे हैं।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा कि पूंजी और बांड बाजार से जुड़े सेवाप्रदाता लॉकडाउन (बंद) की बढ़ी अवधि में भी काम करते रहेंगे। सरकार ने देश में बंद को 17 मई तक बढ़ा दिया है। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को देशभर में बंद को चार मई के बाद दो हफ्ते और बढ़ाने की घोषणा की। बंद के दौरान अंतरराज्यीय परिवहन, हवाई और रेल यात्राएं निलंबित रहेंगी। हालांकि इसमें कोरोना वायरस के प्रभाव क्षेत्र के आधार पर कुछ रियायतें दी गयी हैं।

गृह मंत्रालय के दिशानिर्देशों के मुताबिक सेबी और उसके द्वारा अधिसूचित शेयर, पूंजी और बांड बाजार एवं इससे जुड़े सेवाप्रदाता इस अवधि के दौरान काम करते रहेंगे। बंद से शेयर बाजारों, निपटान निगमों, डिपॉजिटरी, म्यूचुअल फंड कंपनियों, परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों, शेयर ब्रोकरों, निपटान-डिपॉजिटरी से जुड़े कारोबारियों और शेयर हस्तांतरण एजेंटों को राहत दी गयी है। इसके अलावा क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां, डिबेंचर न्यासी, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक, पोर्टफोलियो प्रबंधक, वैकल्पिक निवेश कोष और निवेश सलाहकार भी काम करते रहेंगे।बाजार नियामक सेबी ने कहा कि यह आदेश चार मई के बाद दो सप्ताह तक मान्य है।

शेयर बाजार में भारी गिरावट के चलते शुराती कारोबार के चंद मिनटों में ही निवेशकों को करीब 5.15 लाख करोड़ रुपये का झटका लगा है। भारी बिकवाली के कारण सोमवार के शुरुआती कारोबार में बीएसई में लिस्टेड कंपनियों को 5.15 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 5,15,308.99 करोड़ रुपये घटकर 1,24,26,311.83 करोड़ रुपये रह गया। बता दें कोरोनावायरस संकट के कारण चौथी तिमाही में कंपनी के समेकित लाभ में 3.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,512 करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई है।

फर्जी आरोग्य सेतु एप से बचें, यूपीआई खातों पर ठगों की नजर

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे फर्जी आरोग्य सेतु एप से भी सरकार की तरफ से सावधान रहने को कहा है। आरोग्य सेतु एप्लिकेशन गूगल प्ले स्टोर, एप्पल स्टोर, मेरी सरकार (माईगॉव) वेबसाइट पर उपलब्ध है। लोगों को आगाह किया है कि सोशल मीडिया के जरिए यदि कोई आरोग्य सेतु ऐप का लिंक भेजने का दावा करे तो उसे क्लिक न किया जाए। वो वायरस हो सकता है। ऐसे लिंक के बारे में पर रिपोर्ट करने को भी कहा गया है। कोरोना संकट के दौर में कैश से डिजिटल लेन-देन की ओर अभी-अभी शिफ्ट हुए तमाम लोग अब साइबर ठगों की नजर में आ गए हैं। 'हिन्दुस्तान' को मिली जानकारी के मुताबिक साइबर ठग इन नए लोगों को ही पहले निशाना बना रहे हैं। देश में बीते मार्च और अप्रैल के बीच करीब 50 लाख नए लोगों ने यूपीआई खाते खोले हैं। साइबर ठग इन्हीं लोगों को निशाना बनाकर उन्हें एक लिंक के साथ एसएमएस भेजते हैं जिसे खोलते ही लोगों के खाते की रकम साफ करने के लिए ठगों के लिए रास्ता खुल जाता है। राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक लेफ्टिनेंट जनरल राजेश पंत ने बताया कि नए लोगों को शिकार बनाना साइबर गिरोह के लिए आसान हो जाता है। उनके मुताबिक पिछले दो महीने में बढ़ता साइबर फ्रॉड का ग्राफ अब काबू में आ रहा है, लेकिन नए लोगों को निशाना बनाने में ये ठग नहीं चूकते। उन्होंने लोगों को सुझाव देते हुए कहा कि किसी भी गैर जरूरी लिंक को खोलते ही व्यक्ति के मोबाइल या कम्प्यूटर की कमान साइबर ठग के हाथ में जाने की आशंका रहती है।

आज का भविष्यफल

मेषः मेष राशि के जातकों की अपने काम के प्रति गहन समझ और रिस्क लेकर काम करने की क्षमता उन्हें कार्यक्षेत्र में सफलता दिलाएगी। धन प्राप्ति के लिए किए गए सभी प्रयास सफल होंगे।

वृषभः वृष राशि के जातकों आज कुछ नया काम मिलने का योग है। भाग्य धन प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। आत्मविश्वास और सही निर्णय लेने से सभी काम आसान हो जाएंगे। महत्वपूर्ण निर्णय लेने से पहले विचार अवश्य करें या फिर किसी भरोसेमंद व्यक्ति की सलाह लें।

मिथुनः मिथुन राशि के जातको के लिए आज आराम का दिन है। मनोरंजन से शरीर में नई ऊर्जा का संचार होगा तथा कार्यक्षेत्र व धन प्राप्ति के लिए नई योजनाएं बनाने में कामयाब रहेंगे।

कर्कःकर्क राशि के जातक अगर कोई ऐसा काम करना चाहते हैं, जिसमे पैसों का रिस्क हो आज अगर वह करते हैं तो उसमें सफलता मिलेगी। पुराने निवेश पर आज पुनर्विचार का दिन भी है।

सिंहः सिंह राशि के जातक आज आत्म केंद्रित रहेंगे प्रतिद्वंदी आपको परेशान करने की कोशिश करेंगे परंतु असफल रहेंगे। धन प्राप्ति के लिए दिन अच्छा है।

कन्याः कन्या राशि के जातक बौद्धिक क्षमता के बल पर सहयोगियों पर अपना प्रभाव डालने में कामयाब रहेंगे। विभिन्न स्रोतों से धन प्राप्ति के योग हैं। जल्दबाजी में खरीदारी से बचना चाहिए।

तुलाः तुला राशि के जातक अपनी प्रभावशाली रिलेशनशिप तथा बातचीत के कौशल से कुछ नए अनुबंध पाने में कामयाब रहेंगे, जो कि भविष्य में धन प्राप्ति का मुख्य साधन बनेंगे। धन के लिहाज से आज का दिन अति उत्तम है।

वृश्चिकः वृश्चिक राशि के सेवा क्षेत्र से जुड़े हुए लोगों को सफलता व धन प्राप्ति के अच्छे योग हैं। मेहनत के अच्छे परिणाम मिलेंगे। सहयोगी भी आपकी पूरी मदद करेंगे।

धनुः धनु राशि के के लोगों के लिए विचारों की स्पष्टता बहुत जरूरी है। जब वह सही निर्णय लेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी। धन प्राप्ति के लिए दिन सामान्य है। आत्मविश्वास को बनाए रखें।

मकरः मकर राशि के जातकों पर अपने बॉस की विशेष अनुकंपा बनी रहेगी। नया विचार कार्यक्षेत्र में तरक्की देंगे। आज आपको अपने संचित धन के ऊपर ही खर्चे के लिए निर्भर रहना होगा।

कुंभः कुंभ राशि के जातक हमेशा पैसों को लेकर आत्म चिंतन में लगे रहते हैं आज भी एक ऐसा ही दिन है। जिसमें नई योजनाएं बनेंगी। जो आगे जाकर धन प्राप्ति में सहायक होगी। आज धन प्राप्ति की संभावनाएं कम हैं।

मीनःमीन राशि के जातकों को आज काम करने का दिल नहीं करेगा। कुछ आराम के मूड में रहेंगे। पुरानी मेहनत धन प्राप्ति कराएगी। खर्च पर नियंत्रण रहेगा। जीवन के प्रति आज आपकी सकारात्मक सोच कोई नई उपलब्धि दिला सकती है।

सू- दोकू क्र.012

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 11 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4

शब्द सामर्थ्य -012

बाएं से दाएं : [illegible]

ऊपर से नीचे [illegible]

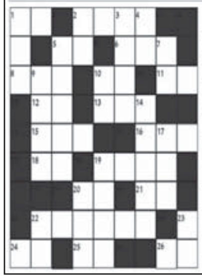

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 11 का हल

दंतैलो का खौफ, आ धमके

जिला मुख्यालय महासमुंद में जंगली हाथियों के एक दल के प्रवेश कर जाने से नागरिक भयभीत हैं। चहुंओर 'हाथी आया-हाथी आया' का ही चर्चा है। आज सुबह 6-7 बजे के बीच 19 हाथियों का दल शहर से होकर गुजरा। नेशनल हाइवे-353 जिला मुख्यालय को पार करते शहरवासियों ने हाथियों के झुंड को देखा तो देखते ही रह गए। सितली नाला के पास हाथियों के झुंड ने सड़क पार किया। जिला मुख्यालय से 10 किमी दूर बम्हनी के पास दो दिन से डेरा जमाए हुए हैं। फोटो- महादेव तिवारी

वन भूमि पर काबिज चार गरीब आदिवासी परिवार का उजाड़ा वन विभाग ने आशियाना

राधे पटेल

मैंनपुर। रहने को घर नहीं, खाने को दो वक्त की रोटी नहीं। ऊपर से प्रशासन का कहर मामला वन परिक्षेत्रक्षेत्र उदंती सीता नदी रिजर्व टाइगर गरियाबंद का है, जहां एक तरफकोरोना के चलते लॉक डाउन में घर पर ही रहने की हिदायत केंद्र व राज्य सरकार द्वारा दी जा रही और लॉकडाउन का पालन करने कहा जा रहा है। ऐसे में एक आदिवासी परिवार का घर तोड़कर उन्हें बेदखल करना कितना जायज है।

मैनपुर ब्लाक मुख्यालय के साहेबिन कछार पंचायत के आश्रित ग्राम करलाझर गांव में गरीब आदिवासी परिवार 15 साल से काबिज गांव में निवास करता था,जहां एक ओर लॉक डाउन और कोरोना महामारी से रोजी रोटी की मार झेल रहे गरीब ग्रामीण अपने परिवार का पेट भरने के लिए पूरे दिन घर परिवार को लेकर मजदूरी करने इसी विश्वास से निकलता है कि मेरा परिवार घर सुरक्षित है और जब शाम को बापस आने पर पता चलता है कि कोई आकर उसका आशियाना तोड़ कर निकाल गया है। ऐसे में घर का मुखिया की क्या हालत होगी? यह घटना साहेबिनकछार पंचायत के आश्रित ग्राम करलाझर की हैं जहाँ का एक गरीब आदिवासी किसान है जब वह रोजी रोटी के लिए गांव में रोजगार गांरटी में काम करने गया था तभी वन विभाग का अमला आकर उसका आशियाँना तोड़ कर चला जाता है बता दे किलखन/ सुकलाल ओटी, सुखचंद/ढेबरी लाल, मानसिंह/ बिकालाल, गोवर्धन/बैजनाथ, अपने परिवार के साथ करलाझर गांव में रहते हैं जो रोजी मज़दूरी का कार्य कर जीवन यापन करते है।और अपने परिवार का भरण पोषण करते है,और 15 वर्षो से काबिज भूमि पर अपना झुग्गु झोड़पी(लारी) बनाया हुआ था जिनकी इतनी भी कमाई नही है कि पक्का घर बना सके जो कि लारियों में ही अपना गुजर बसर करते है ।जहाँ वन विभाग के टी.आर.नरेटी वन परिक्षेत्र अधिकारी दक्षिण उदंती लोचन निर्मलकर वनपाल सहित वन अमला द्वारा उनका

क्या कहते हैं अधिकारी

टी.आर.नरेटी वन परिक्षेत्र अधिकारी दक्षिण उदंती से चर्चा करने पर उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा लारी तोड़ा गया है घर नही तोड़ा गया है जिनके लारी तोड़ी गई हैं उनके केश हाईकोर्ट में चल रहा है ।अगर उक्त ग्रामीण 15 वर्षो से निवासरत होते तो उन्हें वन अधिकार पत्र मिल गया होता।

इस सम्बंध में विशुराज नरेंद्र उपनिदेशक उदंती सीता नदी रिजर्व टाइगर से चर्चा करने पर उन्होंने कहा कि मचान नुमा कच्चा स्ट्रेक्चर तोड़ा गया हैं किसी का घर नही तोड़ा गया हैं जो कि हमारे वन क्षेत्र अंतर्गत था एक बार और जांच करवा लेता हूँ कि मामला क्या है।

आशियाना को तोड़ दिया गया हैं जबकी आज दुनिया कोरोनावायरस की चपेट में हैं उस स्थिति में सरकार जिला प्रशासन हर गरीब परिवार की मदद में लगा है जरूरतमंदों को जरूरत के सामान पहुंचा रही है बे सहारा को को सहारा दे रही है । लेकिन वन विभाग के आला अधिकारी गरीब आदिवासीयों कि झुग्गी झोपड़ी तोड़ने में लगे हुए हैं। और घर टुटने के बाद लखन/ सुकलाल ओटी, सुखचंद/ढेबरी लाल, मानसिंह/ बिकालाल, गोवर्धन/ बैजनाथ, का परिवार दुखी हो कर बेघर हो चुका है और अब दूसरे के घर में शरण लिये हुये है। मकान तोड़ने के पीछे विभागीय अधिकारियों का कहना है कि भूमि वन विभाग की है, वहीं ग्राम वासियों का कहना है कि हम लोग 15 वर्षो से यहां रहते आ रहे हैं। इनके सामने समस्या यह है कि अब ये जाएं तो जाएं कहां? देखा जाए जिले भर में मौजूद वनों में रसूखदार व अन्य लोगों द्वारा भव्य मकान बनाकर रह रहे है इन पर वन विभाग वक्र दृष्टि नहीं पड़ती है चाहे कई रसूखदार सेंकडो एकड़ वन भूमि पर मक्के की खेती करते है जिनके वन विभाग के आलाधिकारीयों से बहुत ही मधुर संबंध है।लेकिन वन विभाग की वक्र दृष्टि गरीब मजदूरों आदिवासी पर पड़ती है पर वन विभाग का कार्रवाई की चाबुक नही चलता है विडंबना यह है कि लॉक डाउन के समय विभाग मजदूर गरीब परिवार का का आसियाना तोड़ा गया यह कितना उचित है।बताना लाजमी होगा कि उदंती-सीतानदी बाघ संरक्षित क्षेत्र इस अभ्यारण क्षेत्र के गठन की स्वीकृति भारत सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्रालय द्वारा बाघों के आवास हेतु अनुकूल परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए अपने पत्र क्रमांक 3-1/2003 पी.टी. दिनांक 05.08.2006 द्वारा दी गई। इसके बाद 20 फरवरी 2009 को छत्तीसगढ़ की भाजपा की तत्कालीन सरकार ने इसका गठन किया था। उदंती-सीतानदी टाइगर रिज़र्व का नाम उदंती अभ्यारण एवं सीतानदी अभ्यारण में प्रवाहित होने वाली नदी उदंती एवं सीतानदी के नाम पर रखा गया था जो कि 1842.54 वर्ग कि.मी. वन क्षेत्र में फैला हुआ है।

ज्ञात हो कि गरियाबंद और धमतरी जिलो के जंगल को मिला कर उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व का गठन किया गया है। उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के गठन के बाद से आज तक वन विभाग को बाघ का कोई भी पुख्ता प्रमाण नहीं मिल पाया है। जबकि वन विभाग ने बाघ के संरक्षण संवर्धन के नाम पर अब तक लगभग 40 करोड़ रुपया खर्च कर चुका है। करोड़ों खर्च करने के बाद भी आज तक वन विभाग को बाघ का कोई भी पुख्ता प्रमाण नहीं मिल पाया है। बाघ का कोई भी प्रमाण नहीं मिलने के कारण राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकारण एनटीसीए ने उदंती सीतानदी टाईगर रिजर्व के बजट में 90 प्रतिशत तक कटौती कर दी है। मजेदार सवाल यहां भी हैं कि आखिर अधिकारीयों द्वारा 40 करोड़ रुपये कंहा खर्च किये होंगे ये एक जांच का विषय है।किन्तु जिला गरियाबंद जो की अधिकारियों व अफसर शाहों का गढ़ माना जाता है यंहा किसी भी छोटे से लेकर बड़े स्तर के भ्रष्टाचार की जांच होना असंभव है।

शराब दुकान में उमड़ी भीड़ दुकान का सील खुला मिला

पुलिस प्रशासन मुस्तैद

नव प्रदेश संवाददाता

पिथौरा। अंग्रेजी, देशी शराब की दुकान आज खुल गई मदिरापान प्रेमी सुबह से दुकान के बाहर बडी संख्या में अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए पुलिस प्रशासन को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के लिए मशक्कत करनी पड़ी शराब लेने के लिए लम्बी कतार में लोगों को लग कोविड19 के चलते पूरे राज्य में शराब दुकानों को बंद रखा गया था सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था को वापस पटरी पर लाने में मदद के लिए शराब दुकान खोलने की घोषणा की थी।

प्लेसमेंट एजेंसी, आबकारी विभाग दोषी कौन

आज जब सीलबंदी खोलने के समय जिम्मेदार अधिकारी गैरहाजिर रहे दुकान खोलने के समय अबकारी विभाग का कोई अधिकारी,कर्मचारी मौजूद नहीं थे। मौके पर शराब दुकान में सीलबंदी खुला मिला चपरासी गैरहाजिर रहा इस लाभकारी लापरवाही के लिए कौन जिम्मेदार ये तय करने वाले खुद तय करेंगे। पिथौरा प्लेसमेंट एजेंसी का पूर्व व लॉक डाउन के समय कार्य संदेह के दायरे में शुरु से रहा सीलबंदी के बाद शहर में शराब का उपलब्ध होना, आबकारी विभाग की लापरवाही, शराब दुकान के पिछले दरवाजे का सीलबंदी नहीं किया जाना , लॉक डाउन के पूर्व ढाबों होटल के अलावा हर मौहल्ले में शराब बिक्री, लॉक डाउन व सीलबंदी में भी अंग्रेजी देशी शराब लोगों को मिलती रही, सीसीटीवी कैमरे का बंद होना और सबसे बड़ी बात अबकारी विभाग की कार्यवाई नहीं किया जाना इन सभी मामलों में संदिग्ध रही है।

सीलबंदी से सील गायब

सरकार द्वारा शराब दुकान खोलने के आदेश पर आज सीलबंद शराब दुकान खोलने पहुंचे कर्मचारी को ताले से सील गायब नजर आया।हलांकि ये किसी सरफिरे की करामात हो सकती है।मौके पर आबकारी विभाग के जिम्मेदारी अधिकारी ना होने के कारण जवाब नहीं मिल पाया है।

पिरदा शराब दुकान नहीं खोली गई

नव प्रदेश संवाददाता

बसना। छत्तीसगढ़ सरकार ने एक नया नियम जारी करते हुए कुछ जिलों में शराब दुकान को शर्तो के साथ खोलने की अनुमति दी गई थी, और कई जगह आज शराब दुकान खुला भी लेकिन महासमुंद जिले के बसना थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत पिरदा के अंतर्गत आने वाले शराब दुकान आज बंद है.

गौरतलब है कि सरकार द्वारा सभी कलेक्टरों को आदेश दिए जाने के बाद कल महासमुंद कलेक्टर सुनील कुमार जैन ने भी आदेश जारी कर जिले में छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड के द्वारा संचालित समस्त देशी मदिरा दुकानें को आज 4 मई से प्रातः 08:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक शासन द्वारा जारी निर्देशों को पालन करते हुए खोलने के लिए आदेशित किया था। लेकिन इस आदेश के बावजूद पिरदा शराब दुकान के बाहर एक सूचना बोर्ड टांगा गया,

जिसमें साफ-साफ शब्दों में लिखा गया है कि कोरोना वायरस के संक्रमण काल तक देशी और विदेशी दारू बिक्री नही करने नही दिया जाएगा, ग्राम पंचायत एवं ग्राम सभा पिरदा के निर्णय अनुसार शराब दूकान को बंद रखा गया है. साथ ही लोगों से अपील की गई कि शराब खरीदने का चेष्टा ना करें अन्यथा किसी की प्रकार की अनहोनी घटना के संपूर्ण जवाबदारी आपकी होगी।

इस संबंध में ग्राम पंचायत के सचिव रमोला ठाकुर से चर्चा करने पर बताया कि गांव वालों की डर है कि बाहर से कई लोग शराब खरीदने पहुंच जाते हैं, और छत्तीसगढ़ में प्रवासी मजदूरों में संक्रमण का खतरा देखा जा रहा है. जिसके चलते गांव में भय का माहौल है गांव वालों ने यह फैसला लिया है की खतरा को देखते हुए शराब दुकान को बंद रखा जाएगा जिसमें पंचायत और ग्रामीणों की सहमति बनी है। इस सम्बन्ध में आबकारी विभाग के जिला के अधिकारियों से संपर्क करने पर कोई भी जवाब नहीं मिला।

लॉक डाउन में रेलवे ने यात्रियों की हिफाजत के लिए पेश की मिसाल

नव प्रदेश संवाददाता

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन ने कई मार्गों पर पटरियों का उन्नयन और मेंटेनेंस किया 7 पुराने स्लीपर बदले और उसके स्थान पर नए स्लीपर लगाए 7 ट्रेन के इंजन और डिब्बों का भी मेंटेनेंस किया गया 7 भारतीय रेलवे ने लॉकडाउन के 40 दिनों का फायदा मेंटिनेंस करके उठाया है। कोरोना वायरस के प्रसार पर रोक लगाने के लिए देश में लॉकडाउन लागू है। इस दौरान रेल और हवाई यातायात सेवाओं पर रोक लगी हुई है। ऐसे समय रेल यातायात ठप्प है। लेकिन रेलवे ने मेंटेनेंस पर जोर देते हुए इन 40 दिनों में यात्रियों को सुरक्षित और मंगलमय यात्रा के लिए खूब पसीना बहाया 7लॉकडाउन के 40 दिनों के दौरान रेलवे ने 50 साल पुराने लकड़ी के सीजर क्रॉस ओवर को बदला तो कहीं सालों से बंद 100 साल पुराना एफओबी तोड़ा। मेंटिनेंस के दौरान रेलवे ने आधिकारिक रूप

500 आधुनिक हेवी ड्यूटी पटरियों की मरम्मत करने वाली मशीनों ने 12,270 किमी लंबी पटरियों पर मरम्मत का काम पूरा किया

में करीब 705 घंटे का ब्लॉक भी लिया। रेलवे ने बताया कि यात्री सेवाओं के निलंबन की अवधि का इस्तेमाल रेल नेटवर्क पर लंबे समय से अटके पड़े मरम्मत के काम को पूरा करने में किया गया। उनके मुताबिक पटरियों की मरम्मत से सुरक्षा बेहतर होगी और परिचालन क्षमता बढ़ेगी। माना जा रहा है कि इस मेंटेनेंस से ट्रेनों की लेटलतीफी भी खत्म होगी। मंत्रालय ने बताया कि ये कार्य कई वर्षों से लंबित थे और इनके चलते रेलवे को गंभीर अड़चनों का सामना करना पड़ रहा था। लेकिन लॉक डाउन का उपयोग कर कई समस्याएं दूर की जा रही है। मंत्रालय ने बताया कि लॉक डाउन के दौरान करीब 500 आधुनिक हेवी ड्यूटी पटरियों की मरम्मत करने वाली मशीनों ने 12,270 किलोमीटर लंबी पटरियों पर मरम्मत का काम पूरा किया। भारतीय रेलवे ने लॉकडाउन की अवधि के दौरान यह सोचकर इस कार्य को करने की योजना बनाई कि मरम्मत के काम को पूरा करने का यह अच्छा अवसर है और इससे ट्रेन सेवाएं भी प्रभावित नहीं होंगी।

रेलवे के मुताबिक तेलंगाना में 1970 में लगा लकड़ी का सीजर क्रॉस ओवर बदला। इसके लिए 72 घंटे का ब्लॉक लेना पड़ा। इसके अलावा आंध्रप्रदेश के विजयवाड़ा में 24 घंटे का ब्लॉक लेकर पटरियों की क्रॉसिंग में लकड़ी के स्लीपर बदले गए। वहीं, चेन्नई रेलवे स्टेशन के पास असुरक्षित आरओबी को हटाया गया। इसके नीचे से आठ पटरियां गुजर रही हैं। साथ ही कई जगहों पर ब्रिज का काम किया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि बचा हुआ मेंटिनेंस का काम 17 मई तक पूरा कर लिया जाएगा।

श्रमदान से खदान के पानी को तालाब की ओर मोड़ा, हजारों परिवार होंगे लाभान्वित

नव प्रदेश संवाददाता

कोरबा। कोरोना संकट के दौर अभिनव प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में श्रमदान कर कच्चा बांध बनाकर एसईसीएल के बांकी खदान से निकलने वाले पानी की धार को देवतालाब की ओर मोड़कर जल संकट को स्थाई रूप से दूर करने का प्रयास किया है।

कोरबा नगर निगम के मोंगरा वार्ड की बांकी बस्ती के लिए जल संकट एक स्थाई समस्या है और गर्मी में यह विकराल रूप ले लेती है। पेयजल के साथ ही निस्तारी और पशुओं के लिए पानी की समस्या भी बनी रहती है। लॉक डाउन में घरों से निकलने में पाबंदी के चलते यह संकट और बढ़ गया है। इस समस्या की ओर बार-बार जिला प्रशासन तथा एसईसीएल प्रबंधन का ध्यान आकर्षित करने के बावजूद कोई समाधान आज तक नहीं हुआ था।

ऐसे में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के कोरबा जिला सचिव प्रशांत झा तथा पार्षद राजकुमारी कंवर ने पहलकदमी की। उन्होंने बांकी खदान से निकलने वाले पानी को बांकी बस्ती के देवतालाब में भरने की मांग की, जो अभी तक नाले में बहकर व्यर्थ चला जाता था। उल्लेखनीय है कि यह तालाब 200 साल से भी ज्यादा पुराना है और काफी गहरा भी। ग्रामीणजनों की आस्था है कि उनके ग्राम-देवता इसी तालाब में बसते हैं। इसी कारण तालाब का नाम भी देवतालाब पड़ा है। लेकिन इस क्षेत्र में खदान खुलने के बाद से यह गर्मियों में पूरी तरह से सूख जाता है, क्योंकि जलभराव के सभी रास्ते बंद हो गए हैं। खदान क्षेत्र में आने के कारण इस तालाब की उपयुक्त देखभाल की जिम्मेदारी भी एसईसीएल प्रबंधन की ही बनती है।

माकपा के इस सुझाव को एसईसीएल प्रबंधन ने भी गंभीरता से लिया तथा सुराकछार एरिया के प्रबंधक दिव्यजीवन सी और सिविल इंजीनियर विपिन शर्मा ने तत्काल कार्य करवाने का आदेश दिया। खदान के बहते पानी को देवतालाब की ओर मोड़ने के लिए तालाब से आधा किमी. दूर स्थित कच्ची डबरी पर बांध बनाने और यहां संग्रहित पानी को नहर के जरिये तालाब तक लाने का निर्णय हुआ। इस कार्य के लिए मशीनों का तो इंतजाम हो गया, लेकिन मजदूरों का इंतजाम नहीं हो पा रहा था। निगम क्षेत्र होने के कारण मनरेगा के जरिए भी यह काम करवाना संभव नहीं था।

ऐसी परिस्थितियों में जनता को राहत पहुंचाने माकपा ने श्रमदान का निर्णय लिया तथा पार्टी के स्थानीय नेताओं जवाहर कंवर, दिलहरण बिंझवार और श्याम सुंदर यादव के नेतृत्व में भागवत, विजय, चंद्र भुवन और कन्हैया रजक आदि की टीम ने मिलकर बांध निर्माण का काम पूरा किया। इससे खदान से निकलने वाला पानी देवतालाब में भरना शुरू हो गया है। इस बांध निर्माण से बांकी बस्ती व आसपास के क्षेत्र के एक हजार से ज्यादा परिवारों को फायदा होगा।